सुप्रभात
रांची, शनिवार
05.08.2023
नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक
खबर मन्त्र
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net श्रावण (मलमास), कृष्ण पक्ष, चतुर्थी, संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 26

12 करण जौहर का खुलासा- मैं अपनी मां के लिए ब्रा खरीदता हूं

SURJABASHA

न्यूज डायरी

इरफान की फिसली जुबान राहुल को स्वर्गीय कह दिया

रांची। सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को राहत मिलने के बाद कांग्रेस नेताओं ने जश्न मनाया। लड्डू बांटे। जश्न मनाने के दौरान जामताड़ा से कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी पर उत्साह ऐसा चढ़ा कि बोलते बोलते उन्होंने अपने राहुल गांधी को स्वर्गीय राहुल गांधी कह दिया। हालांकि सामने खड़े लोगों ने उन्हें उनकी गलती का एहसास भी करा दिया।

हंगामे के बीच वित्त मंत्री ने पेश की सीएजी रिपोर्ट

रांची। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को भाजपा के हंगामे के बीच वित्तमंत्री रामेश्वर उरांव ने सदन के पटल पर सीएजी की रिपोर्ट रखी।

आतंकी साजिश: एनआइए ने घाटी में छापामारी की

श्रीनगर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश मामले में शुक्रवार को कश्मीर में पांच स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ये छापेमारी घाटी के कई जिलों में चल रही है। यह मामला भौतिक और साइबरस्पेस दोनों में एक साजिश रचने और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों द्वारा जम्मू-कश्मीर में चिपचिपे बम, आईईडी और छोटे हथियारों के साथ हिंसक आतंकवादी हमले करने की योजना से संबंधित है।

आदिवासी महोत्सव में गूंजेगी मोनिका की सुरीली आवाज

रांची। झारखंड की स्वर कोकिला कही जाने वालीं मोनिका मुंडू आदिवासी महोत्सव में कार्यक्रम की शुरुआत करेंगी। मोनिका मुंडू ने फोलोरा, नदिया किनारे, न्यारी, हंसा जोड़ी जैसी कई हिट नागपुरी म्यूजिक एल्बम में स्वर दे चुकी हैं। अभिनय की दुनिया में भी उन्होंने अलग पहचान बनायी है।

पाक ने ड्रोन से गिराये 53 करोड़ की हेरोइन

नयी दिल्ली। पाकिस्तानी तस्करों ने गुरुवार देर रात ड्रोन के जरिये 53 करोड़ रुपए की हेरोइन की खेप भारत में भेजी। हालांकि बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन पर फायरिंग की। इलाके में सघन अभियान चलाया जिसमें 3 पैकेट रात में ही बरामद किए और चौथा पैकेट शुक्रवार सुबह बरामद किया है। पाकिस्तानी ड्रोन को मार भगाया। हेरोइन का वजन 10 किलो 850 ग्राम है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 53 करोड़ है।

गहना आभूषण

सोना (बिक्री)	:	55,900 रु./10 ग्राम
चांदी	:	74,000 रु./प्रति किलो

अंतिम दिन 45 बिल समेत स्वास्थ्य विज्ञान विवि विधेयक पास

मुख्यमंत्री होंगे कुलाधिपति

वेल में जाकर कर भाजपा ने किया हंगामा

- मॉनसून सत्र के आखिरी दिन 45 प्राइवेट बिल पारित
- विनोद सिंह में उठाया कैशलेस स्वास्थ्य बीमा मुद्दा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विधानसभा में शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद हंगामे के बीच झारखंड स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक 2023 पारित कर हो गया। हेल्थ साइंस के संसाधनों को राज्य में समृद्ध करने के उद्देश्य से यह विधेयक लाया गया है। यूनिवर्सिटी के जरिये राज्य में हेल्थ साइंस की पेशेवर शिक्षा को विकसित किया जायेगा। इसमें नर्सिंग, फार्मेसी, दंत चिकित्सा, फीजियोथेरेपी, पारा मेडिकल समेत कई विषयों की पढ़ाई होगी। रिसर्च से जुड़े विषयों को सुविधानजक बनाया जायेगा। विधेयक में प्रावधान के अनुसार मुख्यमंत्री इस यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति होंगे। सीएम ही दीक्षांत समारोह और शासी निकाय की बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। विश्वविद्यालय में कुलपति, डिपार्टमेंट के डीन, रजिस्ट्रार, वित्त पदाधिकारी और परीक्षा नियंत्रक समेत कई पदों का सृजन होगा। पहले कुलपति की नियुक्ति मुख्यमंत्री के द्वारा की जायेगी। 70 वर्ष से कम उम्र के ही व्यक्ति को कुलपति नियुक्त किया जायेगा।

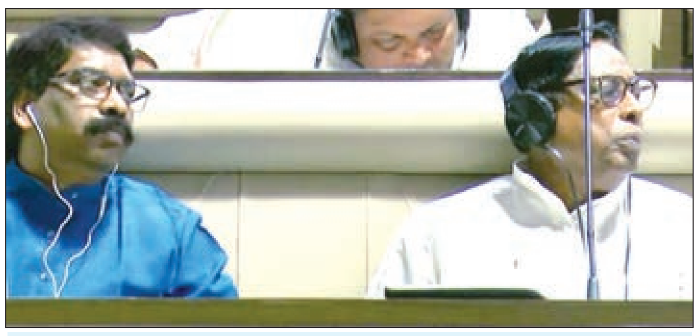

सिर्फ झारखंडियों को ही रोजगार दूंगा : सीएम

मानसून सत्र के अंतिम दिन समापन अभिभाषण में सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में हम नियुक्ति प्रकिया बढ़ा चुके हैं और यह लगातार जारी रहेगा। मैं गारंटी देता हूं कि सिर्फ और सिर्फ झारखंडियों को ही रोजगार व स्वरोजगार दूंगा। उनकी सरकार विधि-व्यवस्था बनाये रखने को कृतसंकल्प है। पुलिस को अपराध पर नियंत्रण की खुली छूट है। मणिपुर में आदिवासी समाज का उत्पीड़न हो रहा है पर केंद्र व वहां की सरकार मूकदर्शक है। सीएम ने कहा कि वन संरक्षण नियमावली में पिछले वर्ष ग्राम सभा के अधिकार को छीन लिया गया और फिर लोकसभा के सत्र में वन संरक्षण कानून में केंद्र सरकार ने ऐसे संशोधन किये गये कि भविष्य में आदिवासियों से उनका जंगल ही छीन लिया जायेगा। इसे यहां लागू नहीं होने दूंगा।

झारखंड सरकार भी जाति जनगणना के पक्ष में

रांची। संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने शुक्रवार को सदन में कहा कि झारखंड सरकार पिछड़ों को 27 फीसदी आरक्षण देने और जातिगत जनगणना कराने को लेकर गंभीर है। सरकार भी चाहती है कि राज्य में जातिगत जनगणना होनी चाहिए। सदन में इसे पारित कर केंद्र को भेजा जायेगा। यदि केंद्र इसे मंजूरी नहीं देता है, तो भी बिहार की तर्ज पर राज्य में इसे लागू करने पर विचार किया जायेगा। दरअसल, शुक्रवार को प्रथम पाली में विधायक प्रदीप यादव ने यह मामला उठाया था। प्रदीप यादव ने ध्यानाकर्षण सूचना के जरिये सरकार से पूछा था कि राज्य में पिछड़ों की आबादी 50 से 60 फीसदी है, जबकि नौकरियों में उन्हें सिर्फ 14 फीसदी आरक्षण प्राप्त है। पिछड़ों का आरक्षण 27 फीसदी किया जाये और राज्य में जातिगत जनगणना भी करायी जाये। इस पर संसदीय कार्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने एसटी, एससी और ओबीसी को 77 फीसदी आरक्षण देने का विधेयक सदन से पारित करा कर राजभवन को भेजा था। यह अभी प्रक्रियाधीन है। इस पर विधायक ने जानना चाहा कि आखिर क्या चीज प्रक्रियाधीन है। तब उन्होंने कहा कि राजभवन से बिल अभी नहीं लौटा है। राज्य सरकार राजभवन से बिल मंगवाकर फिर से पारित करायेगी।

शीघ्र बिल पेश होगा, केंद्र की मंजूरी नहीं मिलने पर बिहार की तर्ज पर होगा विचार

बकाया वसूली को ले लोक उपक्रमों पर सर्टिफिकेट केस : डॉ उरांव

रांची। वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि केंद्र सरकार और लोक उपक्रमों पर राज्य का भारी-भरकाम पैसा बकाया है। इसे प्राप्त करने की विधिवत कोशिश की जा रही है। उन्होंने इसके लिए किसी तरह के असंवैधानिक कदम नहीं उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि लोक उपक्रमों के बकाये की वसूली के लिये सर्टिफिकेट केस किया जा सकता है। इसके लिए मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के स्तर पर

से भी केंद्र के समक्ष बकाया राशि के लिए आग्रह किया जाता रहा है। इस दौरान विपक्षी सदस्य वेल पर हंगामा करते रहे। राज्य सरकार के खिलाफ भाजपा विधायक नारेबाजी करते रहे।

प्रदीप यादव ने उठाया था मामला : दरअसल, प्रश्नकाल के दौरान सदन में विधायक प्रदीप यादव ने बकाये की वसूली संबंधी सवाल पूछा था। डॉ उरांव ने कहा कि अक्सर कहा जाता है कि केंद्र अगर बकाया नहीं देगा तो कोयले की ढुलाई भी बंद की जा सकती है। चक्का जाम किया जा सकता है। ऐसी बात मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी कह चुके हैं। इशारों-इशारों में वित्त मंत्री ने कहा कि ऐसा होने से झारखंड को भी क्षति होगी। श्री यादव ने पूछा था कि केंद्र सरकार के पास बकाया राशि और केंद्र की योजनाओं के मद में 35 हजार करोड़ रुपये के लिए बार-बार मांग करनी पड़ रही है। वसूली के लिए राज्य सरकार क्या कर रही है।

35000 करोड़ से अधिक बकाया: वित्त मंत्री : इसके जवाब में वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि 35000 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि केंद्र सरकार और लोक उपक्रमों के पास बकाया है। इसके अलावा केंद्र प्रायोजित योजनाओं में करीब 22 सौ करोड़ से अधिक की राशि बकाया है। राज्य सरकार के प्रयास से भूमि अधिग्रहण मद में 2532.55 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि लैंड रिफॉर्म मद में 80 हजार करोड़, कॉमन कॉज मद में 35 हजार करोड़ रु, बिजली विभाग के 1779 करोड़ समेत अन्य मद में भारी भरकम राशि बकाया है। इसको लेकर कोयला मंत्रालय समेत केंद्र के अन्य उपक्रमों से कई बार बातचीत हुई है। कोयला मंत्रालय ने कोल बेयरिंग एक्ट का हवाला देते हुए कहा था कि जमीन पर उसका हक है। इस डाउट को समझाने पर उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ है। उन्होंने कहा कि सरफेस लैंड पर राज्य का हक होता है। जबकि सरफेस के नीचे की जमीन केंद्र की होती है। कोयला मंत्रालय को यह बात समझ में आ गई है। इसके बाद वहां से कहा गया कि कमर्शियल रेट पर पैसे नहीं देंगे। इसको राज्य सरकार ने मान लिया है और कृषि रेट पर ही बकाया देने की मांग की है। इसको लेकर ज्वाइंट सर्वे कराया गया है। रिपोर्ट आने के बाद डिमांड तय होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास बकाया राशि की वसूली के लिये वैधानिक तरीका मौजूद है। यह सभी जानते हैं कि सर्टिफिकेट केस से विलंब होता है। यह भी समझना चाहिये कि केंद्र की कंपनियों पर केस करना चाहिए या नहीं। इसलिए हम नीति आयोग के पास गये। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार और उसके अन्य उपक्रम बकाया राशि को धीरे धीरे लौटायेंगे।

सुभाष मुंडा के परिजनों को मुख्यमंत्री ने दिया भरोसा

सरकार आपके साथ है कोई अपराधी नहीं बचेगा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को सुभाष मुंडा के माता-पिता को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार हर हाल में आपके परिवार को न्याय देगी। किसी भी हाल में इस हत्याकांड में संलिप्त अपराधियों को बक्शा नहीं जायेगा। सीएम ने कहा, मैंने स्वयं इस हत्याकांड को गंभीरता से लिया है। सरकार के निर्देशानुसार पुलिस स्व सुभाष मुंडा की हत्या से संबंधित प्रत्येक बिंदु पर अनुसंधान कर रही है। मैं खुद पूरी जानकारी लेते रहता हूं। उन्होंने परिजनों से कहा कि राज्य सरकार परिवार के साथ सदैव खड़ी रहेगी। परिजनों को राज्य सरकार द्वारा हर संभव मदद दी जायेगी।

स्व सुभाष मुंडा के परिजनों ने सीएम से शुक्रवार को भेंट की और अपनी गुहार लगायी और मदद का अनुरोध किया। सीएम श्री सोरेन ने स्व मुंडा के माता-पिता एवं पूरे परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। (शेष पेज 11 पर)

दलादली चौक में बनेगा पुलिस आउटपोस्ट

मुख्यमंत्री ने परिजनों से कहा कि जल्द ही दलादली चौक के समीप पुलिस आउटपोस्ट स्थापित होगा। वहां प्रकाश की व्यवस्था भी की जायेगी। हाल के दिनों में रिंग रोड स्थित चौराहों पर कुछ असामाजिक तत्वों का जमावड़ा होता दिख रहा है। राज्य सरकार की ओर से पुलिस प्रशासन को इन असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके ऊपर कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी घटना की पुनरावृत्ति न हो, इस निमित्त राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ अपराध नियंत्रण पर कार्य कर रही है। परिजनों में सुरेश मंडा, अमित मुंडा, बिशु मुंडा सहित जेएमएम नेता मुश्ताक आलम एवं अन्य उपस्थित थे।

राहुल की संसद सदस्यता होगी बहाल

मोदी सरनेम मामले में सजा पर रोक, सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

एजेंसी

नयी दिल्ली। मोदी सरनेम मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गयी है। कोर्ट ने निचली अदालत से मिली दो साल की उनकी सजा पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से देश भर के कांग्रेसियों में खुशी का माहौल है।

सुप्रीम कोर्ट की नसीहत : सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की (न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार) की पीठ ने कहा कि मानहानि के अपराध के लिए अधिकतम दो साल की कैद की सजा देने का कोई विशेष कारण नहीं बताया है। शीर्ष कोर्ट ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनका बयान गुड टेस्ट में नहीं था। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्ति से सार्वजनिक भाषण देते समय सावधानी बरतने की उम्मीद की जाती है। उन्हें (राहुल गांधी) अधिक सावधान रहना चाहिए था। निचली अदालत के फैसले के बाद उनकी संसद सदस्यता चली गयी थी।

सत्य और लोकतंत्र की जीत : कांग्रेस : इससे पहले कांग्रेस के अधयक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि यह सत्य और लोककतंत्र की जीत है। आज प्रजातंत्र और संविधान की जीत हो गयी। सत्यमेव जयते की जीत हुई है। हमलोग

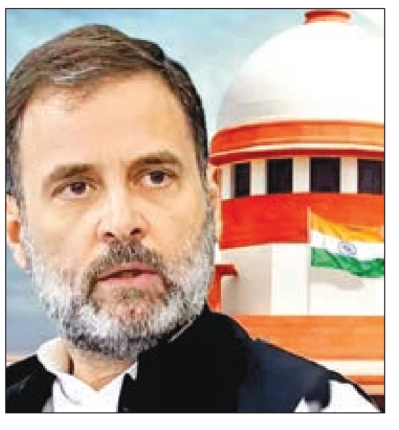

खुश हैं। मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। देश में अभी संविधान जिंदा है और न्याय मिल सकता है, इसकी उम्मीद कायम है। यह सारे भारत की जनता की जीत है। राहुल के खिलाफ जब फैसला आया था, तब मोदी सरकार ने उन्हें हटाने में 24 घंटे का भी समय नहीं लिया था, आज हम देखेंगे कि सरकार उनकी सदस्यता कितने देर में बहाल करती है।

सदन में भाग लेंगे

कांग्रेस नेताओं के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के फैसले का मतलब यह है कि जब तक राहुल गांधी के खिलाफ सुनवाई पूरी नहीं हो जाती है, और कोर्ट अपना अंतिम फैसला नहीं सुना देता है, तब तक के लिए उनकी संसद सदस्यता बहाल हो जायेगी। अब राहुल गांधी संसद के मानसून सत्र में भी हिस्सा ले सकते हैं। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि राहुल गांधी मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर होने वाले बहस में भाग लेंगे। अब सुप्रीम कोर्ट से आदेश की प्रति लोकसभा सचिवालय को भेजी जायेगी। लोकसभा सचिवालय को इस पर फैसला लेना होगा। प्रक्रिया में ज्यादा समय नहीं लगेगा और बहुत संभव है कि राहुल गांधी मंगलवार को संसद सत्र में शामिल हो जायेंगे।

राहुल बोले सच्चाई की होनी ही थी जीत

सप्रीम कोर्ट स मिली बड़ी राहत के बाद राहुल गांधी मीडिया से बातचीत में कहा की आज नहीं तो कल या परसो सच्चाई की जीत होनी ही थी। उन्होंने कहा कि मुझे आगे क्या करना है ये उन्होंने पहले ही तय कर लिया था। जिन लोगों ने हमारी मदद की और जनता से जो प्यार और समर्थन मिला, उसके लिए बहुत-बहुत शुक्रिया। राहुल ने एक ट्वीट भी किया। इसमें उन्होंने लिखा, चाहे जो भी हो, उनका प्रयास जारी रहेगा।

आज जारी होगा आकलन परीक्षा का आंसर की और ओएमआर शीट

खबर मन्त्र एक्सक्लूसिव

सुधीर

रांची। झारखंड अधिविध परिषद (जैक) आकलन परीक्षा का आंसर की कल जारी करेगा। साथ ही ओएमआर शीट भी जैक की साइट पर अपलोड करेगा, ताकि राज्य के 43000 वैसे पारा शिक्षक जिन्होंने इस परीक्षा में हिस्सा लिया है, उन्हें पता चल सके कि वे कितने पानी में है। जैक की ओर से पहली बार परीक्षा आयोजित करने के बाद पूरी ओएमआर शीट को ही पोर्टल पर सार्वजनिक किया जा रहा है। इसके साथ साथ आंसर की जारी कर उन्हें यह बताने का प्रयास किया

जा रहा है कि उनके द्वारा दिये गये जवाब कितने सही हैं और कितने गलत। पिछले 30 जुलाई को राज्य के पारा राज्य के 43000 पारा शिक्षकों के लिए आकलन परीक्षा आयोजित की गयी थी। इस दौरान पारा शिक्षकों का कहना था कि परीक्षा में काफी कठिन प्रश्न पूछे गये थे। वहीं जैक अध्यक्ष अनिल कुमार का कहना था कि परीक्षा में पूरी तरह से दसवीं और बारहवीं स्तर के प्रश्न पत्र पूछे गये थे। (शेष पेज 11 पर)

क्या है मामला

वर्तमान सरकार ने राज्य के पारा शिक्षकों के मानदेय में हर साल 10 फीसदी बढ़ोतरी को लेकर आकलन परीक्षा पास करने का शर्त है। इसी के तहत राज्य के पारा शिक्षकों के लिए जैक ने आकलन परीक्षा आयोजित की थी। हालांकि इस परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने वाले पारा शिक्षकों को दूसरी और तीसरी बार भी मौका मिलेगा। अगर वह तीन में किसी भी एक परीक्षा में 40 फीसदी अंक नहीं ला पायेंगे तो उन्हें मानदेय में बढ़ोतरी का लाभ नहीं मिलेगा। वैसे पारा शिक्षक जो 3 बार की परीक्षा में शामिल होने के बाद किसी भी एक परीक्षा में 40 फीसदी अंक ले आते हैं तो वह 10 फीसदी मानदेय बढ़ोतरी के हकदार होंगे।

गृह सचिव अजय भल्ला को भी फिर सेवा विस्तार

नयी दिल्ली। होम सेक्रेटरी अजय भल्ला को सरकार ने लगातार चौथा सेवा विस्तार दिया है। वह इसी महीने की 22 तारीख को सेवामुक्त होने वाले थे, लेकिन उन्हें भी अब 22 अगस्त, 2024 तक विस्तार दे दिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय के डायरेक्टर संजय कुमार मिश्रा और कैबिनेट सचिव राजीव गौबा के बाद एक और बड़े अफसर को केंद्र सरकार ने सेवा विस्तार दे दिया है। होम सेक्रेटरी अजय भल्ला को सरकार ने लगातार चौथा सेवा विस्तार दिया है। शुक्रवार को जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने अजय कुमार भल्ला के सेवा विस्तार को मंजूरी दी है। उन्हें अगले साल 22 अगस्त तक के लिए एक्सटेंशन मिला है। अजय भल्ला को नवंबर 2020 में ही रिटायर होना था, लेकिन उनके कार्यकाल को सरकार ने अक्टूबर 2020 में 22 अगस्त, 2021 तक के लिए बढ़ा दिया था।

झारखंड के 20, बिहार के 49 स्टेशनों का होगा पुनरुद्धार

पीएम 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की कल रखेंगे आधारशिला

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम मोदी एक ऐतिहासिक पहल के तहत छह अगस्त को वीडियो कांफ्रेंस के जरियेदेश भर के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे। पीएमओ की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गयी। पीएम मोदी जिन स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे उनमें झारखंड के 20, बिहार के 49 और पश्चिम बंगाल के 37 स्टेशन शामिल हैं। परियोजना की लागत 24,470 करोड़ रुपये होगी और इससे यात्रियों

को आधुनिक सुविधाएं प्रदान होंगी। इसके लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गयी है।

विश्व स्तरीय सुविधाएं होंगी : पीएमओ ने कहा कि मोदी अक्सर अत्याधुनिक सार्वजनिक परिवहन के प्रावधान पर जोर देते हैं और रेलवे लोगों के परिवहन का पसंदीदा साधन है। उन्होंने रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के महत्व को प्राथमिकता दी है। 1,309 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की गयी है। इस योजना के हिस्से के रूप में, प्रधानमंत्री द्वारा 508 स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए आधारशिला रखी जा रही है। पीएमओ के अनुसार शहर के दोनों किनारों के समुचित एकीकरण के साथ इन स्टेशनों को 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। यह एकीकृत दृष्टिकोण शहर के समग्र शहरी विकास के समग्र दृष्टिकोण से प्रेरित है, जो रेलवे स्टेशन के आसपास केंद्रित है।

यूपी के सर्वाधिक 55 स्टेशन : पीएमओ के अनुसार जिन स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी जानी हैं इनमें सर्वाधिक उत्तर प्रदेश और राजस्थान के 55-55 स्टेशन हैं। (शेष पेज 11 पर)

पांच डीएसपी बदले, बीएन सिंह बेरमो डीएसपी

रांची। पांच डीएसपी का तबादला किया गया है। इस संबंध में शुक्रवार की देर शाम झारखंड पुलिस मुख्यालय की ओर से अधिूसचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार लोहरदगा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित बीएन सिंह को बोकारो जिले के बेरमो का डीएसपी बनाया गया है। जैप -5 के डीएसपी के पद पर पदस्थापित सुमित प्रसाद को गिरिडीह जिले के डुमरी का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी। जय प्रकाश नारायण चौधरी को गोड्डा का अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बनाया गया है। इसी प्रकार पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत सुदर्शन कुमार आस्तिक को एसीबी रांची का डीएसपी और एसीबी डीएसपी के पद पर पदस्थापित अरविंद कुमार सिंह को विशेष शाखा का डीएसपी बनाया गया है।

प्रतियोगिता परीक्षा विधेयक के विरोध में भाजपा का दल राज्यपाल से मिला, कहा

लागू ना हो प्रतियोगिता परीक्षा विधेयक

भाजपा ने राज्यपाल से इस विधेयक की समीक्षा करने का किया आग्रह

प्रतियोगिता परीक्षा विधेयक के विरोध में राजभवन में राज्यपाल को ज्ञापन देते भाजपा के विधायक।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रतियोगिता परीक्षा विधेयक के पास होने के बाद भी भाजपा का विरोध जारी है। भाजपा ने इस विधेयक के विरोध में शुक्रवार को राज्यपाल से मिलकर ज्ञापन सौंपा। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। भाजपा ने राज्यपाल से अपील की है कि इस विधेयक की समीक्षा करें, इसके बाद ही निर्णय लें। राज्यपाल को सौंपे गये ज्ञापन में कहा गया है कि भाजपा भ्रष्टाचार और कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन की प्रबल पक्षधर है लेकिन, राज्य सरकार झारखंड लोक सेवा आयोग, झारखंड कर्मचारी चयन आयोग जैसी संस्थाओं में प्रतियोगी युवाओं की आवाज को दबाकर मनमाने तरीके से प्रतियोगी परीक्षाओं का संचालन कराना चाहती है। यह आशंका तब और प्रबल हो जाती है जब विगत दिनों जेपीएससी द्वारा आयोजित 7वीं से 10वीं तक की सिविल सेवा परीक्षा और जेएसएससी द्वारा आयोजित कनीय अभियंता परीक्षा में घोर धांधली उजागर हुई। परीक्षा में हुई धांधली के पर्याप्त सबूत उजागर होने का ही परिणाम हुआ कि राज्य सरकार ने धांधली को स्वीकारा है। विरोध का ही परिणाम हुआ कि जेएसएससी को कनीय अभियंता की परीक्षा रद्द करनी पड़ी थी।

भाजपा का मानना है कि राज्य सरकार अपनी इस प्रकार की त्रुटियों, धांधली, विफलताओं और सत्ता पोषित भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज को दबाने के लिए उपर्युक्त विधेयक को पारित कराया है। राज्य के बेरोजगार युवाओं और जनता के हित में यह विधेयक काला कानून नहीं बने, इसपर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए राज्य सरकार को आवश्यक दिशा निर्देश देने की कृपा की जाये।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कल भी सदन में विधायकों ने प्रतियोगी परीक्षा विधेयक को काला कानून बताया था। उन्होंने कहा कि भाजपा इसे काला कानून मानती है। इस कानून से कदाचार रूकेगा नहीं बल्कि और बढ़ेगा।

प्रतिनिधिमंडल में सीपी सिंह, रामचंद्र चंद्रवंशी, भानुप्रताप शाही, रणधीर सिंह, डॉ नीरा यादव, अपर्णा सेन गुप्ता, पुष्पा देवी, राज सिन्हा, नीलकंठ सिंह मुंडा, अनंत ओझा, बिरंची नारायण, कोचे मुंडा, समरीलाल आदि शामिल थे।

सांसद संजय सेठ के सवाल पर लोस में केंद्रीय मंत्री का जवाब

बीते 2 वर्ष में झारखंड में 89 जन औषधि केंद्र खोले गये

डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित मानकों का केंद्रों के निर्माण में होता है पालन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना के अंतर्गत विगत 2 वित्त वर्ष में 2160 जन औषधि केंद्र पूरे देश भर में खोले गये हैं। 2025 तक 10500 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य लिया गया है। इस दौरान झारखंड में 89 प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोले गये हैं। उक्त आशय की जानकारी केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री भगवंत खुबा ने लोकसभा में सांसद संजय सेठ के सवाल के जवाब में दी। श्री सेठ ने लोकसभा में पूछा था कि आगामी 2 वर्षों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों को लेकर सरकार ने क्या लक्ष्य तय किया है। झारखंड में कितने जन औषधि केंद्र खोले गये हैं। यहां की दवाओं और आयातित दवाओं की गुणवत्ता में क्या अंतर है। इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि अब तक जन औषधि केंद्र के माध्यम से 1800 प्रकार की दवाइयां और 285 प्रकार के सर्जिकल उपकरण आम जनता को उपलब्ध कराये जा रहे हैं। यह दवाएं बाजार मूल्य से 50 फीसदी से 90 फीसदी तक कम कीमत पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा जन औषधि केंद्रों पर दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित हो, इसके लिए भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो ने देशभर में वितरकों की एक मजबूत टीम तैयार की है। उन्होंने यह भी बताया कि आयातीत दवाएं हो या भारत में विनिर्मित दवायें, उन्हें एक नियम और जांच गुणवत्ता के मानकों के अनुसार ही तैयार किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशा-निर्देशों के आलोक में ही जन औषधि केंद्र में बिकने वाली दवायें तैयार की जाती है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जुलाई 2023 तक झारखंड में 89 प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र खोले गये हैं। जिसमें सबसे अधिक रांची में 17, बोकारो में 13, देवघर और धनबाद में 5-5, चतरा, गोड्डा, गुमला, लोहरदगा, पाकुड़ और साहिबगंज में खोले गये हैं। इन सभी जिलों में 1-1 जन औषधि केंद्र स्थापित है।

पांच डीएसपी रैंक के अफसरों का तबादला

रांची। राज्य सरकार ने शुक्रवार को डीएसपी रैंक के पांच अधिकारियों का तबादला किया। इससे संबंधित अधिसूचना शुक्रवार की देर शाम झारखंड पुलिस मुख्यालय ने जारी कर दी है। लोहरदगा डीएसपी के पद पर पदस्थापित बीएन सिंह को बेरमो डीएसपी बनाया गया है। जैप -5 के डीएसपी के पद पर पदस्थापित सुमित प्रसाद को गिरिडीह, डुमरी का डीएसपी बनाया गया है। सीआइडी डीएसपी के पद पर पदस्थापित जय प्रकाश नारायण चौधरी को गोड्डा का डीएसपी बनाया गया है। पदस्थापन के लिए प्रतीक्षारत सुदर्शन कुमार आस्तिक को डीएसपी एसीबी रांची बनाया गया है। एसीबी डीएसपी के पद पर पदस्थापित अरविंद कुमार सिंह को विशेष शाखा का डीएसपी बनाया गया है।

राहुल गांधी की संसद में वापसी से विपक्षी एकता को मिलेगा बल : शशिभूषण राय

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि भूषण राय ने उच्चतम न्यायालय द्वारा पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को राहत देते हुए उनकी संसद सदस्यता को दोबारा बहाल करने के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आज पूरा देश उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करता है। न्यायालय के इस फैसले से सत्य की जीत हुई है।

श्री राय ने कहा है कि हम सब मानते हैं जिस तरह से राहुल गांधी ने देश के जन मुद्दों पर हमेशा मुखर होकर केंद्र सरकार से लड़ा है, वो काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा है कि भाजपा द्वारा राहुल गांधी के लिए रचा गया किसी भी तरह का

षड्यंत्र ज्यादा दिनों तक परेशान नहीं कर सकता है। राहुल गांधी ने देश की जनता के हित में हमेशा नफरत की बजार में मुहब्बत का दुकाने खोलने का काम किये है। उनके संसद में वापस आने से विपक्षी एकता को बल मिलेगा। न्यायालय के इस फैसले से समस्त आइएनडीआईए में शामिल दलों के कार्यकर्त्ता और नेता खुश है। इसका परिणाम अगामी लोकसभा के चुनाव में देखने को मिलेगा।

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर कांग्रेस में खुशी की लहर

राहुल गांधी ने जो मोहब्बत की दुकान खोली, उसकी हुई जीत: राजेश ठाकुर

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को राहत मिलने पर कांग्रेस में खुशी की लहर है। झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र के आखिरी दिन आए फैसले के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने कहा कि सत्य की जीत हुई है। सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं। राहुल गांधी ने नफरत के बाजार में जो मोहब्बत की दुकान खोली, उसकी जीत है। देश की जनता ने पिछले कई चुनावों में कांग्रेस को चुना और बीजेपी को यह बता दिया कि अब उसकी नफरत की दुकान चलने वाली नहीं है।

भाजपा कहीं मुंह दिखाने के काबिल नहीं रही

राजेश ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी की मंशा वैसी नहीं थी, जैसा कि बीजेपी ने पेश किया। उन्होंने ललित मोदी और नीरव मोदी, जो कि वाकई में भगोड़े और चोर हैं, उनको लेकर यह बात कही थी। बीजेपी ने मणिपुर से लेकर हरियाणा तक और झारखंड में भी अशांति फैलाने का प्रयास किया। लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली। बीजेपी इस फैसले के बाद कहीं मुंह दिखाने के काबिल नहीं रही, जो राहुल गांधी की सदस्यता छीनना चाह रही थी।

दीपिका पांडे ने बांआ लड्डू, कहा- राहुल गांधी इज बैक

विधायक दीपिका पांडे ने इस मौके पर विधानसभा परिसर में लड्डू बांटे और कहा कि राहुल गांधी इज बैक। देश की जनता सबकुछ देख रही है और समझ रही है। आने वाले 2024 के चुनाव में इसका असर देखने को मिलेगा। विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि यह लोकतंत्र की जीत है।

सजा पर रोक सत्य और न्याय की जीत : बन्ना गुप्ता

मोदी उपनाम से संबंधित टिप्पणी के मामले में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के आदेश का स्वागत करते हुए मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि यह सत्य और न्याय की जीत हुई है। हमारे नेता राहुल गांधी जनता की आवाज हैं। केंद्र सरकार चाहे जितनी भी षड्यंत्र कर ले, आवाज को दबा नहीं सकती है। मालूम हो कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को मोदी सरनेम टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि मामले में सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। कोर्ट ने शुक्रवार को अंतरिम आदेश में कांग्रेस नेता की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने के बाद राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल हो सकती है।

कुरमी-कुड़मी को एसटी की सूची में शामिल करे सरकार: लंबोदर महतो

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आजसू विधायक डॉ लंबोदर महतो ने मानसून सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार को विधानसभा के प्रवेश द्वार पर कुरमी-कुड़मी को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग को लेकर धरना दिया। उन्होंने कहा कि यह मांग लंबे समय से की विभिन्न स्तरों पर की जा रही है। राज्य सरकार एक बड़ी आबादी की इस मांग को पुरा करने में सकारात्मक रूख प्रदर्शित करे। इसके बाद उन्होंने सदन में झारखंड आंदोलनकारी शहीद निर्मल महतो की कैद मूर्ति को फुसरो चौक में स्थापित करने की मांग की। उन्होंने सदन में कहा कि तत्कालीन सरकार की ओर से 7 जुलाई 2013 को शहीद निर्मल महतो की मूर्ति को वहां से हटाकर बेतरतीब तरीके से थाना परिसर में रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में लोग 8 अगस्त को शहीद निर्मल महतो की शहीद दिवस मनाते हैं।

पुलिस मुख्यालय ने इंस्पेक्टर रैंक के 40 पदाधिकारियों का किया तबादला

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय ने इंस्पेक्टर रैंक के 40 पुलिस पदाधिकारी का तबादला किया है। इससे संबंधित अधिसूचना डीआईजी कार्मिक के द्वारा शुक्रवार की देर शाम जारी कर दी गई है।

किनका कहां हुआ स्थानांतरण

मोहम्मद रुस्तम : स्पेशल ब्रांच रांची	अनिल कच्छप :बोकारो
मुनु टुडू : एसीबी रांची	अशोक कुमार 1 : बोकारो
नूतन मोदी : सीआईडी रांची	दिवाकर मंडल : बोकारो
उज्जवल कुमार साह : सीआईडी रांची.	राज बल्लव पासवान : बोकारो
गजेंद्र कुमार पांडे : सीआईडी रांची	संजय कुमार : बोकारो
रविंद्र कुमार सिंह : झारखंड जगुआर	रूपेंद्र कुमार राणा : बोकारो
शैलेश कुमार चौहान : जेएपीटीसी पदमा	नवल किशोर सिंह : बोकारो
रामनारायण चौधरी : एसीबी रांची	मनोज कुमार : गिरिडीह
विनय कुमार राम : एसीबी रांची	धर्मपाल कुमार : गिरिडीह
दिनेश कुमार सिंह : झारखंड जगुआर	राजेश रंजन : गिरिडीह
सुजीत कुमार : कोडरमा	रमाकांत तिवारी : गिरिडीह
रत्नेश मोहन ठाकुर : लोहरदगा	रविन्द्र कुमार सिंह : गिरिडीह
अवनीकांत महतो : रांची	श्याम किशोर महतो : गिरिडीह
सहदेव प्रसाद : देवघर	ज्ञान रंजन सिंह : गिरिडीह
अनिल कुमार : देवघर	भिखारी राम : गिरिडीह
गुलाब सिंह : गढ़वा	अनूप बी पी केरकेट्टा : गिरिडीह
परमेश्वर लेयांगी : जेएपीटीसी पदमा	ममता कुमारी : गिरिडीह
नवीन कुमार सिंह : देवघर	मो कमाल खां : गिरिडीह
सुरेश कुमार मंडल : रांची	अजय कुमार : गिरिडीह
जोसेफ फ्रांसिस तिर्की : बोकारो	--------------------------------

एनएसयूआई का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला

रांची। झारखंड एनएसयूआई के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक कुमार जयमंगल सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिला। मुलकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को बताया कि योगदा सत्संग कॉलेज रांची के जेपीएससी द्वारा अयोग्य घोषित किए गए प्राचार्य डॉ श्याम पांडे के रांची विश्वविद्यालय के आदेश के बाद भी पद पर काबिज है। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इस मामले में भेदभाव किए जाने तथा कॉलेज प्रबंधन के इशारों पर कार्यवाही नहीं किए जाने के मुद्दे पर ज्ञापन सौंप कर उन्हे पूरे मामले से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को इस मामले में न्यायोचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रनिधिमंडल में एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष अनिकेत राज, सचिव रोहित पांडेय शामिल थे।

एजी रिपोर्ट : 2001-02 से 2020-21 तक के अनुदान से अधिक राशि के संवितरण को राज्य विधानमंडल ने अभी तक नहीं किया नियमित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रधान महालेखाकार झारखंड ने शुक्रवार को 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए निष्पादन एवं अनुपालन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन तथा राज्य वित्त (2021-22) के प्रतिवेदनों को राज्य विधानसभा (झारखंड) के सदन में उपस्थापित किया। इसके पश्चात प्रधान महालेखाकर अनुप फ्रांसिस डुंगडुंग ने ए.जी कार्यालय के बोर्ड रूम में मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए झारखंड सरकार के राज्य वित्त के खातों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक का प्रतिवेदन झारखंड के राज्यपाल को 13 अप्रैल 2023 को समर्पित किया गया। रिपोर्ट विधानसभा में 4 अगस्त 2023 को प्रस्तुत किया गया। 2021-22 में राज्य का राजस्व अधिशेष 6944 करोड़ था। मार्च 2022 के अंत में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 0.72 प्रतिशत था। वर्ष 2001-02 से 2020-21 तक के अनुदान, विनियोग से अधिक राशि के 3,473.63 करोड़ से अधिक संवितरण को राज्य विधानमंडल द्वारा अभी तक नियमित नहीं किया गया है। इसके अलावा 2021-22 के दौरान एक विनियोग और एक अनुदान में 288.86 करोड़ का अधिक व्यय किया गया। 31 मार्च 2022 तक 1,03,459.14 करोड़ राशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) बकाया थे। इस अवधि तक 6094.45 करोड़ की राशि के 18206 ए.सी विपत्रों के विरुद्ध डी.सी विपत्र बकाया थे।

खबर एक नजर में

विजय रविदास समेत दर्जनों लोग भाजपा में

रांची। विश्रामपुर के जिला परिषद सदस्य विजय रविदास एवं ब्लॉक प्रमुख रंभा कुमारी ने शुक्रवार को दर्जनों समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में धर्मेंद्र सिंह, प्रदीप चौधरी, अखिलेश सिंह, राजकुमार सिंह, राजेश्वर सिंह, अमन राज,अशोक सिंह, किशोर राम, हरेंद्र राम, सूर्यदेव चौधरी, केदार चौधरी, अवधेश सिंह, संजय सिंह आदि शामिल हैं।

स्वास्थ्य सेवा संघ ने सीएम को सौंपा ज्ञापन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में प्रदेश स्वास्थ्य सेवा संघ, बड़कागांव प्रखंड, जिला हजारीबाग के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण एवं शहरी सहिया दीदियों को मासिक प्रोत्साहन राशि के बदले वेतनमान, पेंशन लाभ, सहियाओं की आकस्मिक मृत्यु होने पर 50 लाख रुपये आर्थिक सहयोग दिये जाने सहित अन्य मांगों पर विचार करे। मुख्यमंत्री ने झारखंड प्रदेश स्वास्थ्य सहिया संघ की दीदियों को उनके उचित मांगों पर यथोचित विचार करने का भरोसा दिया। मौके विधायक दशरथ गगराई, अम्बा प्रसाद, सहिया विमला कुमारी, सीमा देवी, सरस्वती देवी, सुषमा देवी, गीता देवी आदि उपस्थित थे।

सीएम से मिला रसोइया-संयोजिका संघ का दल

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शुक्रवार को विधान सभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में विद्यालय रसोईया-संयोजिका अध्यक्ष संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर विभिन्न मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से कहा कि झारखंड प्रदेश विद्यालय रसोईया-संयोजिकाओं को पारा शिक्षक की तर्ज पर स्थायी सेवा शर्त नियम बनाकर स्थायी करे। आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका के तर्ज पर मानदेय, 5 लाख का नि:शुल्क बीमा, साल में 2 साड़ी, सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन लागू किये जाने सहित अन्य मांगों पर विचार करे। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि उनकी उचित मांगों पर राज्य सरकार यथोचित विचार करेगी। मौके पर विधायक विनोद सिंह, सुदिव्य कुमार सोनू, अम्बा प्रसाद, संघ के प्रदेश अध्यक्ष अजीत प्रजापति, अनीता देवी, प्रेमनाथ विश्वकर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

इरफान पर कांग्रेस की बारंबार मेहरबानी और निलंबित कार्यकर्ताओं पर पहलवानी

राजेश सिंह

रांची। एक कहावत है अल्लाह मेहरबान तो ... पहलवान। यह बात प्रदेश कांग्रेस की कार्यप्रणालियों पर सटीक बैठती है। दल के विधायक डॉ इरफान अंसारी के मामले से यही साबित होता है कि उसपर पार्टी का प्रदेश नेतृत्व से आलाकमान तक सभी मेहरबान हैं। वहीं दूसरी तरफ पार्टी के कुछ ऐसे भी नेता व कार्यकर्ता हैं, जिनपर प्रदेश नेतृत्व पहलवानी दिखा रहा है। पार्टी नेता आलोक दुबे, लाल किशोरनाथ शहदेव और राजेश गुप्ता छोटू पर पार्टी अनुशासनहीनता का आरोप लगा। उनपर कार्रवाई भी हुई, लेकिन मामला शांत होने के बाद भी उनको निलंबनमुक्त करने को लेकर प्रदेश नेतृत्व खामोश है और अभी तक चुप्पी साधे बैठी है। पार्टी विधायक डॉ इरफान अंसारी अपने बड़बोलेपन के कारण अक्सर

सुर्खियों पर रहते हैं। अपने विवादित बयानों से वे कई बार अपनी, पार्टी की और सरकार की फजीअत करा चुके हैं। यहां तक की उनपर अपनी ही सरकार को पैसा लेकर गिराने और पार्टी को तोड़ने का आरोप लगा। कोलकाता में पैसे के साथ पकड़े भी गये। तब पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष खुद थाना जाकर अपने दल के एक विधायक के माध्यम से इरफान अंसारी के खिलाफ इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की, लेकिन कुछ दिन पार्टी ने उन्हें निलंबित करने की औपचारिकता निभायी और फिर ससम्मान उन्हें निलंबनमुक्त कर दिया। इससे पहले कई बार उनपर पार्टी अनुशासनहीनता का आरोप भी लगा, लेकिन पार्टी ने उसे नजरअंदाज किया। उनका कोई बाल तक बांका नहीं कर सका और विधायक को क्लीन चिट दे दिया गया। नतीजा यह हुआ कि एक बार फिर उन्होंने अपने विवादित बोल से चलते सत्र में हंगामा खड़ा किया। उनकी वजह से पार्टी विधायक दल के नेता आलमगीर आलम को सदन में माफी तक मांगनी पड़ी, लेकिन संगठन और उसका नेतृत्व इस मामले को भी खामोशी से टाल दिया।

जबकि दूसरी तरफ पार्टी नेता आलोक कुमार दुबे, लाल किशोर नाथ शाहदेव और राजेश गुप्ता छोटू ने प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठायी। उनपर कई आरोप लगाये, तो उनपर कार्रवाई हो गयी। उन्हें निलंबित कर दिया गया और आज तक उनपर कोई विचार नहीं किया गया है। पार्टी के अंदर प्रदेश नेतृत्व के इस दोहरे मापदंड को लेकर चर्चाएं शुरु हो गयी है। इन निलंबित नेताओं ने राजेश ठाकुर के चयन पर सवाल खड़ा किया। आरोप लगाया कि जिस आरपीएन सिंह ने इन्हें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने की अनुशंसा की, वह खुद कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हो गया। ऐसे में राजेश ठाकुर की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा होता है। उन्होंने राजेश ठाकुर पर और भी कई आरोप लगाये, जिसकी वजह से उनपर कार्रवाई हुई, लेकिन पार्टी हलकों मे यह चर्चा जोर पकड़ने लगी है कि अब जबकि डॉ इरफान अंसारी को पार्टी की तरफ से बारंबार अभयदान मिल रहा है, तो फिर इन नेताओं पर पार्टी नेतृत्व क्यों नहीं विचार किया जा रहा है।

रांची सहित राज्य के अन्य सात डीडी केंद्र जल्द होंगे अपग्रेड : केंद्रीय मंत्री

प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास नामक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम को वित्त वर्ष 2021-26 की अवधि के लिए 2539 .61 करोड़ रुपये के परिव्यय की दी है मंजूरी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सूचना-प्रसारण और युवा कार्यक्रम, खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार ने प्रसार भारती के प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास के उन्नयन के लिए प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास नामक केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम को वित्त वर्ष 2021-26 की अवधि के लिए 2539.61 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ जारी रखने की मंजूरी दी है। दरअसल, राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश ने अपने अतारांकित प्रश्न के माध्यम से केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से आकाशवाणी और दूरदर्शन के पुनरुद्धार एवं उन्नयन से संबंधित जानकारी मांगी थी। श्री प्रकाश ने जानना चाहा कि भारत सरकार के द्वारा आकाशवाणी और दूरदर्शन के पुनरुद्धार एवं उन्नयन के लिए क्या कदम उठाया जा रहा है। श्री ठाकुर ने कहा कि प्रसारण अवसंरचना और नेटवर्क विकास स्कीम के तहत परिव्यय का अनुमान ऐसे विभिन्न कार्यकलापों के लिए किया गया है , जो निधियों की उपलब्धता और परस्पर प्राथमिकता के आधार पर किये जाते हैं। बीआईएनडी स्कीम के तहत झारखंड राज्य में डीडीके रांची और चाईबासा, डाल्टनगंज, हजारीबाग, गिरिडीह, पाकुड़, सिमडेगा और कोडरमा में आकाशवाणी स्टेशनों के उन्नयन की परिकल्पना की गई है।

खबर एक नजर में

उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत

रांची। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी रोटी विभाग के नेशनल को-ऑर्डिनेटर एवं ओड़िशा प्रदेश सह प्रभारी नौशाद आलम ने मानहानि केस में राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत दिए जाने पुनः सदस्यता बहाल होने एवं माननीय उच्च न्यायालय के फैसले का दिल से स्वागत किया है। गरीब एवं मजलूमों बेरोजगारों की आवास बनाकर फिर से संसद में राहुल गांधी इस देश की जनता की आवाज बुलंद करेंगे। नफरत के खिलाफ जनता की मोहब्बत की जीत हुई है।

सावन मेला में लोगों ने खूब खरीदारी की

रांची। मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा लगाया गया तीन दिवसीय सावन मेले में दूसरे दिन लोगों ने खूब खरीदारी की। बारिश के बावजूद लोगो में जोश की कमी नहीं थी। मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने बताया लोगों को समान पसंद आ रहे है। यह घरेलू सामान से लेकर फैशनेबल सामान आसानी से मिल जाएंगे। यहां लगे स्टॉल में भगवान की पोशाक से लेकर शादी के रीति रिवाज से संबंधित सारे सामान मिल रहे हैं। दीपिका एवं रेखा के स्टॉल पर आपको हैंडमेड एवं ज्वैलरी के सामनों की खूब बिक्री हो रही है। सुमिता लाठ एवं पूजा के स्टॉल में डिजाइनर कपड़े हैं, कई स्टाल में कई तरह के ऑफर्स भी है। मेले की संयोजिका राधा ड्रोलिया, सरिता बथवाल, कविता सोमानी, ज्योति, रितु पोद्दार, पुजा अग्रवाल का मेले को सफल बनाने में काफी योगदान रहा। मौके पर अध्यक्ष स्वेता भाला सचिव शुभा अग्रवाल एवं कविता जालान उपिस्थत थी।

एरिया कमांडर को लेवी पहुंचाने जा रहे उग्रवादी को खूंटी पुलिस ने किया गिरफ्तार

रांची। पीएलएफआई एरिया कमांडर टीरा बोदरा उर्फ लंबू को लेवी वसूली कर पहुंचाने जा रहे उग्रवादी को खूंटी पुलिस ने किया गिरफ्तार है। गिरफ्तार उग्रवादी के पास से 8600 रुपये, 7.65 एमएम के तीन गोली, पीएलएफआई का चंदा रसीद सहित अन्य समान बरामद किया गया है। गिरफ्तार उग्रवादी निशान हुन्नी पुर्ति जिले के मुरहू थाना क्षेत्र स्थित इंदीपीढ़ी का रहने वाला है। खूंटी एसडीपीओ अमित कुमार ने शुक्रवार को बताया कि सूचना मिली थी कि पीएलएफआई के सक्रिय सदस्य मुरहू थाना क्षेत्र में लगने वाले हाट बाजार से लेवी वसूली कर लेवी का रुपया अपने एरिया कमांडर लंबू को पहुंचाने वाले है। सूचना पर मुरहू थाना क्षेत्र स्थित कुदासूद से मुरुद जाने वाली सड़क पर चेकिग लगाया इसी दौरान तीन मोटरसाईकिल सवार में एक उग्रवादी को पकड़ा गया। हालांकि अन्य उग्रवादी फरार हो गया। गिरफ्तार उग्रवादी निशान हुन्नी पुर्ति पर पूर्व से मुरहू थाना में तीन मामले दर्ज है।

झारखंड आदिवासी महोत्सव में झारखण्ड की स्वर कोकिला मोनिका मुंडू करेगी मंत्रमुग्ध

रांची। झारखंड रत्न से सम्मानित 14 भाषाओं में अपनी पकड़ रखने वाली 1000 से अधिक म्यूजिक एल्बम्स की स्वर कोकिला कही जाने वालीं मोनिका मुंडू आदिवासी महोत्सव में अपनी जादुई स्वर से मंत्रमुग्ध करेंगी।1993 के दशक में शुरू हुआ मोनिका मुंडू का नागपुरी संगीत की दुनिया में स्वर्णिम दौर आज भी बदस्तूर जारी है। मोनिका मुंडू ने फोलोरा, नदिया किनारे, न्यारी, हंसा जोड़ी जैसी कई बेहतरीन हिट नागपुरी म्यूजिक एल्बम में अपना स्वर बिखेर चुकीं हैं। इनकी प्रतिभा सिर्फ संगीत तक ही नहीं अपितु अभिनय की दुनिया में भी इन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। झारखंड के फिल्म एमएस धोनी में इन्होंने किरदार निभाया है। इसके अतिरिक्त वहीं नागपुरी, बांग्ला, खोरठा, भोजपुरी फि ल्मों में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है।

राजधानी रांची के स्वर्णरेखा घाट के चारों ओर गंदगी का अंबार : संजय पोद्दार

रांची। श्री महावीर मंडल डोरंड़ा के अध्यक्ष संजय पोद्दार व मंत्री पप्पू वर्मा ने चुटिया स्थित स्वर्ण रेखा के तट पर स्थित प्राचीन 21सो महादेव को संरक्षित करने की मांग की है। नेताद्वय ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक धरोहर है। पर्यटन विभाग इसके महत्व को नहीं समझ रहा है ।यह प्राचीन धरोहर 21 स्थानों पर 21 सो शिवलिंग स्थापित है। प्रशासन और राज्य सरकार के लापरवाही का नतीजा है इस धरोहर के चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि 16 वी शताब्दी में चुटिया नागवंशी राजाओं की राजधानी हुआ करती थी। तत्कालीन राजाओं ने इस संगम स्थल पर स्थित चट्टानों में 21 अलग-अलग प्रकार के शिवलिंग स्थापित कराये थे। इतिहासकार के अनुसार इसी संगम के किनारे दूधरवा राजाओं का महल हुआ करता था। कालसर्प दोष के निवारण के लिए इसी जगह विशेष पूजा होती थी। इस जगह पूजा करने काफी दूर दूर से लोग आते थे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड विधान सभा में दिया समापन अभिभाषण

गारंटी देता हूं कि सिर्फ झारखंडियों को ही रोजगार और स्वरोजगार दूंगा: हेमंत सोरेन

केंद्र सरकार पर लगाया आरोप

केंद्र ने वन संरक्षण कानून में ऐसे संशोधन कर दिया है कि भविष्य में आदिवासियों से उनका जंगल ही छीन लिया जाएगा

सुखाड़ मद में राज्य को 9000 करोड़ रुपए दिया जाना था, लेकिन केंद्र सरकार ने राज्य को मात्र 500 करोड़ों ही दिया

राज्य सरकार विस्थापन आयोग, एससी एवं एसटी आयोग का भी गठन करेगी

राजभवन द्वारा संदेश के साथ विधेयक विधानसभा नहीं भेजना षड्यंत्र का हिस्सा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के अंतिम दिन समापन अभिभाषण दिया। उन्होंने अपने अभिभाषण में कहा कि मणिपुर में आदिवासी समाज का उत्पीड़न हो रहा है और वहां की सरकार मूकदर्शक बन तमाशा देख रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन संरक्षण नियमावली में पिछले वर्ष ग्राम सभा के अधिकार को छीन लिया गया और फिर लोकसभा के चल रहे मानसून सत्र में वन संरक्षण कानून में केंद्र सरकार ने ऐसे संशोधन कर दिए हैं कि भविष्य में आदिवासियों से उनका जंगल ही छीन लिया जाएगा। परंतु मैं न तो पिछले साल के संशोधित नियमावली को इस राज्य में लागू होने दिया और न ही अभी कानून में किए गए बदलाव से आदिवासियों को उनके जंगल से बेदखल करने की केंद्र सरकार के मनसूबे को सफल होने दूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत जल्द राज्य सरकार विस्थापन आयोग, एससी एवं एसटी आयोग का भी गठन करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सुखाड़ के मद में राज्य को केंद्र सरकार द्वारा 9000 करोड़ रुपए देना था, लेकिन केंद्र सरकार ने राज्य को मात्र 500 करोड़ों ही दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में 8 लाख वंचित पात्र लाभुकों के लिए पीएम आवास स्वीकृत करने का बार-बार मांग कर रहे हैं परंतु केंद्र सरकार के कानों पर जूं नहीं रेंग रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब विधानसभा के द्वारा 1932 के खतियान वाली स्थानीयता और पिछड़ों को 27% आरक्षण वाले विधेयक को पारित कराकर हम लोग भेजते हैं तो उसको राज्यपाल के यहां लटका दिया जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे पक्का यकीन है कि संविधान के आर्टिकल 200 के अंतर्गत राज्यपाल के द्वारा संदेश विधानसभा को नहीं भेजना इसी साजिश का हिस्सा है जिससे कि हम लोग यह दोनों विधेयक फिर से विधानसभा से पारित करके राज्यपाल को नहीं भेज पाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेपर लीक न हो हम इसके लिए कानून लाए। गुजरात, उत्तराखंड जैसे राज्यों में जब इस प्रकार का कानून पहले से ही लागू है तो हम इसे छात्र हित में जब लागू कर रहे हैं, तो फिर यहां के विपक्ष को पेट में दर्द क्यों हो रहा है।

और 40-50 हजार पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया बढ़ चुकी है आगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हजारों पदों पर नियुक्ति कर चुके हैं, वहीं और 40 से 50 हजार पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ा चुके हैं। मैं गारंटी देता हूं कि सिर्फ और सिर्फ झारखंडियों को ही रोजगार एवं स्वरोजगार दूंगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार अपराध पर पूर्ण नियंत्रण के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है। डीजीपी एवं पुलिस के बड़े अधिकारियों को हमने साफ कह रखा है कि अपराध पर किसी भी हालत में लगाम लगाएं, इसमें आप को खुली छूट है एवं किसी की पैरवी भी आपको नहीं सुननी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मणिपुर में हजारों घर जला दिए गए। सैकड़ों लोगों की हत्या कर दी गई है परंतु, केंदसरकार नाम मात्र के लिए एफआईआर दर्ज की है वह भी माननीय सर्वोच्च न्यायालय से फटकार लगने के बाद।

सुभाष मुंडा की नृशंस हत्या से दु:खी और मर्माहत हूं : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि मैं बहुत ही दु:खी और मर्माहत हूं, युवा नेता श्री सुभाष मुंडा की नृशंस हत्या कर दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके हत्यारों को पुलिस द्वारा पकड़ा जा चुका है। इस घटना में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। परंतु कुछ राज्यों में ऐसा क्यों नहीं हो पा रहा है, मोनू मानेसर को हरियाणा पुलिस क्यों नहीं गिरफ्तार कर पा रही है।

माकपा नेता सुभाष मुंडा हत्याकांड मामले का हुआ खुलासा

₹15 लाख नगद और 10 डिसिमल जमीन में शूटर हुआ था तैयार, तीन हुए गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। माकपा नेता और जमीन कोराबरी सुभाष मुंडा हत्याकांड मामले का रांची पुलिस ने खुलासा कर लिया है। इस मामले में रांची पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों का नाम विनोद कुमार, छोटू खलखो और अभिजीत है। बता दें कि 26 जुलाई की रात 8 बजे नगड़ी थाना अन्तर्गत दलादली चौक के समीप सुभाष मुण्डा की उनके कार्यालय में घुसकर अज्ञात अपराधियों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना को लेकर हुए व्यापक विरोध के बाद इस हत्याकांड का खुलासा करने के लिए सिटी एसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। एसएसपी किशोर कौशल ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर इस मामले का खुलासा किया।

जमीन को लेकर चल रहा था विवाद : प्रेस कांफ्रेंस में एसएसपी ने बताया कि अनुसंधान के दौरान इस बात की जानकारी मिली कि इस हत्याकाण्ड की पृष्ठभूमि जमीन विवाद से संबंधित है। माकपा नेता सुभाष मुण्डा, जो मूलतः जमीन कारोबारी थे, का विवाद दलादली मौजा स्थित 119 डीसमिल के 5 के स्वामित्व के लेकर ललगुटवा के रहने वाले जमीन कारोबारी छोटू खलखो उर्फ छोटू उरांव के भू-खण्ड साथ था। पूर्व में भी 90 डिसमिल जमीन जो छोटू खलखो के द्वारा एग्रीमेंट किया गया था उस पर भी मृतक के साथ विवाद चला आ रहा था जिससे छोटू खलखो काफी खफा था।

प्रेसवार्ता में सुभाष मुंडा की हत्या का खुलासा करते एसएसपी।

जमीन का लालच देकर सहयोगी की ली मदद

बताया जा रहा है कि आरोपी छोटू खलको ने 119 डीसमिल जमीन पर कब्जा करने के उद्देश्य से मृतक सुभाष मुण्डा के सहयोगी विनोद कुमार उर्फ कन्हैया को उस जमीन में आधा हिस्सा देने का प्रलोभन देकर अपने पक्ष में किया जिसके बाद छोटू खलखो और बिनोद कुमार उर्फ कन्हैया ने अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर विनोद महतो की शादी के समय से ही सुभाष मुण्डा की हत्या की साजिश रची। इसमें सहयोगी (शूटर) के लिए छोटू खलखो ने अपने सहयोगी मित्र कुख्यात अपराधकर्मी से संपर्क किया जिसके बाद 15 लाख रूपया नगद एवं 10 डीसमिल जमीन (उस प्लॉट में से ही) देने की शर्त पर उस अपराधकर्मी शूटर की व्यवस्था एवं हत्या करने के लिए तैयार हुआ।

हथियार के साथ गिरफ्तार हुए आरोपी

घटना के बाद भेद खुलने के डर से छोटू खलखो ने साजिश में शामिल अन्य आपराधिक सहयोगियों के साथ अपने पास उपलब्ध अन्य हथियारों के साथ भाग रहे थे जिसकी सूचना के आधार पर विगत रात्रि नया सराय नगड़ी रोड़ से गिरफ्तार किया गया. गिरफ्तारी के दौरान छोटू खलखो एवं उसके अपराधी सहयोगियों के पास से वाहन में छुपाकर रखे गये हथियार एवं गोली को बरामद किया गया जिसके संबंध में अलग से नगड़ी थाना में काण्ड दर्ज किया गया है। घटना में शामिल अन्य अपराधियों एवं शूटरों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी जारी है।

घटना के पूर्व ही दिया गया था जमीन और पैसा

पूर्व में छोटू खलखो के द्वारा उक्त अपराधी को 6 डिसमिल जमीन दी गई एवं घटना के पूर्व विनोद कुमार उर्फ कन्हैया द्वारा उक्त अपराधी को 3 लाख रूपया एवं छोटू खलखो के द्वारा 1 लाख रूपया अग्रिम राशि के रूप में एवं छोटू खलखो के द्वारा एक 7.65 का देसी पिस्टल भी उसे उपलब्ध कराया गया। अपराधी घटना के पूर्व अपने साथ 2 शूटर लाकर छोटू खलखो और बिनोद कुमार के सहयोग से घटनास्थल की रेकी की गयी। घटना के दिन षडयंत्र में सक्रिय रूप से शामिल बिनोद कुमार ने रेकी भी की। इसी आधार पर छोटू खलखो ने इसकी सूचना अपराधी को दी। जिसके बाद शूटरों के माध्यम से इस घटना को अंजाम दिया गया।

घटना के बाद मौके पर भी पहुंचे थे सभी आरोपी

घटना की जानकारी मिलने के बाद छोटू खलखो, बिनोद कुमार, अभिजाती पाड़ी एवं कुछ अन्य आपराधी दिखावे के तौर पर दलादली चौक पहुँचे और उग्र भीड़ में शामिल होकर सरकारी कार्य में व्यवधान डालने एवं तोड़फोड़, आगजनी में सक्रिय भूमिका भी निभाई। घटना के बाद अगले दिन हत्या में प्रयुक्त देसी हथियार छोटू खलखो को वापस कर दिया गया।

गेंदा सिंह समेत आठ कुख्यात अपराधियों पर लगा सीसीए

रांची के कुख्यात अपराधियों पर अब सीसीए के तहत की जा रही कार्रवाई, रांची के डीसी ने आदेश जारी किया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची का कुख्यात गैंगस्टर गेंदा सिंह समेत आधा दर्जन अपराधियों का जेल से बाहर आने का सपना पूरा नहीं हो पाएगा। इन अपराधियों पर सीसीए के तहत कार्रवाई करते हुए इन्हें जेल से बाहर नहीं निकलने का आदेश निर्गत कर दिया गया है।

सीसीए का आदेश हुआ जारी : रांची डीसी ने कुख्यात गैंगस्टर गेंदा सिंह सहित शहर के आधा दर्जन से अधिक अपराधियों पर सीसीए लगाने का आदेश निर्गत कर दिया है। जिन अपराधियों पर सीसीए लगाने की अनुशंसा की गई है, उनमें राशिद अंसारी, शेख अंसारी उर्फ बघेला, रंजीत साव, फरहान अंसारी उर्फ चरकु मैना और अमित कुमार उर्फ सोनू शर्मा शामिल हैं। सभी पर सीसीए के तहत कार्रवाई करते हुए, यह निर्देश भी जारी कर दिया गया है कि किसी भी हाल में इन्हें जेल से बाहर नहीं निकलने दिया जाए। सभी अपराधियों पर हत्या, रंगदारी, जमीन कारोबारी और बिल्डरों के द्वारा रंगदारी नहीं देने पर हत्या या उन पर जानलेवा हमला करने का आरोप है।

कुख्यात अपराधी है गेंदा सिंह : रांची के हटिया इलाके का रहने वाला गेंदा सिंह कुख्यात अपराधी है। गेंदा सिंह अपने बड़े भाई लखन सिंह के साथ मिलकर अपने गिरोह का संचालन किया करता है। हालांकि लखन सिंह के बारे में सूचना है कि उसकी मौत हो चुकी है हालांकि अब तक पुलिस के द्वारा इसकी पुष्टि नहीं हुई है। रांची के तुपुदाना इलाके में गेंदा सिंह का आतंक है. खासकर भू-माफियाओं में तो गेंदा की तूती बोलती है। साल 2015 में तुपुदाना चौक पर जमीन कारोबारी राकेश राम के निजी बॉडीगार्ड मनोहर झा और ड्राइवर राजेंद्र राम की हत्या कर गेंदा सिंह ने अपराध की दुनिया में कदम रखा था। गेंदा पिछले कई सालों से जेल में बंद है।

कई और अपराधियों पर भी लगेगा सीसीए : राजधानी में आपराधिक घटनाओं पर ब्रेक लगाने के लिए पुलिस जेल में बंद अपराधियों पर भी नकेल कसने का काम कर रही है। खासकर वैसे अपराधी जिनके जमीन दलालों के साथ मिलकर जमीन के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। उन पर विशेष निगरानी रखी जा रही है. पुलिस के द्वारा जमीन दलालों और भू-माफियाओं की भी सूची तैयार की गई है। लगातार उनसे थाना हाजिरी भी करवाई जा रही है. इन घटनाओं में शामिल रहने वाले एक दर्जन अपराधियों की लिस्ट भी पुलिस ने तैयार की है। इनमें से कई अपराधी जेल में बंद हैं। उन सभी पर सीसीए लगाने की तैयारी है ताकि वे लोग जेल से बाहर ना निकल पाएं।

छह अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे ऑनलाइन शिलान्यास

राज्य के 20 स्टेशनों का किया जाना है उन्नयन

हटिया रेलवे स्टेशन को अपग्रेड करने में खर्च होंगे ₹355 करोड़

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अमृत भारत योजना के तहत देशभर में 508 रेलवे स्टेशनों का उन्नयन होगा। इसका लाभ झारखंड के भी 20 स्टेशनों को मिलेगा। रांची रेलवे के डीआरएम प्रदीप गुप्ता ने इस संबंध में शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि हटिया स्टेशन सहित इस डिवीजन के पिस्का रेलवे स्टेशन के उन्नयन कार्य होने हैं। वैसे देश भर में अमृत भारत स्कीम के तहत 508 स्टेशनों के लिए यह कार्य होने हैं। छह अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों इसका ऑनलाइन शिलान्यास होगा। उन्होंने बताया कि हटिया स्टेशन के उन्नयन कार्य के लिए 355 करोड़ और पिस्का के लिए 27 करोड़ का बजट तय किया गया है। छह अगस्त को शिलान्यास कार्यक्रम का आयोजन रांची रेलवे की ओर से हटिया तथा पिस्का स्टेशन पर किया जाएगा। मौके पर रेलवे अधिकारी निशांत कुमार सहित चंदन कुमार, कलावंती उपस्थित थे।

प्रेसवार्ता में जानकारी देते रांची रेल मंडल के डीआरएम और अन्य

कौन-कौन स्टेशनों को किया जायेगा अपग्रेड

ज्ञात हो कि झारखंड में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बोकारो स्टील सिटी में 33.5 करोड़, बरकाकाना रेलवे स्टेशन में 32.6 करोड़, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस गोमो जंक्शन में 32.4 करोड़, घाटशिला स्टेशन में 31 करोड़, पारसनाथ स्टेशन में 30.4 करोड़, कोडरमा स्टेशन में 30.3 करोड़, राजखरसावां स्टेशन में 30 करोड़, डाल्टनगंज स्टेशन में 29.2 करोड़, साहिबगंज स्टेशन में 29 करोड़, हजारीबाग रोड स्टेशन में 28.1 करोड़, मनोहरपुर स्टेशन में 27 करोड़, पिस्का स्टेशन में 27 करोड़, कतरासगढ़ स्टेशन में 26.9 करोड़, चन्द्रपुरा स्टेशन में 26.5 करोड़, नगरऊंटारी स्टेशन में 26.3 करोड़, गढ़वा टाउन स्टेशन में 25.5 करोड़, लातेहार स्टेशन में 24.5 करोड़, गढ़वा रोड स्टेशन में 24.5 एवं कुमारडुबी रेलवे स्टेशन के लिए 17 करोड़ की राशि उपलब्ध करायी गई है।

पीएम नमो के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने स्थापित किया नया कीर्तिमान : भाजपा

राकेश प्रसाद ने रेलवे की आधारभूत संरचना के विकास के लिए 20 स्टेशनों का चयन किये जाने पर केंद्र सरकार का प्रकट किया आभार

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के वरिष्ठ नेता राकेश प्रसाद ने प्रधानमंत्री नमो एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति झारखंड में रेल सुविधाओं को बढ़ाने के लिए आभार प्रकट किया है। उन्होंने रेलवे के आधारभूत संरचना के उन्नयन के लिए 20 स्टेशनों का चयन किये जाने पर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार न सिर्फ आधारभूत संरचनाओं के माध्यम से बुनियादी सुविधाओं का विकास कर रही है। बल्कि विश्व स्तरीय संरचना धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत झारखंड के 20 स्टेशनों को चयनित किया है। केन्द्र सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले दिनों में 886.70 करोड़ रुपये की राशि खर्च कर यहां के स्टेशन में बुनियादी सुविधाओं को बढ़ाया जायेगा। उन्होंने कहा कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हटिया स्टेशन के उन्नयन के लिए सर्वाधिक 355 करोड़ की राशि खर्च की जानी है। इतनी राशि खर्च होने के बाद एक विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन तैयार होगा, जो पूरे राज्य के लिए गौरव का विषय होगा।

नगर विकास विभाग, यूएसऐड और केपीएमजी का जल संरक्षण पर सम्मेलन

वर्तमान जीवन शैली के अनुसार जीना है तो आपको 1.7 पृथ्वी की जरुरत : अमित कुमार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। विश्व में वर्तमान जीवन शैली के अनुसार अगर जीवन जीना है तो आपको 1.7 पृथ्वी की जरुरत है। इसलिए अब नगर निकायों को जल संरक्षण पर विशेष जोर देना चाहिए। शुक्रवार को राजधानी रांची में राज्य सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग, यूएसऐड और केपीएमजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित रिजनल वाटर सेक्युरिटी कंक्लेव में बोलते हुए राज्य सरकार के राज्य शहरी विकास अभिकरण के निदेशक अमित कुमार नें ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह प्राथमिकता है कि प्रत्येक शहर के हर घर तक शुद्ध पेयजल पाइपलाइन से पहुंचे ताकि टैप से लोग सीधे उस पानी का इस्तेमाल पीने के लिए करें। जल को स्टोर करनें और फिर उसके बाद बचे हुए जल को बर्बाद होनें से रोका जा सकेगा। इससे नन रेवेन्यू वाटर की मात्रा कम होगी। उन्होंने कहा कि सीवर लाइन से निकलने वाले वैस्ट वाटर का भी एसटीपी से ट्रीटमेंट कर अधिक से अधिक सेकेंडरी वाटर के रुप में उपयोग किया जाए, इस पर भी आप काम शुरू कर दें। इसके लिए केन्द्र की अमृत 2.0 और एसबीएम 2.0 की योजनाओं के साथ साथ राज्य सरकार भी एशियन डेवलपमेंट बैंक और वल्ड बैंक के सहयोग से कई योजना चला रही है।

भारत सरकार के निदेशक ने भी किया संबोधित

नई दिल्ली से वर्चुअल मोड में केंद्र सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय अंतर्गत अमृत मिशन की निदेशक तन्वी गर्ग ने अमृत योजना 2.0 की परिकल्पना और अपेक्षा पर प्रकाश डाला। वहीं यूएस ऐडकी ओर से आरके निवासन नें इस क्षेत्र में कार्य कर रहे स्टार्टअप, नई तक्नीकीऔर पीपीपी मोड पर चल रही योजनाओं का जिक्र किया। गौरतलब है कि संयुक्त राज्य की संस्था यूएसऐड का कार्यक्रम सुवासी के तहत भारत में जलापूर्ति और सैनिटेशन के क्षेत्र में जागरुकता का कार्य किया जा रहा है। भारत में इस कार्यक्रम को केन्द्र व राज्य सरकारों के सहयोग से केपीएमजी संस्था आगे बढ़ा रहा है।

ये थे मौजूद : मौके पर रांची के नगर आयुक्त शशिरंजन, आरआरडीए के उपाध्यक्ष मुकेश कुमार,यूएसऐड की ओर से आरके श्रीनिवासन, नगर विकास विभाग तक्नीकी कोषांग के मुख्य अभियंता राकेश श्रीवास्तव,जुडको के पीडीटी गोपाल, पीडी एडमिन अरविंद मिश्रा, अमित चक्रवर्ती, केपीएमजी के टेक्निकल डायरेक्टर साकेत कुमार और एसोसिएट डायरेक्टर विजय बेहरा सहित राज्य सरकार के नगर विकास एवं आवास विभैग, रांची स्मार्ट सिटी कॉरपोरेशन, जुडको, सभी नगर निकाय के नगर प्रशासक मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

सिख प्रतिनिधिमंडल ने किया रघुवर का अभिनंदन

जमशेदपुर। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी का पुनः राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर सिख समाज के एक प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर शुभकामनाएं दी। शॉल ओढ़ा कर एवं पुष्प गुच्छ देकर सभी ने उनका अभिनंदन किया। सभी ने हर्ष जताते हुए कहा कि रघुवर दास निरंतर सिख समाज के साथ कंधा से कंधा मिला कर खड़े रहते हैं। पूर्वी विधानसभा के अधीन विधायक रहते हुए उन्होंने प्रतियेक गुरुद्वारा में विकास के कार्य किए हैं जो इनके सिख धर्म के प्रति लगाव को दशार्ता हैं। प्रतिनिधि मंडल में सरदार जसवंत सिंह, ज्ञानी कुलदीप सिंह, पूर्व प्रधान जसपाल सिंह, अमरजीत सिंह राजा, संदीप सिंह, अवतार सिंह, सविंदर सिंह, इंदरजीत सिंह, बिक्रम सिंह, पाल सिंह, शक्ति सिंह, कुलवंत सिंह एवं अन्य उपास्थित थे।

मारवाड़ी युवा मंच ने 18 कृत्रिम अंग एवं 5 श्रवण यंत्र वितरण किया

जमशेदपुर। सिटी शाखा द्वारा आयोजित निःशुल्क कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण शिविर के आज चौथे एवं अंतिम दिन में दिव्यांगों के बीच 18 कृत्रिम अंग जिसमें 8 पैर और एवं 10 हाथ थे एवं 5 श्रवण यंत्र वितरण किया गया।।और 2 लोगों को बैसाखी दिया गया। शाखा द्वारा यह कार्यक्रम तीन दिवस के होने का सुनिश्चित किया गया था। परंतु ज्यादा पंजीकरण होने के कारण इसे आज चौथे दिन के लिए बढ़ाया गया था और कुछ दूर गांव के लोग इससे समाचार पत्र के माध्यम से पढ़ कर आज भी शिविर में बड़ी उम्मीद के साथ आ गए। जिससे शाखा के लोगो ने माना नहीं किया, पंजीकरण नही होने के बहजूद भी कृत्रिम अंग बनवा के दे दिया। इस चार दिवसीय शिविर में अब तक 202 दिव्यांगो को कृत्रिम अंग एवं 215 लोगों को श्रवण यंत्र दिया गया।और 35 लोगों को बैसाखी दिया गया। इस शिविर में कुल मिलाकर 452 दिव्यांगो को लाभ मिला। आज चौथे दिन इस शिविर को सफल बनाने में अध्यक्ष मोहित मुनका, सचिव सौरव सोन्थालीय, उपाध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, पंकज संघी और दीपक पटवारी जी उपास्थि थें।

रेडक्रॉस का नेत्र शिविर आज से

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय द्वारा द्रोपदी देवी चिमनलाल भालोटिया, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से 686वां नेत्र शिविर भारत सरकार के उपक्रम युरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सीएसआर कार्यक्रम के तहत आयोजित किया जायेगा। 5 अगस्त शनिवार को नेत्र रोगियों के आंखों की जांच की जायेगी तथा मोतियाबिन्द ग्रस्त नेत्र रोगियों के चयन के साथ आंखों की अन्य बीमारियों से प्रभावित लोगों को चिकित्सीय परामर्श एवं जरूरत के अनुसार दवा प्रदान की जायेगी, वहीं 6 अगस्त रविवार को उपयुक्त मरीजों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण जाने माने नेत्र चिकित्सक डॉ. बी. पी. सिंह, डॉ. भारती शर्मा, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. विवेक केडिया एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा किया जायेगा। सोमवार 7 अगस्त को ऑपरेशन कराये मरीजों के आंखों की पट्टी खोलकर अंतिम जांच की जायेगी तथा डेढ़ महीने की दवा, चश्मा व आंखों के देखभाल के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारी प्रदान कर विदा किया जायेगा। शिविर का उद्घाटन यूसीआईएल के महाप्रबंधक मनोज कुमार सिंघाई द्वारा किया जायेगा। रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह ने जानकारी प्रदान करते हुए सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं रेड क्रॉस सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपने आस पास के मोतियाबिन्द से प्रभावित लोगों को शिविर तक पहुंचने में मदद पहुंचाये।

स्व. मिथिलेश झा की स्मृति में रक्तदान शिविर आज

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के सहयोग से कैनेलाईट होटेल के संयोजन में कैनेलाईट समुह के संस्थापक स्व. मिथिलेश झा की स्मृति में साकची स्थित कैनेलाईट होटेल में आज द्वितीय रक्तदान शिविर का आयोजन होगा।

गेल गैस लिमिटेड ने औद्योगिक पीएनजी की कीमतों में और कमी की

जमशेदपुर/आदित्यपुर। आदित्यपुर के लिए सिटी गैस वितरण कंपनी गेल गैस लिमिटेड ने अपनी औद्योगिक पीएनजी कीमतों में 3 /एससीएम एमएमबीटीयू रुपये की कमी की है। पहले औद्योगिक पीएनजी की कीमतें 66 रुपये प्रति एससीएम थीं और कटौती के बाद कीमतें 63 रुपये प्रति एससीएम होंगी। स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने की कंपनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप, गेल गैस कम अंतरराष्ट्रीय एलएनजी कीमतों का लाभ अंतिम उपयोगकर्ताओं तक पहुंचा रही है।

एटीएस ने प्रिंस खान के दो गुर्गों को दबोचा

डिंपी उर्फ दानिश, प्रिंस के रंगदारी के पैसों का हथियार और जमीन खरीद में निवेश करता था

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में संगठित आपराधिक गिरोह के खिलाफ झारखंड एटीएस की कार्रवाई लगातार जारी है। एसपी सुरेंद्र झा के निर्देश पर एटीएस की टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए प्रिंस खान गिरोह के डिंपी उर्फ दानिश मल्लिक और तनवीर तस्लीम को गिरफ्तार किया है। डिंपी उर्फ दानिश धनबाद के जमीन व्यवसायी शहजादा खान और नन्हे खान हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त था। उसके पास से चार मोबाइल फोन बरामद किया गया है। प्रिंस खान गिरोह द्वारा वसूली गयी रंगदारी के पैसों का निवेश जमीन व्यवसाय और गिरोह के लिए हथियार खरीदने में डिंपी द्वारा किया जा रहा था।

धनबाद का आतंक बना हुआ है प्रिंस खान, पुलिस नाकाम

प्रिंस खान इन दिनों धनबाद में आतंक का पर्याय बना हुआ है। व्यवसायियों, कोयला कारोबारियों, चिकित्सकों व अन्य संपन्न लोगों को धमकी देना, गोलियों की बौछार से दहशत फैलाना उसका शौक बन गया है। उसके गुर्गे कभी सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल कर, कभी चिट्ठी लिख कर अथवा वीडियो वायरल कर गोलीबारी की जिम्मेदारी लेते देखे जाते हैं। विभिन्न माध्यमों से जारी उनके गुर्गे संदेश देते फिर रहे हैं कि छोटे सरकार की बात मान जाओ, वरना जान से हाथ धो बैठोगे। वह पुलिस को भी खुली चुनौती दे रहा है। आतंक व दहशत फैलाने में उसने एक समय के चर्चित गैंग ऑफ वासेपुर के सरगना फहीम खान को भी पीछे छोड़ दिया है। धनबाद पुलिस बार- बार प्रिंस खान को गिरफ्तार करने का आश्वासन तो देती है, मगर उसकी परछाई तक का पता लगाने में नाकाम रही है।

प्रिंस खान के भाई का बिजनेस पार्टनर है तनवीर तस्लीम

प्रिंस खान गिरोह की रंगदारी का पैसा तनवीर तस्लीम उठाता था। वह प्रिंस खान के भाई गोपी खान का बिजनेस पार्टनर है। धनबाद का बड़ा पशु तस्कर भी है। इसके पास से एक मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

संत मरिया महागिरजा में जोन मेरी वियन्नी पर्व का आयोजन

उनके पदचिह्नों पर चलने का संदेश

आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने सभी पुरोहितों के साथ मिस्सा बलिदान अर्पित कर प्रार्थना की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत मरिया महागिरजा रांची में लगभग 50 पुरोहितों के साथ रांची के आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने संत जोन मेरी वियन्नी सभी पुरोहितों के संरक्षक के पर्व के अवसर पर, रांची के विश्वासियों के लिए शुक्रवार को मिस्सा बलिदान अर्पित कर सभी पुरोहितों के लिए प्रार्थना की।

प्रत्येक वर्ष 04 अगस्त को सभी पुरोहितों के संरक्षक संत जोन मेरी वियन्नी का पर्व मनाया जाता है। वे स्वाभाव से नम्र थे पढ़ाई में कमजोर थे लेकिन उनकी आध्यात्मिकता का स्तर बहुत ऊंचा था। यही कारण था कि भीड उनके पास पाप स्वीकार संस्कार के आती थी।

उन्हीं के जीवन का उदाहरण देते हुए रांची के आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने अपने धर्मोपदेश में सभी पुरोहितों को उनके पदचिन्हों पर चलने का संदेश दिया, साथ ही विश्वासियों से सभी पुरोहितों के लिए प्रार्थना करने का निवेदन भी किया ताकि प्रत्येक पुरोहित अपने उत्तरदायित्व का निर्वाह भली भांति कर सके।

आर्चबिशप फेलिक्स टोप्पो ने लोगों को बताया कि संत जोन मेरी वियन्नी के हृदय में कमजोर और गरीबों के लिए बहुत बड़ा स्थान रहा है। इस वर्ष मणिपुर में हिंसात्मक स्थिति के कारण झाखंड के बिशापों द्वारा सादगी से पर्व मनाने का आह्वान किया गया है। पर्व के दौरान होने वाले खर्च को त्याग कर मणिपुर में पीड़ित पुरोहितों की सहायता के लिए भेजा जाएगा।

पुण्यभूमि निवास करते हैं भगवान शिव पार्वती के साथ : स्वामी परिणूर्णानन्द

रांची। अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मन्दिर में श्री श्याम मण्डल , के द्वारा शुक्रवार को महाशिवपुराण के चतुर्थ दिवस पर शिव - पार्वती विवाह प्रसंग होने के कारण समय से पूर्व ही भक्तों की उत्साहित व उमंगयुक्त भीड़ मन्दिर परिसर में पहुंच कर भारी उत्साह एवम उमंग का दर्शन कर रही थी। स्वामी परिपूर्णानन्द के व्यास पीठ पर विराजमान होने के पश्चात व्यास पीठ का पारंपरिक पूजन - वन्दन के बात महाशिव पुराण का चतुर्थ सोपान प्रारम्भ हुआ। स्वामी जी कहते हैं शीश गंग अर्धग पार्वती सदा विराजत कैलासी भगवान शिव पार्वती के साथ पुण्यभूमि काशी में निरन्तर निवास करते हैं साथ ही जब स्वामी जी के मुख से कृपा की न होती आदत तुम्हारी , तो सुनी ही रहती अदालत तुम्हारी भजन के बोल निकले तो सम्पूर्ण मन्दिर परिसर शिव भक्ति में लीन हो तालियां बजती हुए सुध बुध खो बैठा । स्वामी जी ने कहा की साधना साधक के जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है - मावन जीवन में निरंतर साधना करते रहना चाहिए - साधना से ही भगवत प्राप्ति हो सकती है , साथ ही विभिन्न प्रकार के दोनों की विस्तृत महत्ता बताते हुए स्वामी जी ने कहा की गुरु के मुख से वेद - शास्त्र का ज्ञान प्राप्त करना चाहिए ताकि मनुष्य के हर कर्म शुभ कर्म हो।

मवेशी लदा दो पिकअप जब्त पांच तस्कर भेजे गये जेल

खबर मन्त्र प्रतिनिधि

चांडिल। गुरुवार रात गश्ती के दौरान चौका पुलिस ने मवेशी लदे दो पिक अप वैन को चौका थाना क्षेत्र के एनएच 33 पर बड़ामटांड के पास जब्त किया है। पुलिस ने पांच तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दो पिकअप वैन (बीआर 03जीबी 2754 और बीआर 03जीबी 6897) जब्त किया है। थाना प्रभारी अभिषेक प्रताप ने बताया कि पूछताछ के दौरान मवेशी का कागजात मांगे जाने पर वाहन पर सवार लोगों ने कागजाद नहीं दिखा पाए। थाना प्रभारी ने बताया दोनों पिकअप वैन में पर 18 मवेशी लदे थे।

इनकी हुई गिरफ्तारी : अजय सिंह 32, रवि यादव, मिंटु कुमार 25, तीनों का पता गांव नसियां, थाना, अभियान बाजार, जिला, भोजपुर बिहार एवं रमाकांत यादव 31, गांव, चारघाट, थाना वाहिया, भोजपुर बिहार एवं मनोज यादव, गांव, चतुरभुजी, वरआंव, थाना, पिरो, जिला, भोजपुर बिहार।

अल्पसंख्यक बच्चों की गणना उर्दू विद्यार्थी के रूप में हो : उर्दू शिक्षक संघ

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव अमीन अहमद ने स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विड्डाग, प्राथमिक शिक्षा निदेशालय, झारखंड सरकार के अवर सचिव को एक मांगपत्र सौंप कर उर्दू पढ़ने वाले छात्र/छात्राओं की संख्या का सही प्रतिवेदन संग्रह करने का आग्रह किया है। अवर सचिव जागो चौधरी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए संघ के शिष्टमंडल में शामिल महासचिव अमीन अहमद एव मो० फखरुद्दीन को आश्वस्त करते हुए कहा कि इसपर जल्द कारवाई की जायेगी।

इस संदर्ड्डा में संघ के महासचिव अमीन अहमद ने बताया कि राज्य के सड्डाी जिला शिक्षा अधीक्षकों से विहित प्रपत्र में सड्डाी विद्यालयों से उर्दू पढ़ने वाले छात्र/छात्राओं की संख्या उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा है कि ऐसे सामान्य विद्यालय जहां उर्दू इकाई स्वीकृत है, लेकिन उनके द्वारा उर्दू छात्र/छात्राओं की संख्या शून्य दशार्ते हुए प्रतिवेदन दिया गया है, जो बिल्कुल भ्रामक एवं तथ्य से परे है। उर्दू शिक्षक का पद रिक्त रहने एवं उर्दू विषय की पढ़ाई नहीं होने के कारण उनकी गिनती उर्दू नहीं पढ़ने वाले छात्र/छात्राओं के तौर पर कर गणना कर प्रतिवेदन कार्यालय को दिया गया है।

भाजपा नेता सुधांशु ,रंजीत व किशन जेल से रिहा

जमशेदपुर। कदमा के शास्त्रीनगर क्षेत्र में गत माह हुए उपद्रव मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजे गए भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुधांशु ओझा, रंजीत पांडेय एवं किशन सिंह को रांची हाई कोर्ट से गुरुवार को जमानत मिल गयी। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद शुक्रवार शाम को उन्हें घाघीडीह केंद्रीय कारा से रिहा कर दिया गया। उनके रिहाई के मौके पर भाजपा जमशेदपुर महानगर के जिलाध्यक्ष, पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष समेत तमाम नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे। घाघीडीह जेल से बाहर आते ही सुधांशु ओझा, रंजीत पांडेय एवं किशन सिंह का भाजपा कार्यकर्ताओं ने पूरे गर्मजोशी के साथ फूल-माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस दौरान जेल के बाहर ढोल-नगाड़ों की व्यवस्था की गई थी। वहीं, कार्यकर्ताओं ने जेल से रिहा हुए नेताओं के समर्थन में नारेबाजी की। इस अवसर पर भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव ने जिला उपाध्यक्ष सुधांशु ओझा, रंजीत पांडेय एवं किशन सिंह के रिहाई पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एक बार फिर से साबित हो गया कि सत्य परेशान हो सकता है परंतु पराजित नही हो सकता। गुंजन यादव ने कहा कि राज्य सरकार के इशारे पर तुष्टिकरण की नीति को चरितार्थ करते हुए जिला प्रशासन ने भाजपा नेताओं पर झूठे मुकदमे कर आनन-फानन में जेल भेज दिया। आज सत्य की जीत हुई है, इस बात की पुष्टि होती है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के फैसले से साबित हुआ कि झूठ के लम्हे होते हैं, सदियाँ नहीं।

गुंजन यादव ने कहा कि पूरा भाजपा परिवार अपने नेताओं के जेल से रिहाई का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। यह समय उनके परिवार और भाजपा परिवार के लिए कठिन समय था लेकिन जेल से रिहा होने पर सभी कार्यकर्ता खुश हैं। इस मौके पर संजीव सिन्हा, बबुआ सिंह, अनिल मोदी, मंजीत सिंह, पप्पू सिंह, जितेंद्र राय, राजीव सिंह, राजेश सिंह, बिनोद राय, त्रिदेव चट्टराज, संदीप शर्मा बौबी, चंचल चक्रवर्ती समेत कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

वनों के कटने से बदल रही है हमारी जलवायु : वाईके दास

रांची। झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पार्षद द्वारा शुक्रवार को ध्वनि प्रदूषण को रोकने के संबंध में कार्यशाला का आयोजन पलाश कांफ्रेंस हॉल डोरंडा, में किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जेएसपीसीबी के मेंबर सेक्रेटरी वाई के. दास ने कहा कि वनों के काटने से हमारी जलवायु बदल रही है। मौके पर बोर्ड के सदस्य मणि भूषण, एवं पैनेलिस्ट विनोद कुमार पांडेय ने ध्वनि प्रदूषण के कारण बताए जैसे- यातायात से उत्पन्न हुए शोर, किसी भी प्रकार के निर्माणकार्य के कारण उत्पन्न हुए शोर, पटाखों की आवाज, घरेलु उपकरणों से उत्पन्न हुए शोर , सामाजिक एवं धार्मिक सभाओं में तेज बजाए जाने वाले लाउड स्पीकर्स आदि पर प्रकाश डाला। कार्यशाला में डॉ अभिषेक के रामाधीन एवं डॉ मेजर रमेश दास द्वारा ध्वनि प्रदूषण के प्रभाव पर प्रकाश डाला जैसे- तेज आवाज के कारण सुनने की क्षमता को नुकसान पहुँचता है, तेज आवाज स्वास्थ्य को धीरे धीरे जहर देने जैसे ही काम करता है। जिस कारण कमजोरी, तनाव, सोने की समस्या आदि उत्पन्न होते है। इस कार्यशाला में कई स्कूल के लगभग 190 विद्यार्थी एवं टीचर्स ने भी भाग लिया।

मिलानी में जादूगर सिकंदर के शो का भव्य उद्घाटन

तालियों की गड़गड़ाहट और हंसी के ठहाकों से गूंजता रहा मिलानी हॉल

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। शुक्रवार को बिष्टुपुर का मिलानी हॉल ऐसे चमक रहा था जैसे देश का कोई शाही समारोह हो रहा हो। लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा था। विश्व की आधुनिकतम लाइटिंग सम्मोहन बिखेर था। हां, वह शाही समारोह ही था विश्व प्रसिद्ध जादूगर सिकंदर के शो का जिसका आज पुलिस उपाधीक्षक अनिमेश गुप्ता और मिलानी हॉल के जनरल सेक्रेटरी राजू दत्ता ने मंच पर जैसे ही दीप जलाकर जादू शो का शुभारंभ किया प्रेक्षागृह तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजने लगा। जादूगर सिकंदर ने दोनों अतिथियों का पुष्पाहार पहना कर मंच पर स्वागत किया। अपने संबोधन मे मुख्य अतिथि ने जादूगर सिकंदर की भरपूर सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। तालियों की आवाज बंद होते ही हॉल में जादुई आवाजें गूंजने लगी, आवाज और प्रकाश के सम्मोहन से लोग पल भर में मोहित हो गए,तभी पुनः अचानक नए वेश मे प्रकट हुए जादूगर सिकंदर और शुरू हो गया शोमैन द्वारा उपस्थित अतिथियों, मीडिया कर्मियों और सभी दर्शकों को रोमांचित और आनंदित करने का दौर। पल पल एक नया चमत्कार और नए नए बदलते ड्रेस मे जादूगर का मंच पर आना। कभी लड़की को मंच पर बुलाकर हवा में झुलाया तो कभी सुंदर सी लड़की को खूंखार गोरिल्ला बनाकर सभी को हतप्रभ कर दिया। सलीम अनारकली पर आधारित जादुई प्रहसन पर खूब ठहाके लगे तो अफ्रीकी मैजिक यानि विशालकाय डायनासोर को मंच पर दहाड़ते देख कर तो ऐसा लगा कि खुली आंखों से सपना देख रहे हों। कई जन संदेशों से भरा था शो 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नशे से दूर रहे, अपराध ना करें, पाखंडी बाबाओं से सावधान रहे जैसे अनेक संदेश भरे करतब को दर्शकों ने बेहद सराहा। जादूगर सिकंदर ने शो के दौरान बताया कि कल से यहां ऐसे ही अचरज मे डाल देने वाले दो शो 4 बजे और संध्या 7 बजे से दिखाए जाएंगे जबकि रविवार को तीन शो 1,4, 7 बजे से होंगे जिसका टिकट हॉल पर सुबह 11 बजे से मिला करेगा। ऑनलाइन भी टिकट उपलब्ध है जिसे एडवांस मे भी बुक कराया जा सकता है। उद्घाटन समारोह मे शो प्रबंधक रुद्र प्रताप सिंह, मीडिया प्रभारी मदन भारती, शो के संयोजक स्थानीय जादूगर किंगशुक कुमार और टाटा मैजिक क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

चांडिल डैम का जल स्तर 180 मीटर से नीचे रखने की जरुरत : सबिता महतो

खबर मन्त्र ब्यूरो

चांडिल। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान शून्य काल में ईंचागढ़ के विधायक सविता महतो ने सदन में चांडिल बांध अंतर्गत भू अर्जन से प्रभावित 116 मौजा के सभी विस्थापितों को संपूर्ण मुआवजा पुनर्वास अनुदान का भुगतान। जब तक संपूर्ण रुप से लाभ मुहैया नहीं हो जाती, तब तक डैम की जल भंडारण की क्षमता आरएल 180 मीटर से नीचे रखने का आदेश स्थाई रूप से दिया जाए। परंतु जल संसाधन विभाग द्वारा आरएल 183 मीटर तक के प्रभावित गांवों को पूर्णात पुनर्वास सुविधा मुहैया नहीं कराई गई है। मात्र 43 गांव के विस्थापितों का पुनर्वास कि दिशा में पहल की जा रही है जबकि कुल 116 गांवो को पूर्ण पुनर्वास की दिशा में पहल होनी चाहिए। प्रभावित विस्थापित बेरोजगार युवक युवतियों का सरकारी नियोजन की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। विधायक सविता महतो ने 116 गांव के प्रभावित विस्थापित परिवारों को संपूर्ण पुनर्वास सुविधा मुहैया कराने तथा वर्तमान मानसून को देखते हुए जल भंडारण की क्षमता को आरएल 180 मीटर से नीचे रखने का मांग किया।

खबर एक नजर में

उपायुक्त से मिला सीजीपीसी का प्रतिनिधिमंडल

जमशेदपुर। सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी (सीजीपीसी) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को पूर्वी सिंहभूम के नवनियुक्त उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री से डीसी कार्यालय में औपचारिक मुलाकात कर उनका स्वागत और अभिनन्दन किया। सीजीपीसी के प्रधान सरदार भगवान सिंह की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल द्वारा जिले के नये उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री का अभिनन्दन व स्वागत पुष्पगुच्छ देकर और शॉल ओढ़ाकर कर किया गया। उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि जमशेदपुर-पूर्वी सिंहभूम से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या से उन्हें अवगत जरूर कराया जाए ताकि जल्द से जल्द उसका समाधान किया जा सके। सेन्ट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के सदस्यों ने कहा कि जिले मे निवास करने वाले सभी समुदाय के लोगों के विकास हेतु तमाम सरकारी योजनाओं को जिले के उपायुक्त धरातल पर उतारे ताकि सभी के विकास के साथ-साथ जिला भी एक खुशहाल जिला बन सके। प्रतिनिधिमंडल में मुख्यरूप से प्रधान सरदार भगवान सिंह, चेयरमैन सह झारखंड प्रदेश गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सरदार शैलेंद्र सिंह, संरक्षक गुरदीप सिंह पप्पू, वरीय उपाध्यक्ष चंचल सिंह-कुलदीप सिंह बुग्गे, महासचिव अमरजीत सिंह-गुरचरण सिंह बिल्ला, मुख्य सलाहकार परविंदर सिंह सोहल, कोषाध्यक्ष गुरनाम सिंह बेदी, हरजिंदर सिंह, सुखदेव सिंह बिट्टू, सरबजीत सिंह ग्रेवाल, सुखविंदर सिंह राजू, ज्ञानी कुलदीप सिंह, सुरजीत सिंह, दर्शन सिंह काले, हरविंदर सिंह, दलबीर सिंह, जसपाल सिंह और दलजीत सिंह शामिल थे।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिलने पर बांटे लड्डू

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में भव्य लड्डू वितरण सह जश्न कार्यक्रम का आयोजन माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सजा पर रोक लगा देने पर जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे के नेतृत्व में भारी संख्या में कांग्रेसजन साकची गोलचक्कर में एकत्र हुए, जहां आम लोगों के बीच जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे, कार्यक्रम के संयोजक दिबेश राज चेयरमैन ओबीसी विभाग, धर्मा राव अध्यक्ष साकची प्रखण्ड एवं वरिष्ठ नेतागण एवं जिला पदाधिकारी ने लड्डू वितरण बडे पैमाने पर कर आम जनता के साथ जश्न को साझा किया। साथ ही डंका बजा कर खुशी मनाया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सत्य का मान रखते हुए राहुल गांधी जी के सजा पर रोक लगाया है। कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं में अपार जोश है। भाजपा सरकार ने कुचक्र और साजिश के तहत राहुल गांधी जी पर केश कराकर जेल भेजना चाहती थी, आज सर्वोच्च न्यायालय ने सत्य के आवाज का मान बढ़ाया है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने गंभीरता-पूर्वक वायनाड लोकसभा क्षेत्र के आम जनता को अब न्याय मिलेगा। कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता 'मैं हूं राहुल गांधी' का संदेश लेकर घर घर जाएंगे। जिलाध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने नये भारत के निर्माण में आम जनता से आगे आने का आग्रह किया और कांग्रेस पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता रामाश्रय प्रसाद, रियाजुद्दीन खान, ब्रजेन्द्र तिवारी, भारतयात्री अमरजीत नाथ मिश्र, अमर कुमार मिश्र, प्रदेश सचिव के शुक्ल, सामंता कुमार, संजय सिंह आजाद, परविंदर सिंह सोहेल, सुखदेव सिंह मल्ली, आनन्द मय पात्रा, दिबेश राज चेयरमैन ओबीसी विभाग ,ज्योतिष यादव, ऊषा यादव समेत कई नेता उपस्थित थे। सभी कांग्रेसजनों को संजय सिंह आजाद ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

प्रदेश का सावन सिंधारा उत्सव कार्यक्रम संपन्न

जमशेदपुर। शुक्रवार को अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन झारखंड प्रदेश की ओर से आयोजित सावन सिंधारा उत्सव कार्यक्रम में रंगीलो सावन आयो रे सुरंगो सावन आयो..., आयो आयो तीज त्योहार..., आजा सखियां तीज मनआवा..., सावन आया झूम के..., मोर की तरह सखिया नाचो..., रिमझिम बरसे सावन.... आदि राजस्थानी गीतों पर सम्मेलन संस्था से जुड़ी मारवाड़ी समाज की महिलाओं ने जमकर ठुमके लगाए। शुक्रवार की शाम को सिंधारा कार्यक्रम सीतारामडेरा रोड़ स्थित द प्राइड होटल में महिला सम्मेलन की झारखंड प्रदेश अध्यक्ष मंजू खंडेलवाल एवं उपाध्यक्ष प्रभा पाडिया की देखरेख में संपन्न हुआ। इस मौके पर रंग-बिरंगी परिधानों में शामिल महिलाओं की ओर से कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मंजू खंडेलवाल ने बताया कि सावन सिंधारा उत्सव हमारी संस्कृति व धरोहर है। इससे समाज में परस्पर प्रेम की भावना बढ़ती है। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने जमकर मस्ती की। अंत में सभी ने लजीज स्वादिष्ट व्यंजनों का आनन्द भी लिया। इससे पहले बिष्टुपुर तुलसी भवन में विगत 08 से 14 जुलाई तक महिलाओं द्वारा आयोजित सप्ताह व्यापी श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन संपन्न होने की खुशी में प्रदेश अध्यक्ष ने समस्त टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया। इनकी रही उपस्थितिः- इस सावन उत्सव कार्यक्रम में प्रमुख रूप से लता अग्रवाल, बीना अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, सुशीला खीरवाल, सीमा जवानपुरिया, रानी अग्रवाल, ममता मुरारका, सरस्वती अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, शिल्पी अग्रवाल, किरण गढ़वाल, रजनी मित्तल, मीनू चौधरी, पुष्पा मुरारका, सरला मुरारका, सुलभ अग्रवाल, पुष्पा संघी, कृष्णा अग्रवाल, कंचन खिरवाल, मीना अग्रवाल, सुमित्रा लोढ़ा, बबीता केडिया, रोहिणी अग्रवाल, सरोज चेतानी, मीरा अग्रवाल, मधुलिका मोहनका, बीना चौधरी, ममता जालान, अनिता अग्रवाल, अन्नू संघी, कविता अग्रवाल, सीमा सावा, कुसुम अग्रवाल, सवित्री संघी, प्रीति अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल आदि की उपस्थिति रही।

बमामाईंस चूना भट्ठा में पानी की आपूर्ति बंद, त्राहिमाम

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। लगातार हो रही बारिश में भी बमामाईंस चुना भट्ठा के लोग पानी की किल्लत झेल रहे थे। क्षेत्र में जलापूर्ति बंद किये जाने से पूरे बस्ती में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ था। जुस्को द्वारा अचानक बस्ती के पानी सप्लाई को बंद किये जाने पर भाजपा ने पिछले कई दिनों से टैंकर के माध्यम से बस्तीवासियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था की। शुक्रवार को चुना भट्ठा के लोगों ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास से आवास पर मुलाकात कर उन्हें समस्या से अवगत कराते हुए इसके निदान की मांग की। बस्तीवासियों ने बताया कि पूरे क्षेत्र में जुस्को के द्वारा पानी की आपूर्ति बंद कर दिया गया है। रघुवर दास ने समस्या को गंभीर बताते हुए जुस्को के वरीय अधिकारियों से बात की। उन्होंने चुना भट्ठा में पानी की वैकल्पिक व्यवस्था ना होने तक पुरानी व्यवस्था के तहत जलापूर्ति सुनिश्चित करने को कहा।

स्पीड न्यूज

युवक ने टांगी से महिला पर किया जानलेवा हमला

सिकिदिरी। सिकिदिरी थाना क्षेत्र के नवागढ़ खक्सीटोली में नशे में धुत एक युवक ने महिला विनती देवी (24 वर्ष) पर टांगी से जानलेवा हमला कर गंभीर रुप से घायल कर दिया। सिकिदिरी थाना की पुलिस ने घायल महिला को ईलाज के लिए रिम्स भेज दिया है। शुक्रवार को दिन के करीब 10 बजे गांव के शंकर बेदिया नशे में धुत होकर अचानक विनती देवी के घर पहुंच कर टांगी से जानलेवा हमला कर दिया। इधर घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने आरोपित शंकर बेदिया की जमकर धुनाई कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पर सिकिदिरी थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।

उरुगुट्टू में मनरेगा लोकपाल ने की पौधरोपण की शुरूआत

ठाकुरगांव। कांके प्रखंड के उरुगुट्टू में शुक्रवार को मनरेगा लोकपाल पुष्पलता ने बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत पौधरोपण का शुभारंभ किया। मौके पर लोकपाल ने उरुगुट्टू के किसान हरिप्रसाद महतो के जमीन पर पौधरोपण किया। उन्होंने मनरेगा से बने सिंचाई कूप, बकरी शेड, गाय शेड का भी अवलोकन किया। मौके पर मुखिया पूजा किस्पोट्टा, पंस सदस्य तारा देवी, उपमुखिया मैनुल अंसारी सुरेश महतो, जलेश्वर महतो मौजूद थे।

टर्बो की टक्कर से गश्ती दल वाहन के चार पुलिसकर्मी घायल

चान्हो। गश्ती के दौरान करकट चौरा के निकट एनएच पर चान्हो पुलिस पेट्रोलिंग पार्टी के बोलेरो को एक टर्बो ट्रक ने पीछे से धक्का मार दिया। घटना शुक्रवार दोपहर की है। धक्के से बोलेरो पर सवार चान्हो थाना के एएसआई नीतीश कुमार, हवलदार अशोक साव, आरक्षी विनोद बैठा व चालक इमरान अंसारी घायल हो गये। बताया जा रहा है कि गस्ती कर बोलेरो बीजुपाड़ा गांव के निकट पहुंची ही थी कि इसी दौरान बीजुपाड़ा से मांडर की ओर जा रही एक टर्बो ट्रक ने बोलेरो को पीछे से धक्का मार दिया।

लापता वृद्ध महिला का शव जंगल में मिला

खलारी। मानकी बस्ती से घर से लापता हुई वृद्ध महिला का सड़ा गल्ला शव फांसी के फंदे में झूलती हुई शुक्रवार को बस्ती के पास तुरीदाग़ा जंगल में मिला। शव को पोस्टमार्टम के लिए रांची भेज दिया गया है। मानकी बस्ती के 70 वर्षीय सुगिया गंझु बीते 31 जुलाई से अपने घर से लापता थी। परिजनों ने गुमशुदगी का मामला थाना में दर्ज कराया था। परिवार वालो बताया कि उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। कई बार वह बिना बताये घर से बाहर जा चुकी थी। इस बार जंगल में पेड़ से लटकता हुआ उनका शव मिला। परिजनों ने वस्त्र से उसकी पहचान की।

डॉ इरफान अंसारी के खिलाफ थाना में आवेदन

अनगड़ा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के विरुद्ध जामताड़ा के कांग्रेस विधायक डॉ इरफान अन्सारी के द्वारा बार बार आदिवासी शब्द का प्रयोग करके श्री मरांडी को नीचा दिखाने का कोशिश करने पर एसटी मोर्चा के महामंत्री बुधराम बेदिया ने अनगड़ा थाना में लिखित शिकायत कर प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह किया है।

जड़ी-बूटी दिवस : औषधीय पौधे हमारी धरती माता के दिव्य शृंगार

- बेड़ो में औषधीय पौधों का वितरण से इसके महत्व की लोगों को दी गई जानकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। भारत स्वाभिमान व पतंजलि योग समिति के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को महावीर चौक में आचार्य बालकृष्ण का जन्मदिन जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर तुलसी, गिलोय, नीम, मीठा नीम, नींबू, आंवला, जामुन, शरीफा, चिरा यंता, बिल्व समेत कई प्रजाति की जड़ी बूटियों के पौधों का वितरण किया गया। साथ ही लोगों को पहचान कराया गया।कार्यक्रम में जिला प्रभारी एसपी साहू ने कहा कि आचार्य बालकृष्ण ने विश्व सहित भारत में आयुर्वेद को जन.जन तक पहुंचाया। साथ ही अनेकों जड़ी.बूटियों पर शोध किया एवं पतंजलि के माध्यम से दवा के रूप में सभी आरोग्य केंद्रों पर उपलब्ध कराया। वही प्रखंड प्रभारी मुकेश कुमार राय ने कहा कि हमारे देश में बहुत सारे वनस्पति है। हमारा संकल्प औषधीय वनस्पतियों से धरती माता का श्रृंगार करने का है। वनस्पतियों से ही धरती व मानव का जीवन है। भारत ही वह दिव्य भूमि है जहां प्रत्येक मौसम में होने वाली बीमारियों की औषधि स्वयं रूप से उपज कर तैयार मिलती है। आवश्यकता इस बात की है कि हम इन्हें पहचानें एवं संरक्षित करें। मौके पर सुरेश प्रसाद साहू श्रीकांत मेहरा सुभाष खन्ना अजित उरांव पुनई उरांव मौजूद थे।

जड़ी बूटी के पौधों के साथ ग्रामीण।

ग्रामीणों में औषधीय पौधों का वितरण

ओरमांझी। आचार्य बालकृष्ण का जन्म दिवस पर प्रखंड क्षेत्र के हतवाल में गांव में औषधीय पौधे वितरण किया गया। गांव के महादेव मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में रांची जिला पतंजलि समिति के युवा अध्यक्ष रणधीर चौधरी ने कहा योग और आयुर्वेद भारतीय जीवन का दर्शन है। स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद का बहुत महत्व है। स्वस्थ जीवन जीने और आयुर्वेद के प्रति लोगों को जागरुक करने के उद्देश्य से आचार्य बालकृष्ण का जन्म दिन जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम में उपस्थित योग शिक्षक इसकी महता की जानकारी दी।

एसएस हाई स्कूल के छात्र ने की आत्महत्या

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के चेतनबारी गाव निवासी साधुराम महतो का 16 वर्षीय बेटा उपेंद्र कुमार महतो फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। वह एसएस प्लस टू हाई स्कूल ओरमांझी के (साइंस) सेकंड ईयर का छात्र था। शुक्रवार को हुई घटना के संबंध में बताया गया कि छात्र घर के बगल में ही एक मकान में रस्सी के सहारे फांसी लगा लिया था। जानकारी होने पर स्वजन उसे नीचे उतारे तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद स्वजन काफी रो रहे थे। इधर जानकारी होने पर विद्यालय कई छात्र मृतक के घर पहुंचे थे और उनके परिजनों को सांत्वना दिये। इस घटना को लेकर गांव में शोक की लहर है।

लोवाडीह में हाथियों ने घर किया क्षतिग्रस्त

सोनाहातू। प्रखंड के लांदुपडीह पंचायत के लोवाडीह गांव में गुरुवार रात को 10..12 की संख्या में हाथियों का झुंड अर्जुन महतो के घर को क्षतिग्रस्त कर दिया है। इस क्रम में घर में रखे 10 क्विंटल धान ओर चावल को खाया है। दो रात से वनपाल दिलीप मुंडा ओर करमा होरो की टीम हाथी भागने का प्रयास कर रहे है लेकिन घना जंगल होने के कारण सफलता नही मिल रहा है। इधर घर क्षतिग्रस्त की सूचना पर भाजपा बारेंदा मंडल अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार महतो गांव का दौरा कर नुकसान की जानकारी लिया तथा वन विभाग से आवश्यक करवाई करने की बात कही।

cmpdi A Miniratna Company

सेन्ट्रल माईन प्लानिंग एण्ड डिजाईन इन्स्टीच्यूट लिमिटेड
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी ईकाई)
गोन्दवाना प्लेस, काँक रोड रांची - 834031, झारखण्ड, भारत

सूचना

"सामग्री, कार्यो एवं सेवाओं की खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in/सम्बंधित अनुषंगी कम्पनी (सीएमपीडीआई, www.cmpdi.co.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अलावा, जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती है।"

कार्यालय:-जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग

(अल्पकालीन आवेदन-पत्र आमंत्रण सूचना)

वित्तीय वर्ष 2023-24 में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड रांची के राज्यादेश सं0 16 दिनांक 24.07.2023 मत्स्य प्रसार, अनुशंधान एवं प्रशिक्षण योजनान्तर्गत केज से सुचना संग्रहण एवं तकनीकी सहायता प्रदान करने हेतु केज मित्र का चयन हेतु आवेदन -पत्र आमत्रित किया जाता है।

क्र0 स0	केज कल्चर में मत्स्य पालन कार्य का प्रतिवेदन हेतु	भौतिक लक्ष्य (संख्या में)	अभ्युक्ति
1	केज मित्र	02	

उपर्युक्त कार्य के लिए वैसे स्वैच्छिक कार्यकर्ता जिन्हें कम्प्यूटर चलाने का ज्ञान हो, स्वंय का Android Phone हो, पानी में तैरना आता हो, मोटरसाईकिल चलाने आता हो इत्यादि से आवेदन पत्र दिनांक 20.08.2023 तक कार्यालय मे आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस मे जिला मत्स्य कार्यालय, हजारीबाग के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। पूर्व में चयनित केज मित्र अथवा मत्स्य मित्र भी आवेदन कर सकते है।

नोट :- आवेदन पत्र कार्यालय में निःशूल्क उपलब्ध है।

ह0/-
जिला मत्स्य पदाधिकारी-सह-
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, हजारीबाग।

PR.NO.304001 Fish(23-24):D

चान्हो : विकास योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए कार्यशाला

चान्हो। प्रखंड सभागार में अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार हेतु शुक्रवार को कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में जिलांकल्याण पदाधिकरी संगीता सरन और परियोजना निदेशक सुधीर बड़ा उपस्थित हुए। जिन्होंने सभागार में उपस्थित पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों को चल रहे सभी कल्याण विभाग के योजनाओं की जानकारी दी। और बताया कल्याण विभाग के अंतर्गत कोई भी योजना हो उसे किसी प्रतिनिधि से अनुसंशा कराने की आवश्यकता नहीं है उसके लिए सिर्फ ग्रामसभा रजिस्टर में दर्ज कराना जरूरी है। कल्याण विभाग से की जाने वाली कार्य जो आपके क्षेत्र में है उसे ग्राम सभा में चढ़ाएं और जिला भेजें। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी, जिप सदस्य चान्हो पूर्वी आशुतोष तिवारी, प्रमुख, उप प्रमुख आदि मौजूद थे।

प्रखंड के नहरों में पानी लबालब, किसान खुश

खबर मन्त्र संवाददाता

सोनाहातू/राहे। तीन दिन लगातार वारिश के बाद शुक्रवार को वारिश थम गया है। लेकिन दिन भर बादल मंडराता रहा है। हर खेत में पानी और लबालब भरा हुआ नहर किसानों को प्रफुल्लित कर रहा है। नदी में बाढ़ की स्थिति होने के कारण प्रखंड में सबसे बड़ा कांची नहर जो तमाड़ प्रखंड से गुजरता हुआ सोनाहातू के चार पंचायत होकर स्वर्ण रेखा नदी में गिरता है। कांची नहर लबालब भरा हुआ है। किसानों का मन भर पानी मिल रहा है। इधर राहे प्रखंड के कोकरो नहर भी लबालब भर हुआ है। 11 किलोमीटर लंबा मुख्य नहर के साथ कई शाखा नहर से पानी खेत तक पहुँच रहे है किसान धान रोपनी में लगे है। खेती कार्य में लोगों की व्यस्तता होने के कारण बाजार वीरान हो गया है।

सोनाहातू में बहता कांची नहर में लबालब पानी।

District Rural Health Society, Garhwa
Sadar Hospital Campus, Garhwa (Jharkhand)

RFP No. 05/23-24, (Short Term Tender)

Request for Proposal (RFP) for Concurrent Audit for FY 2023-24

District Rural Health Society (DRHS), Garhwa seeks to invite Proposal from CA Firms meeting the minimum eligibility criteria for the concurrent audit of District Health societies and all Block there under implementing various programme under the National Health Mission, Garhwa for the financial year 2023-24

Interested eligible bidders can Submit the proposal with the officers of Civil Surgeon-cum-chief medical officer, Garhwa. The technical & financial evaluation and selection process shall be done by office of civil surgeon-sum-chief medical officer Garhwa.

Important Dates for the selection process

1	Contact Person for clarification	District Account manager Garhwa (Mob No:- 9113344530, 9470357559)
2	Last Date of submission of proposal to DHS	22.08.2023 at 5:00 PM
3	Date of opening of Technical bit at DHS	25.08.2023 at 2:00 PM
4	Date of Opening of financial Bid at DHS	25.08.2023 at 4:00 PM

Note:-REP documents can be downloaded from website http://garhwa.nic.in/

PR 304055 Health Med Edu and Family Welfare (23-24)_D

Civil Surgeon-cum-CMO Garhwa

अनगड़ा में ग्रामीणों ने निकाला कैंडल मार्च

- बच्ची से अमानवीय व्यवहार के दोषी की गिरफ्तारी की मांग

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। जशपुरिया पब्लिक स्कूल बीसा में एलकेजी मे पढ़ने वाली एक पांच वर्षीय मासूम बच्ची के साथ अमानवीय व्यवहार करने वाले दोषी को चिन्हित कर तत्काल गिरफ्तार करने की मांग को लेकर शुक्रवार को गोन्दली पोखर में कैंडल मार्च निकाला गया। कैंडल मार्च मे शामिल लोगों ने पुलिस प्रशासन से दोषी को चौबीस घंटा के अन्दर गिरफ्तार करने नही तो अनगड़ा बन्द करने का अल्टीमेटम दिया है। मालूम हो कि इस संबंध मे बच्ची के पिता ने मंगलवार को अनगड़ा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। कैंडल मार्च मे विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र मुंडा भाजपा मंडल अध्यक्ष रामनाथ महतो आजसू पार्टी के पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव आजसू के आतिश महतो भाजपा एसटी मोर्चा के सत्यदेव मुन्डा बुधराम बेदिया किशोर मुन्डा राजेश महतो नरेश साहू ज्योतिष महतो राजेन्द्र महतो अनील मुंडा बीरेन्द्र सिंह भोक्ता मोहन महतो इत्यादि शामिल थे।

बच्ची से अमानवीय व्यवहार के दोषी की गिरफ्तारी को लेकर विरोध।

पड़हा जतरा संचालन समिति के सदस्यों संग बीडीओ ने की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। पाड़हा जतरा समिति बेड़ो एवं बारीडीह के अध्यक्ष एवं अन्य समिति के वरिष्ठ सदस्यों की मौजूदगी में बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व वीसी डाॅ रविन्द्र नाथ भगत के द्वारा बेड़ो प्रखंड के दो अलग अलग जगहों क्रमशः बेड़ो बाजार टांड़ एवं बारीडीह जतरा मैदान में तीन जून को होनेवाले वार्षिक पड़हा जतरा समारोह को संयुक्त रूप से राजकीय मेला घोषित करने के प्रयास की काफी सराहना की गई। साथ ही इसके के लिए पड़हा समाज के सभी पड़हा राजाए दीवानए कोटवारए महतोए पाहनएग्राम प्रधानएपैनभरा व पुजार के साथ साथ पड़हा संचालन समिति बेड़ो और बारीडीह के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पूर्व वीसी डॉ रविंद्र नाथ भगत के ऐतिहासिक पहल के लिए मिलजुल कर धन्यवाद दिया।

झारखंड शिक्षा परियोजना, रामगढ़
जिला स्तरीय कार्यालय
राजकीय बुनियादी विद्यालय परिसर गोला रोड़, रामगढ़ कैंट
ई मेल :- ssa_ramgarh@rediffmail.com
फोन नं0/फैक्स नं० - 06553-231133,

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना (सत्र-2023-24)

जिले में संचालित नेताजी सुभाश चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय, पतरातू में सत्र-2023-24 के लिये Furniture / Equipment (including kitchen equipment), TLM and equipment including library books एवं Bedding की आपूर्ति हेतु राज्य में निबंधित इच्छुक संस्थानों के द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता नेताजी सुभाश चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय, पतरातू, रामगढ़ से निविदा प्रपत्र दिनांक-07.08.2023 से दिनांक-12.08.2023 तक (कार्यालय अवधि में) प्राप्त कर उसी विद्यालय में तकनीकि बिड एवं वित्तीय बिड अलग-अलग सीलबंद लिफाफे में दिनांक-17.08.2023 के अपराह्न 1:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करेंगे। क्रय समिति द्वारा दिनांक-17.08..2023 को अपराह्न 2:30 बजे नेताजी सुभाश चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय, पतरातू (एस.एस. +2 हाई स्कूल, पतरातू परिसर, पतरातू, जिला-रामगढ़) में निविदा खोला जाएगा।

क्र०सं०	विद्यालय का नाम	पता
1	नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय विद्यालय, पतरातू, रामगढ	एस.एस. +2 हाई स्कूल पतरातू परिसर, पो०+थाना- पतरातू, जिला-रामगढ, झारखण्ड, पिन कोड-839118

पैकेज विवरणी - **पैकेज संख्या 1** - Furniture / Equipment (including kitchen equipment), **पैकेज संख्या 02** - TLM and equipment including library books, **पैकेज संख्या 3** - Bedding इत्यादि। पूर्ण एवं आवश्यक निविदा प्रपत्र प्राप्त करने के लिए (प्रत्येक पैकेज के लिए) NETAJI S C BOSE AVASIYA VIDYALAY RAMGARH के नाम से अप्रतिदेय (Non Refundable) 1000/- रूपये (एक हजार रूपये मात्र) राष्ट्रीयकृत बैंक के डिमांड ड्राफ्ट में देना अनिवार्य है। निविदा में किसी भी प्रकार की संशोधन अथवा रद्द करने का अधिकार जिला स्तरीय क्रय समिति के पास सुरक्षित होगा।

ह०/-
जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी,समग्र
समग्र शिक्षा अभियान, रामगढ

PR304042 (District)23-24*D

रातू : पीटर इंग्लैंड की तीसरी वर्षगांठ पर जश्न का माहौल

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। राजधानी से सटे काठीटांड़ चौक स्थित पीटर इंग्लैंड की तीसरी वर्षगांठ पर जश्न का माहौल रहा। प्रदेश कांग्रेस के महासचिव अजय नाथ शाहदेव ने फीता और केक काट कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि पीटर इंग्लैंड कपड़े की विश्वसनीय प्रतिष्ठान है। इसके कर्मचारी व्यवहार कुशल होने के साथ ग्राहकों की सेवा को प्राथमिकता देकर व्यवसाय को आगे बढ़ाने में खास भूमिका निभा रहे हैं। इनकी बदौलत ही दुकान की ख्याति ग्रामीण क्षेत्र में विश्वास को प्रगाढ़ बनाने में मील का पत्थर साबित हो रहा है। श्री शाहदेव ने प्रबंधन से भविष्य में भी इसे बरकरार रखने का सुझाव दिया। पूरे दिन यहां खरीदारों की भीड़ लगी रही। ग्राहकों ने विशेष छूट का भी लाभ उठाया।

न्यू कलेक्शन से ग्राहक उत्साहित

पीटर इंग्लैंड के न्यू कलेक्शन और 699 रुपये मात्र के न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध होने से लोगों के बीच खुशी और उत्साह देखा गया। वह काफी उत्साहित नजर आये। लोगो ने नये कलेक्शन की जमकर खरीदारी की। प्रो मयंक झा ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। मौके पर पृथ्वीनाथ शाहदेव, शंकर झा, डॉ प्रशांत कुमार, कुमार अतुल राज, नवनीत कुमार, राहुल दयाल व स्नेहल शाहदेव मौजूद थे।

किचटो के ग्रामीण ग्रामसभा के अधिकारों से हुए अवगत

ग्राम सभा के अधिकारों को जानते ग्रामीण।

खबर मन्त्र संवाददाता

पिपरवार। सीसीएल क्षेत्र पिपरवार अन्तर्गत किचटो पंचायत के तरवां गांव मे गुरुवार की रात्रि में झारखंड माइंस एरिया कोर्डिनेशन कमेटी ;जमैकद्ध के सौजन्य से ग्रामीणों के जन जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से ग्राम सभा के अधिकारों पर विषयों को प्रोजेक्टर के माध्यम से बड़े पर्दे पर दिखाया गया। वीडियो के माध्यम से अपने अधिकारों को देखकर ग्रामीण काफी खुश दिखे। ग्रामीणों को दिखाए गए रूपांतरण वीडियो में ग्राम सभाए पेसा कानून एवंमें ग्राम सभा का सामूहिक अधिकारए जल जंगल जमीन को कैसे बचाना है इसको प्रमुखता से दिखाया गया। मौके पर जमैक के फील्ड कोर्डिनेटर एलिस चेरवा दीदीए दीपक किस्कू, किचटो पंचायत प्रतिनिधि अंगद कुमार महतो, जोधन महतो, बालेश्वर उरांव, रामकुमार उरांव, अनिल कुमार महतो, रोशन महतो, सुरेंद्र कुमार महतो मौजूद थे।

कार्यालय: जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा

आवेदन आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग), झारखण्ड सरकार के राज्यादेश संख्या 08 रा0(वि0), दिनांक-13.06.2023 द्वारा राज्य योजना अंतर्गत केज कल्चर विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण योजना के तहत् केज अधिष्ठापन, इनपुट, केज रिमॉडलिंग आदि की क्रियान्वयन की स्वीकृति प्राप्त है। राज्यादेश में सिमडेगा जिले को शीर्ष-796-जनजातीय क्षेत्र उपयोजना अंतर्गत कुल 07 केज बैटरी केजों में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण योजना के तहत् जलाशयों के कजों में रिमॉडलिंग का भौतिक लक्ष्य प्राप्त है। प्राकृतिक आपदा, स्थानीय चक्रवात, क्रॉप क्रैश के कारण लाभुकों/धारक मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के टूटे केज की रिमॉडलिंग हेतु जीर्णोद्धार मद में राशि स्वीकृत की गई है। जिसके लिए ''इच्छा की अभिव्यक्ति'' आमंत्रित की जाती है।

अहर्त्ताएँ :-

1. कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, हजारीबाग द्वारा वर्ष 2021 में G.I. पाईप से बने चार केज - एक बैटरी मॉडल/दो केज-एक बैटरी मॉडल/ एक केज-एक बैटरी मॉडल के एक केज-एक बैटरी में रिमॉडलिंग के मो0- 1,83,500/- रू0 मात्र के प्राक्कलन पर तकनीकी स्वीकृति प्रदान की गई है।
2. निदेशक मत्स्य द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में ''इच्छा की अभिव्यक्ति'' आमंत्रित करते हुए केज रिमॉडलिंग की इकाई लागत मो0- 1,82,500/- रू0 मात्र प्रति निर्धारित की गई है तथा मत्स्य निदेशालय के पत्रांक 180, दिनांक- 27.01.2023 द्वारा इच्छुक फर्म/ संवेदक का Empanelling किया गया है।
3. केज रिमॉडलिंग कार्य लाभुक/ धारक समिति द्वारा उपर्युक्त कंडिका 9 (ii) के द्वारा Empanelled फर्म/संवेदक से कराया जाएगा।
4. ''इच्छा की अभिव्यक्ति'' में निर्धारित केज रिमॉडलिंग दर मो0- 1,82,500/- रू0 मात्र प्रति पर 90 प्रतिशत् अर्थात् मो0- 1,64,250/- रू0 मात्र का अनुदान देय होगा तथा शेष 10 प्रतिशत लाभुक/ धारक समिति का अंशदान होगा। जलाशयों में विस्थापितों की आर्थिक स्थिति को देखते हुए केज रिमॉडलिंग में भी 90 प्रतिशत अनुदान दिया जाएगा।
5. केज रिमॉडलिंग हेतु लाभुक पूर्व में केज धारक अथवा जलाशय मत्स्यजीवी सहयोग समिति का सदस्य हो। मत्स्यजीवी सहयोग समिति भी लाभुक हो सकती है। लाभुक अपना अंशदान लगाने का इच्छुक हो/सक्षम हो। चार केज-एक बैटरी मॉडल अथवा दो केज-एक बैटरी मॉडल में अधिकतम दो लाभुक साक्षा हो सकते हैं। जलाशयों के विस्थापित केज धारकों को प्राथमिकता दी जाएगी।
6. केज रिमॉडलिंग के लिए इच्छुक लाभुक/धारक समिति जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा में आवेदन देंगे।

नोट:- चयनित लाभुकों का Escrow Account जिला मत्स्य पदाधिकारी के द्वारा खोला जाएगा जिसमें अनुदान की राशि डी0बी0टी0 के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी तथा लाभुकों के द्वारा अपना अंशदान Escrow Account में एक माह के अंदर जमा करना अनिवार्य होगा। लाभुक अंशदान जमा होने के उपरांत ही लाभुकों को योजना का लाभ प्राप्त करने की अहर्ता प्राप्त होगी।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि :- 14.08.2023
आवेदन जमा करने का स्थान :- जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा।
आवेदन प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा में निःशुल्क प्राप्त किया जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
सिमडेगा।

PR.NO.304026 Fish(23-24):D

बजरंग दल ने पौधरोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

खबर मन्त्र संवाददाता

पिपरवार। विश्व हिंदू परिषद सह बजरंग दल पिपरवार बचरा के कार्यकर्ताओं ने पतंजलि योगपीठ के श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण के जयंती के मौके पर वृक्षारोपण किया गया।इस मौके पर बजरंग दल परिवार बचरा के द्वारा संयुक्त रूप से बचरा सफही नदी किनारे श्मशान घाट पर वृक्षारोपण किया गया जिसमें बरगद पीपल आम जामुन पाकड़ इत्यादि पेड़ का पौधा बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा लगाया गया।साथ ही पौधे की सुरक्षा के लिए उसकी घेराबंदी की गई।इस दौरान उपस्थित बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस संबंध में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बताया कि पतंजलि योगपीठ के श्रद्धेय आचार्य श्री बालकृष्ण की जयंती पूरे भारत में जड़ी.बूटी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस मौके पर शंकर सिंह चेरो लक्ष्मण कुमार मंडल सुनील प्रसाद संतोष गिरी शंकर साव राहुल कुमार मुकेश राणा राजकुमार बाबू मुकेश कुमार उमेश मेहता नितेश कुमार साव विक्की कुमार दीपक केसरी राजा कुमार प्रणव दुबे संतोष रजक पप्पू सोनी राजेश कुमार अनिल पासवान मुरारी कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

पिपरवार में पौधरोपण करते बजरंग दल के कार्यकर्ता।

मुआवजा भुगतान दस्तावेज पीओ को समर्पित

खलारी। सीसीएल के द्वारा पूर्व से अधिग्रहण भूमि पर बने अवैध घरों का सत्यापन कर विश्रामपुर पंचायत के मुखिया दीपमाला कुमारीप्रखंडी प्रखंड प्रमुख सोनी तिग्गा व रैयत विस्थापित मोर्चा के सचिव दामोदर गंझू ने सत्यापन कर केडीएच परियोजना पदाधिकारी को सौपा दस्तावेज। ग्रामीणों को उचित मुआवजा जल्द मिलेगा। इस संबंध में केडीएच पीओ ने बताया कि केडीएच परियोजना विस्तारीकरण के लिये जनप्रतिनिधियों ने परियोजना अंतर्गत विश्रामपुर पंचायत के जामुनदोहर बस्ती में रह रहे ग्रामीणों को मुआवजा देने के लिए आवश्यक दस्तावेज परियोजना पदाधिकारी अनील कुमार सिंह को समर्पित कर दिया गया है। जो भी बाकी कुछ बचे ग्रामीणों का दस्तावेज शीघ्र जमा करने के लिए ससमय आग्रह किया गया।

जन विश्वास?

संसद में जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक पारित हो गया है। पत्र सूचना कार्यालय की विज्ञप्ति के अनुसार विधेयक का उद्देश्य 19 मंत्रालयों द्वारा प्रशासित 42 केंद्रीय अधिनियमों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए 183 प्रावधानों में संशोधन का प्रस्ताव कर जीवन और व्यापार को सुगम बनाने को बढ़ावा देना है।जब यह विधेयक कानून बन जाएगा तब यह कई कारोबार से जुड़े उद्यमियों के जीवन को आसान बना देगा और दवा उद्योग भी इनमें से एक है। जन विश्वास कानून के कारण औषधि एवं प्रसाधन सामग्री (डीऐंडसी) अधिनियम में कुछ बदलावों का दवा निमार्ता स्वागत करेंगे लेकिन भारत के दवा उपभोक्ताओं के पास खुश होने की कोई बड़ी वजह नहीं है।

लोकसभा में इस विधेयक को मतदान के लिए पेश किए जाने से पहले, भारतीय दवा उद्योग की दवा तैयार करने और गुणवत्ता से जुड़ी नियंत्रण कार्यप्रणाली कड़ी जांच के दायरे में आई। इस साल अप्रैल के अंत में, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के निरीक्षण के ताजा चरण में ऐंटासिड, ऐंटीबायोटिक्स और रक्तचाप कम करने वाली दवाओं सहित 48 आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले और मशहूर ब्रांडों की दवाएं घटिया पाई गईं। अमेरिका के यूएस फूंड ऐंड ड्रग्स एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) ने भारत के कई प्रमुख दवा निमार्ताओं की भी खिंचाई की थी जो अमेरिका को जेनेरिक दवाओं का निर्यात कर रहे थे। उसने इन जेनेरिक दवाओं को बनाने वाले कारखानों में कई समस्याओं की ओर ध्यान दिलाने की कोशिश की गई जिनमें अस्वच्छ माहौल में दवा निर्माण, दूषित दवाओं से लेकर अलग-अलग कागजी कार्रवाई शामिल है। इसके अलावा, गाम्बिया और उज्बेकिस्तान में भारत के एक दवा निमार्ता द्वारा बनाए गए कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत होने की खबरें भी आईं।

चावल निर्यात पर रोक

सरकार ने बासमती तथा उसना चावल को छोड़कर हर प्रकार के चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसका असर पूरी दुनिया में महसूस किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल की कीमतें 11 वर्ष के उच्चतम स्तर पर हैं तथा उनमें और इजाफा होने लगा है। कुछ मामलों में तो जो माल रास्ते में है उसकी कीमत भी 50 से 100 डॉलर प्रति टन तक बढ़ गई है। भारत पिछले कुछ समय में दुनिया का शीर्ष चावल निर्यातक रहा है और उसने वैश्विक व्यापार का करीब 40 फीसदी अनाज निर्यात किया। वर्ष 2022-23 में उसने 2.23 करोड़ टन चावल निर्यात किया। उसके अचानक इस बाजार से बाहर हो जाने से वैश्विक आपूर्ति में करीब एक करोड़ टन की कमी आएगी। गैर खुशबूदार चावल के अन्य निर्यातकों में थाईलैंड और वियतनाम के पास इस कमी को पूरा करने के लिए पर्याप्त चावल का भंडार नहीं है। इसके परिणामस्वरूप खाद्यान्न की अंतरराष्ट्रीय कीमतें जो पहले ही मौसम के कारण उपज से जुड़ी अनिश्चितताओं, रूस द्वारा यूक्रेन को काला सागर बंदरगाहों के जरिये अनाज निर्यात की इजाजत वापस लेने के कारण बढ़ी हुई थीं उनमें और तेजी आई है। इससे खाद्यान्न संकट से जूझ रहे देशों की चिंताएं बढ़ेंगी। खासतौर पर छोटे अफ्रीकी देशों की जो भारत से आने वाले अनाज पर निर्भर करते हैं। आश्चर्य नहीं कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारत द्वारा निर्यात प्रतिबंध को लेकर आक्रामक रुख दिखाया और कहा कि इससे वैश्विक खाद्य कीमतों की अस्थिरता की स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने भारत से कहा है कि उसे यह प्रतिबंध हटा लेना चाहिए। देश में भी सरकार के कदम को समझदारी भरा नहीं माना जा रहा है। इसकी कई वजह हैं। एक बात तो यह कही जा रही है कि ऐसा करके भारत आकर्षक वैश्विक कीमतों से फायदा उठाने से चूक रहा है।

स्कूलों में स्मार्ट फोन के उपयोग पर पाबंदी आवश्यक

फायदों के बावजूद स्मार्टफोन जैसी डिजिटल तकनीकों का बढ़ता दुरूपयोग बच्चों को शिक्षा से दूर ले जा रहा है। किसी नशे की तरह बच्चे इसकी लत का शिकार बनते जा रहे हैं। ऐसा कहा जाता है कि स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगाने से क्लास में अनुशासन बना रहेगा और बच्चों को ऑनलाइन डिस्टर्ब होने से बचाया जा सकेगा। यूनेस्को की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल एक टूल की तरह ही किया जाए। लेकिन इसके साथ ही यह भी कहा गया कि पारंपरिक शिक्षण विधियों को पीछे न किया जाए।शोध के अनुसार, 10 में से केवल एक माता-पिता सोचते हैं कि कक्षा में फोन का उपयोग किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, संयुक्त राष्ट्र ने स्कूलों में स्मार्टफोन रखने के खतरों के बारे में चेतावनी दी है।

इन दिनों कई गतिविधियाँ ऑनलाइन आयोजित की जा रही हैं क्योंकि यह बहुत सुविधाजनक है। इसमें शिक्षा भी शामिल है। इसी कारण से छात्रों के लिए मोबाइल फोन उनकी शिक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है। जो बातें पहले व्यक्तिगत कक्षाओं के दौरान कक्षा में बताई जाती थीं, उन्हें फोन पर पाठ के माध्यम से आसानी से व्यक्त किया जा सकता है। जैसा कि कहा गया है, यह बहस बनी हुई है कि क्या मोबाइल फोन छात्रों के लिए अच्छा है या बुरा, क्योंकि मोबाइल फोन सिर्फ शैक्षिक उद्देश्यों के लिए नहीं है, बल्कि एक मोबाइल फोन एक छात्र के लिए इंटरनेट की विशाल दुनिया की खिड़की है, जो अक्सर उनकी पढ़ाई से छात्र का ध्यान भटका सकता है। यदि आप एक माता-पिता हैं और अपने बच्चे के लिए स्कूल में प्रवेश के बारे में सोच रहे हैं, तो यह आपके ध्यान देने योग्य हो सकता है।

हर चीज के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। स्मार्टफोन का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए, बच्चों को घर और स्कूल दोनों जगह शिक्षा और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है। जब उनका उपयोग करना ठीक न हो और ऐसा हो तो वयस्कों को आदर्श बनना चाहिए, और उन्हें सुरक्षित, जिम्मेदार और उचित उपयोग के आसपास सीमाओं को लागू करने की आवश्यकता होगी। कोविड-19 महामारी का एक बड़ा साइड इफेक्ट यही रहा है कि उसकी वजह से दुनिया के कई स्कूली बच्चों को स्मार्टफोन

– डॉ मेरी ग्रेस

> हमें यह याद रखना होगा कि स्कूली छात्र आखिरकार बच्चे ही होते हैं और वे लगभग हमेशा पढ़ाई और पाठ्येतर गतिविधियों को लेकर तनावग्रस्त रहते हैं। यही कारण है कि जब उनके हाथ में कोई फोन आता है तो वे उसमें डूब जाते हैं। यह आदत कभी-कभी इतनी खराब हो जाती है कि छात्र जल्द से जल्द अपने फोन पर वापस जाने के लिए पढ़ाई को नजरअंदाज करने लगते हैं।

का उपयोग करना पड़ा। अब इसकी आदत गंभीर रूप लेने लगी है। इंटरनेट स्पष्ट चीजों से भरा पड़ा है, जिसमें आपत्तिजनक से लेकर रक्तरंजित सामग्री तक शामिल है। जबकि कुछ फोन को पैरेंटल लॉक से बाहरी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है, कई फोन में यह सुविधा नहीं होती है, और छात्र आसानी से ऐसी चीजों तक पहुंच सकते हैं। बच्चे जिज्ञासु प्राणी होते हैं, और उनके लिए उन चीजों का पीछा करना स्वाभाविक है जो उन्होंने पहले नहीं देखी हैं। ज्यादातर मामलों में, बच्चे उस छोटी सी उम्र में वो चीजें देख लेते हैं जो उन्हें नहीं मिलनी चाहिए।

बच्चों के लिए मोबाइल फोन का सबसे आम नुकसान यह है कि उन्हें फोन की लत लग जाती है। हमें यह याद रखना होगा कि स्कूली छात्र आखिरकार बच्चे ही होते हैं और वे लगभग हमेशा पढ़ाई और पाठ्येतर गतिविधियों को लेकर तनावग्रस्त रहते हैं। यही कारण है कि जब उनके हाथ में कोई फोन आता है तो वे उसमें डूब जाते हैं। यह आदत कभी-कभी इतनी खराब हो जाती है कि छात्र जल्द से जल्द अपने फोन पर वापस जाने के लिए पढ़ाई को नजरअंदाज करने लगते हैं। कोविड महामारी के दौरान करोड़ों लोगों में स्मार्टफोन की लत बढ़ी और इसलिए अब इसके नुकसान की चर्चाएँ भी खूब हो रही हैं।

मोबाइल फोन का ज्यादा उपयोग छात्रों की सीखने नहीं देगा और यह उनकी क्रिएटिविटी को भी एक हद तक मारने का काम करता है। यह शिक्षकों के साथ छात्रों के के मानवीय संपर्क को भी कम कर देता है। जैसे-जैसे शिक्षा तेजी से ऑनलाइन हो रही है, जहां छात्रों के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करने के कई फायदे हैं, वहीं इसके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। छात्र अक्सर उन गतिविधियों के लिए अपने मोबाइल फोन पर निर्भर रहना शुरू कर देते हैं जिन्हें वे स्वयं अच्छी तरह से कर सकते थे। इसमें बुनियादी गणना जैसे सरल कार्य शामिल हैं, क्योंकि वे फोन के कैलकुलेटर ऐप का उपयोग कर सकते हैं। या, कभी-कभी, उन्हें किसी प्रश्नोत्तरी का उत्तर याद नहीं होता है जो उन्हें इसे ऑनलाइन देखने के लिए प्रेरित करता है जिसका अध्ययन किया जाना चाहिए और याद किया जाना चाहिए। प्रभावी शिक्षण के लिए छात्रों और शिक्षकों के बीच सामाजिक संपर्क जरूरी है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

इस बात का गंभीरता और सावधानी से अवलोकन करें कि तकनीक का स्कूलों में उपयोग कैसे हो रहा है। स्कूलों में मानव केंद्रित दृष्टिकोण की जरूरत है जहां डिजिटल तकनीक एक उपकरण के तौर पर काम करे ना कि हावी ही हो जाए। अगर हम उस समय को देखें जब मोबाइल फोन अभी भी हमारी रोजमर्रा की जरूरतों से इतनी गहराई से नहीं जुड़े थे, तो हम देखेंगे कि छात्र अपनी पढ़ाई से ब्रेक लेने के लिए कई शारीरिक गतिविधियों का इस्तेमाल करते थे। हालाँकि, इन दिनों, 8 में से 4 छात्रों के घर के अंदर रहने और समय बर्बाद करने के लिए अपने फोन का उपयोग करने की अधिक संभावना है।

मोबाइल फोन अनिवार्य रूप से पूरी दुनिया को एक हाथ की हथेली में लाता है, और इस प्रकार बच्चे खेल या किसी भी सामाजिक गतिविधियों में शामिल होने के बजाय अपने मोबाइल फोन स्क्रीन से अधिक चिपके रहते हैं। बच्चों को तकनीक के साथ और उसके बिना दोनों तरह से, प्रचुर सूचना में क्यों उपयोगी है और किसे नजरअंदाज करना है, सिखाना होगा। प्रौद्योगिकी कभी भी शिक्षकों का स्थान न ले, बल्कि प्रौद्योगिकी को एक सहायक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए, जो सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साझा उद्देश्य को हासिल करने में मददगार हो।

खास बात

परिणाम पैदा करो

परिणाम पैदा करो और देखो, कारण घटेगाः ओशो

मैं तुम्हें एक जीवन के गहरे कानूनों में से एक बताता हूं। तुमने इसके बारे में बिल्कुल नहीं सोचा होगा। तुमने सुना होगा कि झ और पूरा विज्ञान इस पर निर्भर करता हैझझ कि कारण और परिणाम आधारभूत नियम है। तुम कारण निर्मित करो और परिणाम अनुसरण करता है। जीवन एक कारण-कार्य कड़ी है। तुमने मिट्टी में बीज डाल दिया है और वह अंकुरित होगा। अगर कारण है, तो वृक्ष पीछे चले आएंगे। आग हैः तुम उसमें अपना हाथ डालोगे तो जल जाएगा। कारण है तो परिणाम अनुसरण करेंगे। तुम जहर लो और तुम मर जाओगे। तुम कारण की व्यवस्था करो और तब परिणाम घटित होता है। यह एक सबसे बुनियादी वैज्ञानिक कानूनों में से एक है, कि कारण और परिणाम जीवन के सभी प्रक्रियाओं की अंतरतम कड़ी है। धर्म एक और कानून जानता है जो इससे अधिक गहरा है। लेकिन वह दूसरा कानून जो इससे गहरा है, वह बेतुका लग सकता है अगर तुम उसे नहीं जानते और इसका प्रयोग नहीं करते। धर्म कहते हैंः परिणाम पैदा करो और कारण घटेगा। यह वैज्ञानिक दृष्टि से बिल्कुल बेतुका है। विज्ञान कहता हैः यदि कारण है, परिणाम घटेगा। धर्म कहता है, इससे उल्टा भी सच हैः परिणाम पैदा करो और देखो, कारण घटेगा।

मान लो एक ऐसी स्थिति बनी है जिसमें तुम खुशी से भर गए हो। एक दोस्त आ गया है, या प्रेमिका का संदेसा आया है। एक स्थिति कारण बनी है झ तुम खुश हो। खुशी परिणाम है। प्रेमी कारण बना है। धर्म कहता हैः खुश रहो तो प्रेमी आता है। परिणाम पैदा करो और कारण पीछे चला आता है।

यह मेरा अपना अनुभव है कि दूसरा कानून पहले के बनिस्बत अधिक बुनियादी है। मैं यह करता रहा हूं और यह कारगर हो रहा है। बस खुश रहोः प्रिय आता है। बस खुश होओः दोस्त इकट्ठे होते हैं। बस खुश होओः सब कुछ घटता है। जीसस वही बात अलग शब्दों में कहते हैंः पहले तुम प्रभु के राज्य को खोजो, फिर सब कुछ पीछे चला आएगा। लेकिन प्रभु का राज्य अंतिम है , परिणाम है। तुम पहले अंत की खोज करो अंत का मतलब है परिणाम, फल और कारण पीछे होंगे। यह वैसा ही है जैसा कि होना चाहिए।

रूद्राक्ष की महिमा

धर्म-प्रवाह

अजय दीप वाधवा

रूद्राक्ष को जानें रुद्राक्ष को साधक अनंत काल से पहनते आ रहे हैं। साधना में लीन होने वालों की यह पहली पसंद रही है। सावन में शिव को प्रिय है।

रूद्राक्ष एक विशेष प्रकार के पेड़ों के सूखे हुए बीज हैं जो विशेकर हिमालय की तराइयों में पाए जाते हैं। रूद्राक्ष का शाब्दिक अर्थ होता है, शिव के आंसू। एक पौराणिक कथा के अनुसार शिव भगवान युगों तक ध्यान में बैठे रहे और जब उन्होंने अपने नेत्र खोले तो उनके नेत्रों से आंसू की बूंदे पृथ्वी पर गिरी और में वे पवित्र रुद्राक्ष के पेड़ों के रूप में उभरी। वास्तव में रुद्राक्ष भगवान शिव की हम सबको भेंट है।

रूद्राक्ष धारण करने के कई मानसिक, शारीरिक और मानवीय लाभ हैं। ये न सिर्फ हमें अपने शारीरिक और मानसिक संतुलन को बनाए रखने में सहायता करते हैं बल्कि योग साधना व मानसिक शांति को बढ़ाने में, अंतर्मन को साफ करने, शरीर के सात चक्रों की सफाई में और नकरात्मक ऊर्जा से बचने में सहायता करते हैं। बच्चे, व्यस्क, वृद्ध, स्त्री, पुरुष सभी रुद्राक्ष का प्रयोग कर सकते हैं। पंचमुखी, द्विमुखी, शनमुखी, गौरीशंकर आदि। रूद्राक्ष का प्रयोग सदैव, यथा सोते/ जागते/ कार्यरत रहते, किया जा सकता है।

इसे सिर्फ ज्यादा साबुन से बचाना चाहिए। इसे धातु के संपर्क से भी बचाना चाहिए। रूद्राक्ष धारण कर मदिरा या मांस के सेवन से बचना चाहिए।

नकल विधेयक एक काला कानून है जिसे सरकार अपने विरुद्ध उठने वाली हर आवाज को दबाएगी। छात्रों के विरोध को इस कानून के आड़ में कुचला जाएगा और निर्दोष विद्यार्थियों का जीवन बर्बाद किया जाएगा। मुख्यमंत्री जी की यही मंशा है।

– बाबूलाल मंराडी भाजपा

रोचक ट्वीट

मेरी माटी, मेरा देश ? आइए हम सब हमारे अमर बलिदानियों को याद करते हुए इस अमृत कलश यात्रा में सहभागी होकर उन्हें नमन करें।

–अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर लीक होना, युवाओं की अथाह मेहनत और उनके सपनों को ध्वस्त करने जैसा होता है। अब यह सब बंद होगा, पेपर लीक करने वाले गिरोह हो जाए सावधान।

–हेमंत सोरेन, सीएम

आधुनिक समाज में बढ़ती पाशविकता चिंताजनक।

सुधांशु कुमार

यह गर्व मानव समाज को अपनी पाशविक प्रवृतियों पर मिली विजय का गर्व है। यह गर्व भावहीन मनुष्य के भावयुक्त बनने का है। यह गर्व पशुवत जीवन से मानवीय मूल्यों को स्थापित करने का है। हिंसक और बर्बरता के स्थान पर प्रेम और निर्माण का गर्व है। मानव केवल एक शारारिक रचना मात्र ही नहीं है, यह मानवीय मूल्यों और भावों का समावेश है। विचारों का समुच्चय है। इसी मानवीय विचार ने समाज को पाषाणयुगीन असभ्य, विचारहीन अवस्था से सभ्य और विचारयुक्त अवस्था तक पहुचाया है। इसी विचार ने मानवीय जीवन की उत्कृष्टता की इबारत लिखी है। इसलिए आधुनिक समाज मे मानवीय मूल्यों का महत्वपूर्ण स्थान है। ऐसे कौनसे कारण हैं जो मनुष्यों को पुनः पाशविकता की और ले जा रहे है। वह कौनसे कारण है कि मनुष्यो में पाशविकता की प्रवृतियां बढ रही है। मानवता का अवमूल्यन हो रहा है। आधुनिक समाज में ऐसे अनेकों उदाहरण आए दिन घटित हो रहे है, जो मनुष्यों में व्याप्त पाशविक प्रवृतियों के बढ़ने के संकेत देते है। भारत जैसे देश मे जहां पशु-पक्षी पेड़-पौधों को भी आदर भाव से देखा जाता है। विगत बरसों में घटित घटनाक्रम व्यथित करने वाले है। इन घटनाकर्मो मे अधिकांश में धर्म, जाति, भाषा और श्रेत्रीयता की आड़ में हिंसक वारदातों को अंजाम दिया गया है। ताजा घटना भारत के मणिपुर राज्य की है। इस राज्य से हिंसा के जो चित्र सामने आ रहे है, उसे देखकर लगा कि

सामयिक

आधुनिकता की खाल में छुपा मनुष्य मौका मिलते ही अपनी पाशविक प्रवृतियों का नंगा नाच करने से नहीं चूकता है। मणिपुर में जारी जाति और धार्मिक हिंसा ने मानवीयता की गरिमा को तार-तार कर दिया। यहां सामूहिक रूप से पाशविक हुए समुदाय ने दो महिलाओं को नग्न अवस्था में न सिर्फ घुमाया इनके गुप्तांगों से छेड़छाड़ करते हुए बलात्कार की घटना को भी अंजाम दिया। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने ऐसी अनेकों घटना होने की बात स्वीकार की है। जाति, धर्म की आड़ लेकर पाशविकता के इस प्रदर्शन ने मानवीय मूल्यों को भारी आघात पहुचाया है। मणिपुर से दिल दहला देने वाले वीडियो आ रहे है। गली-मोहल्लों की सड़को और नालियों में पढ़ी मनुष्यो की सड़ी-गली लाशें मणिपुर में पाशविकता के प्रदर्शन की ऐसी कहानी है, मणिपुर में अमानवीय और बर्बरता ने देश का सिर शर्म से झुका दिया है। इन घटनाकर्मो ने मानवीय मूल्यों को गहरी चोट पहुचाई है। यह मनुष्यों द्वारा की जा रही बर्बरता का काला अध्याय है। इसी बर्बरता और पाशविकता को छोड़कर मनुष्य मानवीय मूल्यों के स्थापना की कोशिशों में लगा था। वें सभी कोशिशें धाराशाही हो गई। हम भारत के लोग अफगानिस्तान में पनप रही तालिबानी मानसिकता के विरोध में अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहें थै, तब यहीं बताने की कोशिश कर रहे थै की हम अधिक आधुनिक और प्रजातांत्रिक है। जिस शासन में मानव की गरिमा और उसके सम्मान की रक्षा की जाती है। हमारे भारत में अनेकता में एकता है। अलग-अलग जाति, धर्म, वर्ण, भाषा के लोग एक साथ मिलजुल कर रहते है।

दुनियाँ को मानवीय मूल्यों की शिक्षा देने वाले देश के एक प्रान्त में यह तालिबानी मानसिकता से भी क्रूर विचार ने कैसे और क्यों जन्म ले लिया। यह सोचने समझने का प्रश्न है। मणिपुर ही नहीं देश में आए दिनों धर्म, जाति, वर्ण की आड़ में यह पाशविक प्रवृतियां अपना हिंसक, बर्बर और अमानवीय चेहरा प्रदर्शित करते रहती है। एक पाशविक चेहरा राजस्थान से जून 2022 में वीडियो के रूप में वायरल हुआ था। जब धर्म के अंधे दो अपराधियों ने उदयपुर शहर में एक टेलर की गर्दन को धड़ से अलग कर दिया था।

कॉर्टून वर्ल्ड

लेटर टू एडिटर

खतरा भी बढ़ा

मेटावर्स एक परस्पर जुड़ी वर्चुअल दुनिया का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें लोग वास्तविक नहीं बल्कि वर्चुअल रूप से मौजूद रहते हैं। यह वास्तविक और डिजिटल सच्चाइयों के बीच की सीमाओं को धुंधला कर देता है। यह व्यवसायों, सामाजिक संस्कृति और बातचीत और मनोरंजन के लिए बड़ी संभावनाएं प्रदान करता है। साईड इफेक्ट पर भी ध्यान देना होगा। – **रविशंकर सिंह हजारीबाग**

वन का विनाश

विकास के नाम पर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है और वनों को उजाड़ा जा रहा है, उससे पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है। पिछले साल भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने दावा किया था कि अगर जंगलों को बचाने की पहल तेज नहीं हुई तो 2025 तक देश के अन्य हिस्सों के साथ-साथ पूर्वोत्तर के छह राज्यों में वन प्रदेश कम हो जायेंगे वन कटना बंद हो जायेगा। **-सीमा रांची**

वंदे भारत पर करम साधारण ट्रेन पर सितम

निर्मल रानी

बहुप्रचारित सेमी तीव्र गामी ट्रेन वंदे भारत लगता है रेल मंत्रालय के लिये सफेद हाथी जैसा साबित हो रहा है। अब तक चलने वाली लगभग सभी क्षेत्रों की सभी वंदे भारत ट्रेन्स को स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झंडी दिखाकर रवाना कर इस ट्रेन के बारे में मीडिया व मंहगे विज्ञापनों के माध्यम से कुछ ऐसा ढिंढोरा पीटा था गोया तीव्रगामी बुलेट ट्रेन ने ही 'वंदे भारत' के रूप में अवतार ले लिया है। शुरूआत से ही 'वंदे भारत' को लेकर अनेक नकारात्मक खबरें आती रही हैं। इसके बाद रेलवे बोर्ड ने वंदे भारत एक्सप्रेस के पूरे रूट में कंटीले तार लगाने का निर्देश दिया था ताकि जानवर रेलवे ट्रैक पर नहीं आ पाए। इसके परिचालन के उद्घाटन में प्रधानमंत्री का सीधा दखल,इसके उद्घाटनों पर होने वाली बेतहाशा पब्लिसिटी और स्टेशंस की सजावट पर लुटाया जाने वाला जनता का टैक्स का पैसा देखकर ही जब भी यह ट्रेन दुर्घटनाओं या अन्य किसी फाल्ट के चलते खबरों की सुर्खियां बनती है तो उस समय सोशल मीडिया पर वंदे भारत ट्रेन की खूब फजीहत होती है।

बहरहाल इतनी ढोल पीटकर चलाई जाने वाली यही वन्दे भारत अपने शुरूआती दौर से ही रेल के लिए एक सफेद हाथी साबित हो रही है। इसका अत्याधिक किराया होने व अन्य सुपर फास्ट ट्रेन्स की तुलना में गंतव्य तक पहुँचने के

समस्या

अंतराल में कोई विशेष फर्क न होने के चलते आम यात्री इसपर यात्रा करना पसंद नहीं कर रहे हैं। विभिन्न क्षेत्रों में चलने वाली वंदेभारत रेल गाड़ियों में 50 प्रतिशत से लेकर 21 प्रतिशत तक ही सवारियां मिल पा रही हैं जिससे रेल विभाग को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसीलिए यात्रियों को इन ट्रेन्स में यात्रा हेतु आकर्षित करने के लिये रेल मंत्रालय ने वंदे भारत समेत अन्य कई महत्वपूर्ण रेलगाड़ियों का किराया घटाने का फैसला किया है। प्राप्त सूचनाओं के अनुसार रेलवे बोर्ड वन्दे भारत सहित अनेक ट्रेन्स के अउ चेयर कार और एक्जीक्युटिव क्लास के किराए में 25% तक की कटौती करने की योजना बना रहा है। लेकिन अतिरिक्त शुल्क जैसे रिजर्वेशन चार्ज, सुपर फास्ट सरचार्ज, जीएसटी अलग से लगाया जाएगा। हालांकि यह सुविधा केवल उन ट्रेन्स में ही दी जायेंगी, जिन में पिछले 30 दिनों के दौरान केवल 50% सीटें ही भर पाई थीं। रेल मंत्रालय के अनुसार पहले से बुक टिकटों पर यात्रियों को किराए का कोई रिफंड नहीं मिलेगा। इसके अलावा हॉलीडे और फेस्टिवल स्पेशल जैसी ट्रेनों में यह योजना लागू होगी। गोया एक तरफ तो सरकार विशिष्ट ट्रेन्स में यात्रियों को चलने के लिये उनकी 'चिरौरी ' कर रही है उन्हें लुभाने के लिये 25 प्रतिशत तक किराया कम कर रही है तो दूसरी तरफ यही जनविरोधी सरकार कोरोना काल में पैसेंजर ट्रेन का नाम एक्सप्रेस कर देने के बहाने टिकटों में जो तीन गुना बढ़ोतरी की गयी थी उसे भी नहीं घटा रही। उदाहरण के तौर पर अंबाला शहर से अंबाला छावनी का पैसेंजर ट्रेन का किराया जो मात्र दस रुपए होता था था वह कोरोना के समय से ही तीस रुपए वसूला जा रहा है। क्या सरकार को उन साधारण यात्रियों की जेब की फिक्र नहीं जो अपनी रोजी रोटी के लिये रोजाना इन गाड़ियों से सफर करते हैं ? इसी तरह कोरोना काल में ही वरिष्ठ नागरिकों को रेल यात्रा में मिलने वाली छूट इसी निर्दयी सरकार ने समाप्त कर दी थी।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

जड़ी- बूटी दिवस पर किया गया पौधारोपण

रामगढ़। पौधरोपण को लक्ष्य बनाकर एवं वर्षा ऋतु को देखते हुए सीए अजीत जयसवाल की टीम ने पौधारोपण का कार्यक्रम शुरू किया है। इस दौरान उन्होंने कहा की रामगढ़ जिला पूरी तरह से प्रदूषित हो चुका है। कहा की इस समस्या को दूर करने के लिए पौधारोपण जरूरी है। कहा कि इसी को लेकर सिद्धू कान्हू मैदान जिला मैदान में में 4 अगस्त पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में ठाकुर प्रसाद, डॉ रणधीर कुमार, रामचरित्र वर्मा, दिवाकर प्रसाद, शंकर साव, अनिल कुशवाहा, अर्जुन राणा, रविंद्र साहू, प्रदीप कुशवाहा, रेखा देवी दीक्षा देवी, शोभा देवी आदि शामिल हुए।

मानदेय को लेकर टाटीझरिया में कृषक मित्र की बैठक संपन्न

टाटीझरिया। प्रखंड क्षेत्र के बाबा बालक नाथ मंदिर परिसर में टाटीझरिया कृषक मित्र की बैठक प्रखंड अध्यक्ष प्रबिल प्रसाद की अध्यक्षता में की गई। जिसमे कृषक मित्र को मानदेय नही मिलने से नाराज कृषक मित्र ने बैठक कर चल रहे विधान सभा मानसून सत्र में और मुख्यमंत्री को आवेदन के माध्यम से कृषक मित्र की मानदेय राशि की मांग गई है। बैठक के दौरान जीवाधन प्रसाद,सुरेश प्रसाद कुशवाहा, सुरेंद्र प्रसाद, भोला ठाकुर ,महादेव गोप,लालमोहन महतो सीताराम प्रजापति, कोलेश्वर यादव सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पेड़-पौधे वायु के पोषक तंत्र के संरक्षक होते हैं: चंद्रशेखर चौधरी

रजरप्पा। रजरप्पा कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में कन्या भारती तथा किशोर भारती द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में विद्यालय के भैया- बहनों द्वारा सुसज्जित गमलों में पुष्पीय एवं औषधीय पौधे लगाए गए। इस अवसर पर विद्यालय समिति के उपाध्यक्ष चंद्रशेखर चौधरी ने पेड़-पौधों वायु के पोषक तथा पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षक बताते हुए बच्चों को अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने का संदेश दिया। प्राचार्य उमेश प्रसाद ने बच्चों से अपने-अपने घरों एवं आस-पास भी पौधे लगाने तथा समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरित करने का सुझाव दिया। कन्या भारती में कक्षा नवम से द्वादश तक के भैया-बहनों ने हिस्सा लिया। जिसमें कन्या भारती की बहन मानशी, सौम्या, नैना, तन्नू, करिश्मा, अवंतिका, आदित्य, अभय, अमन, अमित अनिकेत हर्ष आदि की प्रमुख भूमिका रही।

कॉलेज परिसर को साफ-सूथरा रखना हमसबों का दायित्व : प्रो.एनके तिवारी

भुरकुंडा (रामगढ़)। रिभर साईड भुरकुंडा स्थित जुबिली कॉलेज राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक के तत्वावधान में शुक्रवार को स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान कॉलेज परिसर में घास-फुस व कूडा-करकट की साफ-सफाई की गई। इसका नेतृत्व कर रहे कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ.विशेश्वर रविदास ने कहा कि जीवन में साफ-सफाई का ध्यान देते हुए समाज को गंद्गी से बचाया जा सकता है। कॉलेज के प्राचार्य प्रो. एनके तिवारी ने कहा कि कॉलेज परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों को कुडा-कचरा व प्लास्टिक मुक्त बनाना स्वयंसेवकों का दायित्व है। उन्होंने स्वयंसेवको को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम होते रहेंगे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बी रविदास ने किया। स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में अदिति मिश्रा, पूजा, पिंकी, अराधना, जयंती, संजना, मारिया, रोहित सोरेन, दीपू, आनंद, संजय चक्रवती का विशेष योगदान रहा।

पंचायत की सड़कों के किनारे सोलर आधारित लाइट का जल्द होगा अधिष्ठापन : सत्यंवती देवी

भुरकुंडा। बुध बाजार दोतल्ला पंचायत की मुखिया सत्यवंती देवी द्वारा 15वें वित्त आयोग के मद से आजाद नगर मोहल्ला में हनुमान मंदिर के सामने एवं रीजनल कलोनी में विधिवत पूजा अर्चना कर मास्क लाइट का उद्‌घाटन किया। मौके पर मुखिया सत्यवंती देवी ने बताया कि ग्राम पंचायत को मडल पंचायत बनाने हेतु यह एक सकारात्मक पहल है। उन्होंने कहा कि आगे भी ग्राम पंचायत के सभी चौक-चौराहों एवं सार्वजनिक स्थलों पर मास्क लाइट का अधिष्ठापन किया जाएगा। जिससे रात्रि में यहां के ग्रामीणों को किसी प्रकार का प्रकाश के अभाव में में दिक्कत ना हो। मुखिया ने कहा कि ग्राम पंचायत के सभी सड़कों के किनारे सोलर आधारित लाइट का भी अधिष्ठापन जल्द ही 15वें वित्त की राशि मिलने के साथ कर दिया जायेगा। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि सह झामुमो के वरिष्ठ नेता लव कुमार महतो, रंजू सिंह, किरण सिंह, बिरसा उरांव, भीम सिंह, विश्वनाथ गोराई, मंजू देवी सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थें।

आदर्श क्षेत्रीय सीसीएल अस्पताल भुरकुंडा में लगा नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

भुरकुंडा। आदर्श क्षेत्रीय सीसीएल अस्पताल भुरकुंडा में शुक्रवार को सीसीएल गांधीनगर अस्पताल रांची सौजन्य से नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। शिविर में गांधीनगर अस्पताल के ड.उत्पल चक्रवाती, ड.शंकर प्रसाद, ड. केपी निराला, ड.अंकुर कुमार, सैफ अली आदि चिकित्सकों के सहायकों द्वारा 103 लोगों की नेत्र जांच की गई। जिसमें कई लोगों के आखों में इन्फेक्शन और कई मोतियाबिंद के मरीज पाए गए। मौके पर बरका-सयाल चिकित्सा पदाधिकारी ड.नदीम अनवर व अन्य चिकित्सकों ने मरीजों को उचित परामर्श देते हुए कहा कि आंख शरीर का अनमोल रत्न है, इसकी देखभोल बहुत जरूरी है। डॉ. नदीम अनवर ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शरीर में हल्की-फुल्की भी तकलीफ हो तो चिकित्सकों से मिलें। शिविर में पाये गये मरीजों के बीच नि:शुल्क दवा का भी वितरण किया गया। मौके पर बरका-सयाल के चिकित्सा पदाधिकारी ड.नदीम अनवर, ड.सुनील कुमार, ड.मसरूर आफताब, ड.राजेश कुमार मौजूद थें। शिविर को सफल बनाने में फारूक रजा, जितेंद्र, दिवाकर पटेल, कनहैया यादव, भौमिक आदि का विशेष योगदान रहा।

पतरातू में आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम, राज्य सरकार पर किया हमला

आजसू को वोट देकर जनता अंबा प्रसाद को देगी जवाब : रोशन लाल चौधरी

खबर मन्त्र संवाददाता

सभा को संबोधित करते रोशन लाल चौधरी व अन्य

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ता गण

पतरातू। आजसू पार्टी ने राज्य सरकार के वादाखिलाफी को लेकर शुक्रवार को पतरातू प्रखंड मुख्यालय में हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान आजसू कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके पूर्व पतरातू वीणा टॉकीज के समीप हजारों कार्यकर्ता एकत्रित हुए और वहां से जुलूस की शक्ल में नारेबाजी करते हुए प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद प्रखंड अध्यक्ष गंगाधर महतो की अध्यक्षता और विश्वरंजन सिन्हा के संचालन में एक सभा का आयोजन हुआ। सभा को संबोधित करते हुए पार्टी के केंद्रीय महासचिव रोशन लाल चौधरी ने कहा कि हेमंत सरकार ने चुनाव के दौरान जितने भी वादा किए थे। अफसोस आज तक एक भी वादा पूरा नहीं कर सकी। आजसू पार्टी लगातार जन मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रही है। कहा कि स्थानीय विधायक वसूली वाली विधायक बन गई है। आने वाले चुनाव में जनता आजसू को वोट देकर विधायक अंबा प्रसाद को सबक सिखाएगी। जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी ने कहा कि क्षेत्र की जनता जान चुकी है कि आजसू पार्टी ही बड़कागांव विधानसभा का विकास कर सकती है। सभा को केंद्रीय सचिव विजय साहू, गुड्डू यादव, जिला परिषद अध्यक्ष सुधा चौधरी, उपाध्याय रीता देवी, जिप सदस्य धनेश्वर महतो, भोला तुरी, तपेश्वर महतो आदि ने भी संबोधित किया। सभा समाप्ति के बाद राज्यपाल को संबोधित 25 सूत्री मांग पत्र पतरातू बीडीओ को सौंपा गया। मौके पर कौलेश्वर गंझू, विकास राणा, हरि रत्नम साहू, चंदन कुमार, विक्रांत, अशोक, कौलेश्वर, मनोज, लालू यादव, राजेश पटेल, रघुवीर महतो आदि उपस्थित थे।

ब्राउन शुगर बनाने वाला पूरक पदार्थ बरामद, दो गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

घटना की जानकारी देती पुलिस

हजारीबाग। पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि राँची की ओर से बिहार जाने वाली एक बस से कोई व्यक्ति मादक पदार्थ की एक बड़ी खेप का डील करने के लिए कोर्स थाना क्षेत्र अंतर्गत नगवां टोल के समीप आ रहा है। उक्त सूचना के आलोक में पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर, हजारीबाग के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन कर व्यक्ति को पकड़ा। उक्त व्यक्ति के पास से दो बड़े बैग बरामद हुई। उसने अपना नाम रामदुलार कुमार बताया। दोनो बैग में से नशीली मादक पदार्थ अफीम एवं ब्राउन शुगर बनाने वाली अन्य पुरक पदार्थ तथा 45,500 रुपया बरामद हुई। इस संबंध में उक्त व्यक्ति से पुछे जाने पर बताया गया कि वह खुंटी के रमता नामक जगह से एवं ब्राउन बनाने वाली पुरक पदार्थ खरीदकर ला रहा है और उक्त अफीम से ब्राउन शुगर बनाकर इसे दिल्ली ले जाकर काफी ऊंचे दाम में बेचने की योजना है। उक्त व्यक्ति के द्वारा बताया गया कि वह अपने घर से कुछ दूरी पर चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत चोरदहा पीकेट के समीप जंगल में ब्राउन शुगर बनाने का मशीन भी रखा है। तत्पश्चात छापेमारी दल के द्वारा अभियुक्त के निशानदेही पर ब्राउन शुगर बनाने वाले मशीन एवं इल्क्ट्रोनिक तराजू भी जप्त करते हुए इस धंधे में संलिप्त एक अन्य व्यक्ति उमेश केशरी को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त व्यक्ति के द्वारा खुंटी से एक लाख (1,00,000) रुपये प्रति कि०ग्रा० अफीम की खरीदारी कर लाया जा रहा था जिसकी अंतर्राष्ट्रीय कीमत करीब पाँच लाख (5,00,000) रुपये प्रति कि०ग्रा० आंकी गई है। दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर विभिन्न धराओं दर्ज कर गिरफ्तार दोनों व्यक्तियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है तथा उक्त अभियुक्तो की अपराधिक इतिहास के साथ - साथ दिल्ली के लिंक को भी खंगाला जा रहा है।

झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठन का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला

मिलने पंहुचा प्रतिनिधिमंडल

हजारीबाग। झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठन, हजारीबाग का एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष विनोद भगत की अध्यक्षता में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को रांची विधानसभा मे मुलाकात किया और प्राइवेट स्कूलों से संबंधित समस्याओं से अवगत करवाया। बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद का इसमें बहुत बड़ा सहयोग रहा। अंबा प्रसाद ने मुख्यमंत्री को बताया कि हजारीबाग में इन लोगों का बहुत बड़ा संगठन है। जिससे लगभग 1700 स्कूल है और इन स्कूलों मे लगभग 5 से 6 लाख बच्चे पढ़ रहे हैं। इन स्कूलों में 22 से 23000 शिक्षक-शिक्षिकाएं रोजगार पा रहे हैं। सरकार की एक गलत कदम से ये सभी लोग प्रभावित हो जायेंगे। अध्यक्ष बिनोद भगत ने मांग किया की आरटीई 2019 को नीरस्त किया जाए। साथ ही साथ सरकार सदन में कोई ऐसा कानून पारित न करें जिससे कि झारखंड के लगभग 45,000 प्रायवेट स्कूलों पर प्रभाव पड़े। प्रतिनिधि मंडल में सचिव प्रभु दयाल कुशवाहा, उपाध्यक्ष मक्सीर आलम, सह सचिव आमिर अल्ताफ हुसैन, कोषाध्यक्ष सोहेल अहमद नूर और बालेश्वर साव शामिल थें।

एनटीपीसी सामुदायिक विकास के तहत फ्रिज व पंखे का वितरण

बड़कागांव। एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोल माइन्स द्वारा सामुदायिक विकास के तहत ढेंगा स्थित आरएनआर कॉलोनी में 25 पुनर्वास परिवारों के बीच फ्रिज, पंखा, गैस चूल्हा एवं चाय सेट का वितरण किया गया। इसके लिए पुनर्वास कॉलोनी के प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में वरीय प्रबंधक कमला राम रजक के संचालन में वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आरएनआर के महाप्रबंधक पंकज ध्यानी ने कहा कि एनटीपीसी कोई निजी कंपनी नहीं है। यह भारत सरकार का उपक्रम है। इसलिए भारत सरकार के अधीन जो भी विस्थापितों के लिए लाभ सुनिश्चित किया गया है उसके अतिरिक्त सामुदायिक विकास के तहत एनटीपीसी विस्थापितों को अधिक से अधिक लाभ देने का काम करती है। इसी कार्यक्रम में पुनर्वास परिवारों को 1-1 सेट फ्रीज, गैस चूल्हा, चाय सेट एवं 2-2 सेट पंखा का वितरण किया गया। मौके पर महाप्रबंधक इंफ्रा नवीन कुमार गुप्ता, उप महाप्रबंधक अजीत कुमार, संजीत कुमार सेनापति व अन्य शामिल थें।

जिंदल स्टील एंड पावर प्लांट में एचआईवी जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

कार्यक्रम में मौजूद लोग

भुरकुंडा (रामगढ़)। झारखंड राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा शुक्रवार को जिंदल स्टील एंड पावर प्लांट में एचआईवी/एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद ठेका मजदूर एवं अन्य कामगारों को समिति के संयुक्त निदेशक आईईसी रवि प्रकाश द्वारा एचआईवी के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही झारखंड राज्य में नेशनल एड्स नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत समिति द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रम एवं सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। मौके पर प्लांट महाप्रबंधक एवं प्रभारी प्लांट इंचार्ज संतोष कुमार कहा कि एचआईवी की बीमारी को जागरूकता एवं जानकारी के माध्यम से ही रोक जा सकता हैं। इस बीमारी के प्रति सभी कामगारों को सचेत रहने की आवश्यकता है। उन्होंने एचआईवी से संक्रमित व्यक्तियों के साथ सहयोग करने एवं उनसे किसी प्रकार के भेदभाव नहीं करने का भी आग्रह किया। मौके पर जिंदल स्टील एवं पावर प्लांट पतरातु के एजीएम नीरज कुमार, रवि, प्रबंधक समीर हिमाद्री, प्रियस सहित प्लांट के दर्जनों कामगार मौजूद थें।

सावन में सूखे ने बढ़ा दी है किसानों की चिंता

धान के बिचड़े पर खतरा, अधिकांश तलाब है सूखें

शमशाद अंसारी

नहीं डाली गयी है मछली की बीजा

केरेडारी प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत कई तलाब अब तक सूखे पड़े हैं जिसके कारण सूखे पड़े तालाबों में अब तक मछली का वीजा नहीं डाला गया है। वहीं कई तालाबों में मछली का वीजा डाला तो गया है पर वर्षा कम होने के कारण ऐसे तालाबों को भी मछली की पैदावार कम हो सकता है जिससे मछली पालन करने वालों को नुकसान का सामना उठाना पड़ेगा।

केरेडारी। केरेडारी प्रखंड अंतर्गत सावन के महीने में पर्याप्त वर्षा नहीं होने के कारण सूखे ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीर खींच दिया है। लगभग 1 सप्ताह तक जमकर बारिश नहीं हुई तो खरीफ फसल संकट में पड़ जाएगा। यही हाल मत्स्य पालन और बागवानी क्षेत्र में भी है मानसून आगमन के अब तक जितनी बारिश हुई उसे प्यासी धरती सोख लिया। अब खेत सूखे पड़े हैं। प्रखंड के आसपास क्षेत्रों में खरीफ फसल की खेती के लिए अलग-अलग प्रकार की भूमि है। यहां समतल इलाकों में सामर्थवान किसान पटवन कर विचारों को तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। किसान प्रवीण महतो ने बताया कि धान का बीज बोया है अब उन्हें लगातार पिछड़ों में पानी नहीं पड़ रहा है। इसमें उन्हें 1000 से पंद्रह 1500 का अतिरिक्त खर्च आ रहा है। समतल इलाकों के करीब किसान या जहां पटवन की सुविधा नहीं है उनके बिछड़े पीले पड़ गए हैं। अगर 1 सप्ताह के अंदर बारिश नहीं हुई तो बिछड़े सूखने के कगार पर पहुंच गए हैं। इसलिए किसानों ने इसलिए किसानों ने क्षेत्र को राज्य सरकार से सुखाड़ घोषित करने की मांग की है।

इंटर महिला महाविद्यालय में किया गया पौधरोपण

कुजू। पर्यावरण को संरक्षण देने के उद्देश्य से इंटर महिला महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ शशिबाला के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया। इस दौरान महाविद्यालय परिसर में दर्जनों छायादार व फलदार पौधे लगाए गए। मौके पर डॉ शशिबाला ने पौधारोपण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा में एक उत्तम कदम है। उन्होंने कहा कि इंटर कला व विज्ञान में नामांकन जारी है। साथ ही छात्रवृत्ति एवं अल्पसंख्यक का लाभ यहां पढ़ने वाले छात्राओं को दिलाया जा रहा है। मौके पर डॉ अवधेश कुमार गुप्ता, प्रो वीरेंद्र कुमार, प्रो जयनाथ प्रसाद गुप्ता, प्रो अर्चना, प्रो बबिता श्रीवास्तव, प्रो देवन्ति, नरेश पटेल, विजय ठाकुर समेत कई छात्राएं शामिल रहे।

गोनदलपुरा पंचायत कमेटी गठन को ले संथाल समाज की सेहदा में हुई बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

बैठक में उपस्थित ग्रामीण

उरीमारी(रामगढ़)। गोनदलपुरा पंचायत स्तरीय कमेटी गठन को लेकर शुक्रवार को संथाल समाज दिशोम मांझी परगना के कर्णपुरा परगना की बैठक सेहदा बस्ती में हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सूरज बेसरा व संचालन प्रखंड सह सचिव मोहन सोरेन ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से अध्यक्ष महादेव हांसदा, सचिव मनोज सोरेन, कोषाध्यक्ष सुखदेव हांसदा एवं जगदीश हांसदा को संगठन मंत्री चुना गया। बैठक में शादी-विवाह, छेका एवं मरनी-हिरनी में कपड़ा देना बन्द करने, समाज के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने, समजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने, 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस गिद्दी ए में धूमधाम से मनाने सहित अन्य मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। मौके पर सूरज बेसरा ने कहा संथाल समाज की रीति-रिवाज रूढ़ीवादी से चलता है। हमारा उच्च शिक्षा, जिला कल्याण विभाग से मांझी स्थल, सरना चाहरदिवारी, मांझी हाउस निर्माण करने की प्रक्रिया समाज द्वारा कार्य कराया जा रहा है। जिसमें पंचायत गोनदलपुरा को भी जोड़ा गया है। मौके पर केन्द्रीय सचिव सन्नी सोरेन, पोटंगा पंचायत अध्यक्ष बिनोद हेम्ब्रोम, बिरसा हेम्ब्रोम, राजेन्द्र सोरेन, उदन सोरेन, मन्नुलाल सोरेन, धनीराम सोरेन, रामदियाल मुर्मू, एतलाल बास्के, किशोर सोरेन, महादेव हांसदा, कार्तिक सोरेन, शिवनारायण सोरेन, राजेश बास्के, बासुदेव मुर्मू, सोहन सोरेन, मरकुस मरांडी, प्रेमचन्द हांसदा व अन्य शामिल थें।

खबर एक नजर में

जलसहिया संघ का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला

बड़कागांव। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यों को ग्राम स्तर पर सम्पादित करने वाली हजारीबाग जिले के जलसहिया ने विद्यायक अंबा प्रसाद के नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से व पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के माननीय मंत्री मिथिलेश ठाकुर से मुलाकात किया । प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से अपनी बात रखते हुए कही की विगत 10-12 वर्षो से लगातार प्रत्येक कार्यो को करते आ रहे है, जिसमें कई प्रकार की समस्याओं एवं चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं एवं चुनौतियों को मद्देनजर जल सहिया संघ द्वारा दस सूत्री मांगो को लेकर मुख्यमंत्री झारखण्ड सरकार से अपनी बात को रखी ।विद्यायक अंबा प्रसाद ने कहा कि जलसहिया लोगो की मांग को पूरा करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री एवं विभागीय मंत्री मिथिलेश ठाकुर जी से मुलाकात की है। इस मामले में सरकार के द्वारा सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया गया है। मौके पर मुख्य रूप से रेखा देवी, शुभम-सिंह,बिमला देवी, निलम देवी, सरीता देवी मौजूद थे।

झारखण्ड के विस्थापितों को नहीं मिल रहा है न्याय : मांडू विधायक

विष्णुगढ़। मांडू विधायक जय प्रकाश भाई पटेल ने सदन मे विस्थापन आयोग के गठन की आवश्यकता को रखा। कहा की झारखण्ड मे लाखों लोग ऐसे है जो किसी न किसी कारण से विस्थापित हुवें ह। जिनको आज तक अपने मौलिम अधिकार तक नहीं मिला है विस्थापित लोगो को दर दर भटकना पड़ रहा है। हजारों विस्थापित परिवार अपने हक और अधिकार के लिए आज भी लड़ाई लड़ रहें है लेकिन हक और अधिकार के लिए आज भी मोहताज हैं कहा की मामले पर जिला स्तर के अधिकारी कभी इसकी सुध लेने नहीं जाते है। पटेल ने सदन मे ध्यान आकृष्ट कराया की अगर राज्य मे विस्थापन आयोग का गठन होता है तो विस्थापित को दर दर भटकना नहीं पड़ेगा, आयोग इस सम्बन्ध मे खुद कार्य के प्रति गंभीर होगी और समस्या का निष्पाद तेज गति से होने का बात कही।

सुप्रीम कोर्ट से राहुल गांधी को मिली राहत से कांग्रेसियों में खुशी की लहर

बरही। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश में मोदी सरनेम टिप्पणी पर आपराधिक मानहानी मामले में राहुल गांधी की सजा पर रोक लगा दी है। इस आदेश के बाद से कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं ने बरही चौक पर मिठाई बांटी और पटाखे फोड़कर हर्ष जताया। पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकताओं ने इसे लोकतंत्र की जीत बताया है। पार्टी इसे नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत बता रही है। कांग्रेसियों ने कहा कि आज का दिन खुशी का दिन है। आज साबित हुआ है कि राहुल गांधी पर साजिश नाकामयाब हुआ है। मौके पर कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष डॉ निजामुद्दीन अंसारी, प्रखण्ड अध्यक्ष अब्दुल मनान वारसी, विधायक प्रतिनिधि छद्दू गोप, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, पंसस सह अल्पसंख्यक विभाग विधायक प्रतिनिधि मो तैयब, सेवादल अध्यक्ष उदय केशरी, बिरेंद्र यादव, बिरेंद्र सिंह, मो तौकीर रजा, विधायक प्रतिनिधि रिजवान अली, गुलजार अंसारी, मिथिलेश उपाध्याय, मनोज रविदास, बासुदेव यादव, मोहम्मद बख्तियार, मोहम्मद अजीज, भगवान सिंह, लखन साह, अर्जुन केसरी सहित अन्य कांग्रेसी मौजूद थे।

मूल प्रमाण पत्र की जांच करवाकर 07 से 10 अगस्त तक करवा सकते है नामांकन : डॉ विमल किशोर

बरही। बरही में संचालित रामनारायण यादव मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य डॉ विमल किशोर ने सूचना जारी कर बताया कि स्नातक कला, वाणिज्य सत्र 2023 से सत्र 2027 सेमेस्टर वन में नामांकन हेतु 4 अगस्त 2023 से 6 अगस्त 2023 तक मूल प्रमाण पत्र कॉलेज कार्यालय में जांच करवा कर दिनांक 7 अगस्त से 10 अगस्त 2023 तक नामांकन सुनिश्चित करने का सूचना जारी किया है। उन्होंने बताया कि इस अवधि के बाद विश्वविद्यालय द्वारा मेरिट सूची को रद्द कर दी जाएगी।

ब्राह्मण समाज दारू के अध्यक्ष बने घनश्याम प्रदीप बने सचिव

दारू। दारू प्रखंड के जबरा पांडे टोला में ब्राह्मण समाज के उत्थान व सम्मान बढ़ाने के लिए एक अति आवश्यक बैठक गुरुवार की रात्रि को सत्यनारायण शर्मा की अध्यक्षता में उनकी आवास पर हुई। इस बैठक में ब्राह्मण समाज के उत्थान और सम्मान बढ़ाने व एकजुटता को लेकर गंभीर चर्चा की गई जिसके बाद आम सहमति से ब्राह्मण समाज संघ का गठन किया गया। इस संघ में सर्वसम्मति से अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, सचिव प्रदीप कुमार पांडे, उपाध्यक्ष श्रीधर शर्मा, नरेश पांडे, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, हरिनारायण शर्मा, संरक्षण श्रीनिवास शर्मा, मार्गदर्शक मंडली में सतनारायण शर्मा, अनुग्रह नारायण शर्मा, मिथिलेश कुमार पांडे, युगल किशोर शर्मा (किशोरी) को बनाया गया। इस बैठक में मौजूद ब्राह्मण समाज के लोगों ने एक स्वर में ब्राह्मण समाज की एकता और उत्थान को लेकर चर्चा किया गया, साथ ही जिस संघ का गठन हुआ है इसकी जानकारी झारखंड केकि कान्यकुब्ज ब्राह्मण संघ को भी दिए जाने का निर्णय लिया गया। ब्राह्मण संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने बताया कि उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेवारी मिली है यह उनके लिए गर्व की बात है वे समाज के लोगों को एक साथ लेकर चलने का प्रयास करेंगे और समाज के उत्थान और सम्मान के लिए जो भी काम करना होगा उसके लिए वह काम करेंगे। सचिव प्रदीप शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज पांडे टोला की मजबूती के लिए वह सब मिलकर प्रयास करेंगे साथ ही जिला राज्य और देश के ब्राह्मण समाज से जुड़ने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर शेखर पांडे, प्रवेश पांडे, रोशन शर्मा सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

7-इलेवन नेटवर्किंग के जरिये झरपो में दर्जनों लोग हुए ठगी का शिकार

संदीप पाण्डेय

टाटीझरिया। कई बार लोग ज्यादा पैसा कमाने के बारे में सोचते हैं और इसके लिए कई तरह के तरीके भी आजमाते हैं। इसी बीच कई बार ऐसे ऑफर मिल जाते हैं जो मन में लालच जगा देते हैं। बस यही लालच लोगों को ले डूबता ह। भारत में बढ़ते साइबर घोटाले के मामलों को देखते हुए, लोगों को इस बात को लेकर बेहद सावधान रहना चाहिए कि वो ऑनलाइन आखिर बात किससे कर रहे हैं।पिछले कुछ समय में ऑनलाइन स्कैम बहुत ज्यादा बढ़ गए है। लोगों से पैसे ऐंठने के कई तरीके हैं जो स्कैमर्स अपनाते हैं। ऐसा ही एक तरीका 7-इलैवन स्कैम है।

ऐसे हुए ठगी का शिकार

बता दे की 7-इलेवन नाम का फ्रॉड कंपनी मोबाइल के माध्यम से ऐप्स में आया। लोग उसको इंस्टोल कर के चलाए तो मैसेज आया की आठ सौ रुपए उस एप्प में जमा कर के जुड़ने के बाद प्रत्येक दिन लगभग 24 रुपए करके आपका पैसा आएगा। और 15 सौ रुपए में 45 रुपए करके आएगा इसके बाद झरपो के कुछ लोग आठ सौ रुपए कुछ 15 सौ रुपए जमा किए। पैसा जमा करने के बाद दस दिन बाद पंद्रह सौ रुपए तक आया। इसका फायदा देख लोग लालच के चक्कर में झरपो के कई लोग इस 7-इलेवन ऐप के लिंक को इंस्टोल किए और उसमें रुपए डबल होने के लालच में उस एप्प में पैसे देने लगे। धीरे-धीरे इस एप्प में कई लोग जुड गए और पैसे लगाने लग। जिसमें झरपो से कई बुद्धिजीवी लोग भी शामिल थे।

लोग पंद्रह सौ रुपए से लेकर पांच हजार रुपए तक इस एप्प में सट्टे कि तरह लगा दिए। जिसमें कुछ लोगो का जितना दिया था. उससे अधिक पैसा कुछ लोगो का आया.। यही लालच में कोई पांच हजार तो कोई बीस हजार तक लगा दिए। तीन महीने बाद 10 अगस्त को लोगो को पता चला की हमलोग ठगी का शिकार हो रहे हैं।

देश में अब बदल रहा है उर्जा सुरक्षा को लेकर परिदृश्य

अनल कुमार
(डायरेक्टर, अर्थशास्त्री करियर प्लस रांची)

ऊर्जा सुरक्षा की बात करें तो या तो पुरानी चिंताओं में नई जटिलताएं आई हैं या फिर ऊर्जा क्षेत्र में आ रहे बदलाव से जुड़ी नई चिंताएं उभर रही हैं। विस्तार से जानकारी प्रदान कर रहे है देश की अर्थव्यवस्था का आकार 5 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाने की बात की जा रही है। ऐसे में ऊर्जा सुरक्षा एक बहुत बड़ी चिंता है। देश में ऊर्जा सुरक्षा का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। पहली बात, आपूर्ति की सुरक्षा ऊर्जा के स्थानांतरण, भूराजनीति आदि से प्रभावित होती है। भारत अपनी आवश्यकता के तेल का 84 फीसदी आयात करता है। सन 2022 तक तेल आयात पर निर्भरता घटाकर 67 फीसदी करने के लक्ष्य के बावजूद इसमें इजाफा हो रहा है। साल दर साल आपूर्ति बदलने से विश्वसनीयता पर असर होता है। सन 2015 के ईरान परमाणु समझौते के पहले भारत के प्रमुख कच्चे तेल आपूर्तिकर्ता थे सऊदी अरब, इराक, नाइजीरिया और वेनेजुएला। वर्ष 2016 से ईरान तीन शीर्ष आपूर्तिकताओं में शामिल हो गया था लेकिन अब वह एक बार फिर नीचे फिसल गया है। यदि अमेरिका और इराक के बीच का तनाव बढ़ता है तो तेल आपूर्ति के एक और बड़े स्रोत के लिए जोखिम उत्पन्न हो जाएगा।

इस बीच 2017 में पहली बार अमेरिकी कच्चा तेल भारत पहुंचा। वह पहले ही छठा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता बन चुका है। हालांकि चालू वर्ष में इराक के 25 फीसदी की तुलना में उसकी हिस्सेदारी केवल 5.7 फीसदी रही। खबरों के मुताबिक भारत रूस के सुदूर पूर्व क्षेत्र से कच्चे तेल का आयात बढ़ाने के लिए लंबी अवधि के अनुबंध पर काम कर रहा है। इसके बावजूद पश्चिम एशिया मध्यम अवधि में अहम बना रहेगा। नवंबर तक इस क्षेत्र ने भारत के तेल आयात में 55 फीसदी हिस्सेदारी की। दुनिया का सबसे बड़ा तेल आयातक चीन इस क्षेत्र पर महज 43 फीसदी निर्भरता रखता है। विविधता अपनाने के तमाम प्रयासों के बावजूद इस क्षेत्र की घटनाएं सरदर्द साबित होती हैं।

तेल कीमतें और उनका अनुमानित होना भी एक चुनौती है क्योंकि अतीत में तेल आयात बिल में काफी अनिश्चितता देखने को मिली है। इस अनिश्चितता के कारण जीवाश्म ईंधन सब्सिडी या कर राजस्व बजट का निर्धारण करना मुश्किल होता है। वित्त वर्ष 2015 में जीवाश्म ईंधन सब्सिडी बिल 16.8 अरब डॉलर और वित्त वर्ष 2018 में 9.4 अरब डॉलर था। ऐसे उतार-चढ़ाव औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करते हैं। खासतौर पर उस समय जबकि कच्चे माल की लागत में ऊर्जा की हिस्सेदारी अधिक हो। आयातित गैस कीमतें एक और पहलू शामिल करती हैं। गैस की अधिकता के कारण एशिया में हाजिर बाजार कीमतें 4 डॉलर प्रति मिलियन ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) हो गई हैं। भारत पूर्व अनुबंध के मुताबिक कतर से 85 लाख मिलियन टन गैस 9-10 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू की दर पर लेने को बाध्य है। ऐसे में सौदे की शर्तों पर नए सिरे से चर्चा की बात हो रही है। पेट्रोनेट अमेरिकी कंपनी में इक्विटी हिस्सेदारी ले सकती है, ऐसे में टेलूरियन को कम दरों पर 50 लाख टन गैस मिल सकती है। यह कीमत तय करेगी कि भारत की अर्थव्यवस्था किस हद तक गैस आधारित होगी।

ऊर्जा सुरक्षा के लिए सुरक्षित रास्ता तैयार करने में समुद्री सुरक्षा सहयोग की अहम भूमिका है। भविष्य में इसमें स्थिरता और सीमा पार बिजली ग्रिड की सुरक्षा भी शामिल हो सकती है, बशर्ते कि हम सीमा पार बिजली कारोबार शुरू करें। एक एशियाई सुपरग्रिड को लेकर भारी चर्चा चलती रही है। इसकी अपनी अलग तकनीकी और राजनीतिक चुनौतियां और निहितार्थ हैं। आपूर्ति बाधा कम करने के लिए भारत सामरिक तेल रिजर्व में निवेश करता रहा है। हालांकि सुरक्षित भंडारण की हमारी समझ व्यापक जमीनी बातों से अलग है। बैटरी तकनीक का उदय मौजूद विकल्पों को कई तरह से प्रभावित करेगा। आर्थिक तंत्र के विद्युतीकरण की गति इससे ही निर्धारित होगी। खासतौर पर लाखों सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रम जिनके लिए बिजली की खराब गुणवत्ता चिंता का प्रमुख विषय है। ऊर्जा भंडारण, बिजली के मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी को भी प्रभावित करेगा। हाल में सौर ऊर्जा और भंडारण की सफल बोली की दर ताप बिजली के साथ प्रतिस्पर्धी रही जो उत्साहवर्धक है। वैकल्पिक इलेक्ट्रोकेमिकल बैटरी केमिस्ट्री पर इस बात का असर होगा कि हम वितरित बिजली पर कितना भरोसा कर सकते हैं और ग्रिड आधारित व्यवस्था को कितनी मजबूती प्रदान कर सकते हैं। सामरिक तेल रिजर्व के अलावा भारत को चक्रीय अर्थव्यवस्था और उन अहम खनिजों के सामरिक रिजर्व के बारे में गंभीरता से विचार करना होगा जो विभिन्न ऊर्जा भंडारण कामों में इस्तेमाल किए जाते हैं।

ऊर्जा में बदलाव चौथी तरह के जोखिम सामने लाता है जिन्हें वित्तीय रूप से फंसी हुई परिसंपत्ति कहा जा सकता है। जलवायु परिवर्तन से लड? के प्रयास कंपनियों की बैलेंस शीट पर जीवाश्म ईंधन भंडार के मूल्य को लेकर संदेह उत्पन्न करते हैं। फाइनैंशियल टाइम्स के मुताबिक तापमान में दो डिग्री सेल्सियस का इजाफा होने की स्थिति में सरकारी तेल कंपनियों का करीब आधा भंडार बेकार हो जाएगा। कई तेल निर्यातक कंपनियों पर इसका बहुत बुरा असर होगा। उस स्थिति में 13 बड़ी अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनियों को 360 अरब डॉलर मूल्य का नुकसान होगा।

दुनिया के बड़े निवेशक इस बदलती हकीकत को आकार दे रहे हैं। दिसंबर में 631 गैर अमेरिकी निवेशक जिनके पास 37 लाख करोड़ डॉलर की संपत्ति थी, ने सरकार से कहा कि वह जलवायु संबंधी कदमों को गति दे। गत माह 7 लाख करोड़ डॉलर की सबसे बड़ी परिसंपत्ति प्रबंधक कंपनी ब्लैकरॉक ने कहा कि वह उच्च स्थायी जोखिम वाले निवेश से बाहर निकलेगी। कोयले के साथ ज्यादा जोखिम है। मौजूदा कोयला भंडार का बमुश्किल चौथाई हिस्सा दो डिग्री सेल्सियस वाली परिस्थिति में जलाया जा सकता है।

सन 2011 से अब तक कोयला खनन कंपनियों के मूल्य में 74 प्रतिशत की गिरावट आई है। कोयला उत्पादन बढ़ाने की घोषणाओं के बीच भारत को फंसी परिसंपत्ति के जोखिम का आकलन करना होगा। ऐतिहासिक रूप से देखें तो ऊर्जा सुरक्षा तकनीक, आर्थिकी या भूराजनीति से प्रभावित हुई है। अब इन सभी मोर्चों पर बदलाव हो रहे हैं। ऊर्जा की मांग भी पश्चिम से पूर्व की ओर स्थानांतरित हो रही है। पुरानी चिंताएं और नई समस्याएं घुलमिल गई हैं। भारत को आगे रहने की तैयारी रखनी होगी।

विवाद से विश्वास के पीछे क्या है?

केंद्र सरकार कीं घोषित 'विवाद से विश्वास' योजना के माध्यम से राजस्व में अच्छी खासी बढ़ोतरी करने का प्रयास कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि यह योजना लोगों का वह समय और पैसा बचाने में मदद करेगी जो ऐसे मामलों में जाया होता है। दरअसल करीब 9.3 लाख करोड़ रुपये के 4 लाख से अधिक प्रत्यक्ष कर संबंधी मामले विभिन्न स्तरों पर अपील में लंबित हैं। योजना के अनुसार यदि कोई करदाता चालू वित्त वर्ष के अंत तक कर चुकाने को तैयार हो जाता है तो उसे ब्याज, जुमार्ने और अभियोग से बचाव मिलेगा। करदाताओं के पास यह विकल्प होगा कि वे 31 मार्च के बाद और 30 जून के पहले विवाद निपटा सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार ऐसे वक्त पर विवादों को कम करने और संसाधन बढ़ाने का प्रयास कर रही है जब लग रहा है कि वह राजस्व लक्ष्य से काफी पीछे रह सकती है।

परंतु योजना को लागू करने का तरीका चिंता की वजह बन सकता है। इस समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के मुताबिक केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अपने अधिकारियों की सालाना वेतन वृद्धि को योजना के तहत किए जाने वाले संग्रह से जोड? का निर्णय लिया है। सीबीडीटी कार्यालय के एक ज्ञापन के मुताबिक संग्रह के नतीजे भविष्य में इन अधिकारियों की तैनाती में भी अहम भूमिका निभाएंगे। यह विवाद निस्तारण योजना घोषित होने के तत्काल बाद विभाग ने अधिकारियों से कहा कि वे शनिवार को और छुट्टी के दिन भी काम करें ताकि जब योजना की आधिकारिक शुरूआत की जाए तो वे तत्काल संग्रह शुरू कर सकें। यह करदाताओं के शोषण का हथियार है। ऐसे में सरकार की इस मुद्दे से निपटने की शुरूआत ही गलत है। यह समझना आवश्यक है कि इतने ज्यादा कर विवाद क्यों हैं? पहले तो सरकार राजस्व संग्रह के अतिमहत्त्वाकांक्षी लक्ष्य तय करती है और कर विभाग पर यह दबाव बनाती है कि वे ऐसी कर मांग करें जिसका करदाता प्रतिरोध करते हैं। इससे विवाद उत्पन्न होते हैं। अब प्रदर्शन के आकलन का नया लक्ष्य कर अधिकारियों को मजबूर करेगा कि वे करदाताओं से विवादित राशि वसूल करने का हरसंभव प्रयास करें। यह स्वाभाविक रूप से शोषण की ओर ले जाएगा। ऐसी खबरें आ रही हैं कि करदाता लोगों को बार-बार फोन कर रहे हैं। इससे भी बुरी बात यह कि योजना की मामूली सफलता भी सरकार को ऐसी मांग करने के लिए प्रोत्साहित करेगी। इससे विवाद बढ़ेंगे और फिर निस्तारण की पेशकश की जाएगी। इससे लागत बढ़ेगी और कारोबारी सुगमता प्रभावित होगी। यह सरकार के कर आतंक खत्म करने के घोषित लक्ष्य के खिलाफ जाएगा।

निश्चित तौर पर विवाद की समस्या को जड़ के जरिये ही हल किया जा सकता है। सरकार को जिम्मेदार ढंग से बजट तैयार करना होगा। वह अपने ताजा राजस्व स्तर के साथ लगातार मौजूदा ढंग से व्यय नहीं कर सकती। अति आशावादी राजस्व अनुमान न केवल करदाताओं की प्रताड?ा की वजह बनते हैं बल्कि सरकार के व्यय में भी अनिश्चितता आती है। सरकारी विभाग भी सुनिश्चित नहीं हैं कि उन्हें वित्त वर्ष के आरंभ में आवंटित राशि व्यय करने के लिए मिलेगी या नहीं। सरकार को कर विवादों के तेज निस्तारण की दिशा में काम करना होगा। संभव है कि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था में जहां कर कानून जटिल हैं, वहां विवाद भी होंगे। ऐसे में ऐसी व्यवस्था लागू करनी होगी ताकि इन विवादों को समय पर निपटाया जा सके। भारत को निजी निवेश के लिए इसलिए भी कठिन माना जाता है क्योंकि कर विभाग और करदाताओं के बीच रिश्ते अच्छे नहीं हैं। ताजा कदम से समस्या बढ़ेगी।

> पाम तेल इस समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के मुताबिक केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने अपने अधिकारियों की सालाना वेतन वृद्धि को योजना के तहत किए जाने वाले संग्रह से जोड? का निर्णय लिया है। सीबीडीटी कार्यालय के एक ज्ञापन के मुताबिक संग्रह के नतीजे भविष्य में इन अधिकारियों की तैनाती में भी अहम भूमिका निभाएंगे। यह विवाद निस्तारण योजना घोषित होने के तत्काल बाद विभाग ने अधिकारियों से कहा कि वे शनिवार को और छुट्टी के दिन भी काम करें ताकि जब योजना की आधिकारिक शुरूआत की जाए तो वे तत्काल संग्रह शुरू कर सकें।

रुपहले पर्दे की उजली चमक में छिपे उम्मीद भरे सबक

वनिता कोहली-खांडेकर

यह अच्छी खबरों का एक टुकड़ा भर है लेकिन इस पर टिके रहने लायक है। भारतीयों ने वर्ष 2019 में फिल्मों के कुल 1.03 अरब टिकट खरीदे। ऑर्मेक्स मीडिया बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट 2019 के मुताबिक यह आंकड़ा वर्ष 2018 की तुलना में नौ फीसदी अधिक है जब 94.5 करोड़ टिकटों की बिक्री हुई थी। यह वृद्धि बहुत अधिक न होते हुए भी तीन कारणों से अच्छी खबर है। पहला, यह भारत के 1.67 लाख करोड़ रुपये के मीडिया एवं मनोरंजन बाजार के लिए खराब रहे साल का इकलौता उजला पहलू है।

आर्थिक सुस्ती, टेलीविजन प्रसारण के लिए चैनलों की कीमत तय करने का ट्राई का फैसला और इस उद्योग की वृद्धि एवं रोजगार को प्रोत्साहन देने के लिए किसी भी व्यापक नीति का पूर्ण अभाव होने से वर्ष 2019 इस क्षेत्र के लिए निराशाजनक रहा। विज्ञापन राजस्वों में वृद्धि एक अंक में गिर चुकी है जबकि भुगतान राजस्व के मोर्चे पर संघर्ष करना पड़ रहा है। किसी भी बड़े सूचीबद्ध मीडिया समूह- जी एंटरटेनमेंट, नेटवर्क18, जागरण प्रकाशन या डीबी कॉर्पोरेशन की तिमाही रिपोर्टों को देखें तो खबर अच्छी नहीं है। डिज्नी स्टार और टाइम्स ग्रुप जैसी हरेक बड़ी गैरसूचीबद्ध फर्म को लक्ष्य हासिल करने में जद्दोजहद करनी पड़ रही है। अभी तक के साक्ष्य महज आख्यान हैं लेकिन नौकरियां तो गई हैं। ध्यान रखें कि टीवी एवं प्रिंट माध्यम मीडिया एवं मनोरंजन उद्योग के अगुआ हैं। टेलीविजन अकेले आधा राजस्व जुटाता है जबकि प्रिंट इस उद्योग का 18 फीसदी से अधिक राजस्व जुटाता है। जहां तक फिल्म उद्योग का सवाल है तो वह महज 10 फीसदी राजस्व ही ला पाता है।

और इसी बिंदु से हम दूसरे कारण तक पहुंचते हैं। करीब चार वर्षों से टिकटों की संख्या गिर रही थी या स्थिर बनी हुई थी जबकि औसत टिकट मूल्य लगातार बढ़ रहा था। बेचे जाने वाले टिकटों की संख्या आम तौर पर 80 करोड़ से लेकर 90 करोड़ के बीच में थी। लेकिन मार्च 2019 में समाप्त वित्त वर्ष में भारत की शीर्ष तीन मल्टीप्लेक्स श्रृंखलाओं में तीन वर्षों के बाद टिकट बिक्री में उछाल देखने को मिली। ऑर्मेक्स की रिपोर्ट राष्ट्रीय स्तर पर उछाल की पुष्टि करती है और दिखाती है कि 2019 में पूरे साल यह मजबूत बनी रही। मोटे रुझानों के हिसाब से देखें तो रिपोर्ट अधिक भाषाओं, बेहतर कहानियों और पहले सप्ताहांत पर निर्भरता कम करने पर जोर देती है जिससे यह वृद्धि आगे भी जारी रहे।

इनमें से सबसे अहम वह तरीका है जिससे भारत की विविधता आंकड़ों में नजर आ रही है। एक अरब से अधिक टिकटों की बिक्री और 10,948 करोड़ रुपये का बॉक्स ऑफिस राजस्व संग्रह हिंदी, तमिल, तेलुगू, हॉलीवुड और अन्य फिल्मों के बीच बंटा हुआ था। ऑर्मेक्स मीडिया के मुख्य कार्याधिकारी शैलेश कपूर कहते हैं, 'कुल मिलाकर भाषा काफी अहम होती जा रही है। हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषाओं में रिलीज हुई फिल्म साहो का 60 फीसदी से अधिक बॉक्स ऑफिस राजस्व हिंदी संस्करण से आया। इसी तरह हिंदी फिल्म वॉर का कुछ कारोबार तेलुगू संस्करण से भी आया। हम एक ऐसे परिदृश्य की तरफ बढ़ रहे हैं जिसमें शीर्ष दस में शामिल कई फिल्में बहु-भाषाई हैं।'

हॉलीवुड फिल्मों का ही उदाहरण लेते हैं। इनकी राजस्व हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2018 में कुल बॉक्स ऑफिस संग्रह में हॉलीवुड फिल्मों का योगदान 12.5 फीसदी रहा था जो 2019 में बढ़कर 15 फीसदी हो गया। लेकिन इसकी वजह यह है कि हॉलीवुड फिल्मों को अब एक साथ हिंदी, तमिल, तेलुगू और कुछ अन्य भाषाओं में भी डब कर रिलीज किया जा रहा है। इस बारे में कपूर कहते हैं, 'अवेंजर्स फिल्म का 40-45 फीसदी राजस्व हिंदी, तमिल एवं तेलुगू संस्करणों से आया। यह बात सभी फ्रैंचाइजी या बड़ी फिल्मों के लिए सही है जिनका औसतन 35 फीसदी राजस्व भारतीय भाषाओं से आता है।'

दूसरी भारतीय भाषाओं में डब या रीमेक हुई हिंदी फिल्मों के बारे में भी यही स्थिति है। यही हाल हिंदी में डब या रीमेक होने वाली गैर-हिंदी फिल्मों का है। बहुभाषाई फिल्में के टिकट अधिक बिक रहे हैं जो बॉक्स ऑफिस राजस्व में शीर्ष पर हैं। इस रिपोर्ट के अच्छी खबर होने का तीसरा कारण यह है कि अब अधिक लोग फिल्में देखने के लिए सिनेमाघरों का रुख करने लगे हैं। फिल्म उद्योग के राजस्व का 70 फीसदी से अधिक राजस्व टिकट बिक्री से आने की वजह से यह काफी अहमियत रखता है। निश्चित रूप से फिल्मों की पहुंच एवं प्रभाव एक अरब टिकटों की बिक्री से बहुत आगे तक जाता है। कुल टीवी दर्शकों में से एक चौथाई लोग अपने घरों में फिल्में देखते हैं। भारत में स्ट्रीमिंग वीडियो ब्रांड फिल्मों एवं फिल्म-संबंधी सामग्रियों पर असंगत रूप से अधिक वक्त देते हैं। लेकिन फिल्म उद्योग तो बुनियादी तौर पर बॉक्स ऑफिस से अपना पैसा कमाता है। बॉक्स ऑफिस पर कामयाबी का यह मतलब है कि फिल्मों को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म और टीवी चैनलों से भी बढिया सौदा मिलता है।

लेकिन हमें याद रखना होगा कि यह अच्छी खबर का एक फलक भर है। इसके जरिये समूचे परिदृश्य को खुशनुमा दिखाने की कोशिश बरगलाने वाली मानी जाएगी। जैसा कि एक मंत्री ने हाल ही में किया था। कई लोग यह दलील दे सकते हैं कि अधिक लोगों के फिल्म देखने सिनेमाघर जाने का मतलब यह है कि देश में कोई आर्थिक सुस्ती नहीं है। यह एक दोषपूर्ण तर्क है। इसका कारण यह है कि अगर टिकट बिक्री ही देश की वृहद-आर्थिक सेहत का पैमाना है तो फिर हम इसके पहले के चार वर्षों में भारी मंदी के दौर से गुजर रहे थे।

आने वाला समय वेब 3.0 का है जिसमे हर लेनदेन डिजिटल होने वाला

ममता मार्डी
(आर्थिक चेन ब्लॉक से जुड़ी हैं।)

आने वाला समय (भविष्य) वेब 3.0 और अक का है। समय रहते जो अपने आपको टेक्नोलॉजी से रूबरू कर लेगा उसको नई नौकरी पाने के लिए ज्यादा संघर्ष नहीं करना पढ़ेगा और जो अभी नौकरी कर रहा है उसको अपनी नौकरी जाने का डर नहीं रहेगा क भविष्य में जब हर चीज वेब 3.0 ब्लॉकचेन के ऊपर शिफ्ट हो चुकी होगी तो आज जो लोग अपने को भविष्य की टेक्नोलॉजी के हिसाब से अपडेट नहीं कर रहे होंगे वो लोग शायद हाशिए पर चले जाएंगे क

बेशक आज हम किसी भी कारणवश (डर, अज्ञानता या अन्य किसी भी कारण) से आज टेक्नोलॉजी को इग्नोर कर रहे है लेकिन हम टेक्नोलॉजी से कभी भी कट करके नहीं रह सकते है बिलकुल वैसे ही जैसे हम मानव समाज और कुदरत से कट करके सर्वाइव नहीं कर सकते है कभविष्य टेक्नोलॉजी का है; बेशक आज हम भविष्य की टेक्नोलॉजी को समझते नहीं या समझना नहीं चाहते है लेकिन टेक्नोलॉजी फिर भी हमें प्रभावित कर रही होती है ।आज हमारा दिन-रात पल-पल वेब 2.0 में गुजर रहा है क आज हमारा इन्टरनेट, हर सोशल मीडिया प्लेटफोर्म और हर डिजिटल एक्टिविटी बेब 2.0 पर चल रही है लेकिन आने वाला समय वेब 3.0 का है जिसमे हर लेनदेन डिजिटल होने वाला है। आज दुनिया का हर सरकारी और प्राइवेट डिपार्टमेंट (एजुकेशन, मेडिकल, बैंकिंग, ट्रेवलिंग अत्यादि-अत्यादि) ब्लॉकचेन के ऊपर शिफ्ट के प्रोसेस में है और अगले 1.5 वर्ष तक सब कुछ ब्लॉकचेन के ऊपर शिफ्ट हो चुका होगा ब्लॉकचेन अभी तक की सबसे सेफएस्ट, सिक्योर और फास्ट टेक्नोलॉजी है जिसके ऊपर ही डीसैन्ट्रलाईज्ड क्रिप्टो करेंसी का जन्म हुआ है मतलब क्रिप्टो करेंसी का बेस ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी ही है।मीथर का एम क्वाईन 3.0 क्रिप्टो करेंसी है जो 2.5 वर्ष पहले केवल 8 सेंट से शुरू हुआ था और आज 83% गुणा ग्रोथ के साथ 2.5 डॉलर का है। भविष्य में वेब 3.0 वाली करेंसी ट्रेंड और ट्रेड में रहेगी इसलिए आज जो समय रहते ही 3.0 क्रिप्टो करेंसी में इन्वेस्ट कर लेंगे भविष्य में वो यकीनन बहुत अच्छा रीटर्न पा सकेंगे।

साथिओं, ही 3.0 क्रिप्टो करेंसी एम क्वाईन का स्टेकिंग समय 2 और 2.5 वर्ष है जो 31 जुलाई से 2.5 वर्ष और 3 वर्ष होने वाला है। एम क्वाईन के अभी के प्राइस और कंपनी की अभी की ऑफर के हिसाब से सबसे छोटे पैकेज (11400 रूपए) में ज्वाइनिंग से लेकर आप भी मीथर वर्ल्ड में काम कर सकते हैं और फैनेंशियल फ्रीडम के साथ साथ अन लिमिटेड इनकम भी प्राप्त कर सकते है, वो भी बिना किसी लायबिलिटी के।

(संपर्क 8789963383)

छिटपुट सुधार से परे

टी. एन. नाइनन

शायद सरकार का यह कहना सही है कि अर्थव्यवस्था उस निम्नतम स्तर पर पहुंच गई है जहां से केवल सुधार की संभावना है। शुक्रवार को जारी आर्थिक वृद्धि के तिमाही आंकड़े इसका समर्थन करते हैं और निवेश बैंकों के अर्थशास्त्री भी मोटे तौर पर इसकी पुष्टि करते हैं। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान भी यह भविष्यवाणी कर चुके हैं कि आने वाले वर्ष में भारत में मामूली सुधार देखने को मिलेगा। इस बात पर सहमति है कि सबसे बुरा दौर बीत चुका है और मंदी भी अपना चरम देख चुकी है। इससे सरकार के प्रवक्ताओं को प्रोत्साहन मिला है और वे यह कह रहे हैं कि अर्थव्यवस्था एक चक्रीय प्रकृति की मंदी से गुजरी और वित्तीय क्षेत्र की समस्याओं ने संकट में इजाफा किया। उनका यह भी कहना है कि यह सिलसिला भी सुधार पर है।

हमें ऐसे अनुमानों को लेकर सतर्क रहना होगा जो प्रमुख तौर पर घरेलू कारकों के आंशिक विश्लेषण पर आधारित है। मसलन शेष विश्व के साथ भारत की आर्थिक संबद्धता चाहे जितनी कमजोर हो, लेकिन उसका आर्थिक प्रदर्शन वैश्विक रुझानों के साथ सुसंगत ही है, हालांकि वह एकदम उसके अनुरूप नहीं है। यानी नई सदी के पहले दशक में भारत की तेज वृद्धि वाले वर्ष अप्रत्याशित वैश्विक वृद्धि को ही प्रतिबिंबित कर रहे थे जो विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 4.2 फीसदी थी। उसकी तुलना में वर्ष 2019 तक के पांच वर्ष में वैश्विक वृद्धि एक तिहाई गिरकर 2.8 फीसदी रह गई। भारत की वृद्धि भी हाल के वर्षों में तेजी से गिरी है।

अन्य ब्रिक्स देशों की कहानी भी काफी हद तक ऐसी ही है, हालांकि वहां ठीक इन्हीं वर्षों में ऐसा नहीं हुआ। रूस की वृद्धि उच्च वृद्धि वाले वर्षों के 7 फीसदी से गिरकर हाल के समय में 1 फीसदी की आधी रह गई। ब्राजील में भारी उतार-चढ़ाव आए और 2013 तक के चार वर्ष में उसने 4 फीसदी वृद्धि हासिल की जबकि उसके बाद वहां वृद्धि ऋणात्मक हो गई। हाल के तीन वर्षों में वह बमुश्किल 1 फीसदी की वृद्धि हासिल कर पाया। चीन में भी धीमापन आया है और वह अपने सर्वश्रेष्ठ समय की तुलना में आधी वृद्धि ही हासिल कर पाया है। अब कोरोनावायरस के कारण इसमें और गिरावट आएगी। अन्य उभरते बाजारों की हालत भी ऐसी ही है। तुर्की में वृद्धि बेहतरीन वर्षों के 8 फीसदी से घटकर 5.5 फीसदी हो गई और अब यह 3 फीसदी से कम वृद्धि दर्ज कर रहा है। हमें अंतरराष्ट्रीय रुझानों पर अधिक ध्यान देना चाहिए, खासतौर पर उभरते बाजारों के रुझानों पर।

यहां चार बातें ध्यान देने लायक हैं। पहली बात है कोरोनावायरस के सर्वव्यापी महामारी बनने के खतरे की। दुनिया भर के बाजार इसे लेकर चिंतित हैं। दूसरी बात है वैश्विक व्यापार वृद्धि में मंदी। विश्व व्यापार संगठन ने वैश्विक वाणिज्यिक व्यापार को आर्थिक वृद्धि की दर के समकक्ष रखा है जबकि करीब दो दशक तक व्यापार वृद्धि की दर विश्व अर्थव्यवस्था से 40 फीसदी तक अधिक रही है। यह बदलाव आंशिक रूप से तो इसलिए है क्योंकि विभिन्न देशों के बीच विवाद उत्पन्न हुए और उसके परिणामस्वरूप संरक्षणवाद लागू किया गया। परंतु इसकी अन्य वजह भी हैं। व्यापार जगत में शीघ्र सुधार की उम्मीद नहीं है।

तीसरा कारक वह है जिसे विश्व बैंक उभरते बाजारों की उत्पादकता वृद्धि में कमी के रूप में दर्ज करता है। देश में यह एकदम स्पष्ट रूप से हमारे सामने है क्योंकि आर्थिक वृद्धि निवेश दर की तुलना में तेजी से गिरी है। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत को अब समान वृद्धि दर हासिल करने के लिए पहले की तुलना में अधिक निवेश की आवश्यकता है। आखिर में वे जोखिम आते हैं जो वैश्विक कर्ज से संबंधित हैं। इससे मुद्रा बाजारों में असामान्यता आ रही है क्योंकि निवेश दर ऋणात्मक है। भारत उन देशों में शामिल है जिन्हें झटके लगने की ज्यादा आशंका है।

संवेदक से 10 लाख लेवी मांगने वाले दो अपराधी गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

किस्को। किस्को थाना पुलिस ने संवेदक से 10 लाख रुपया के लेवी मांगने के दो आरोपी को धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों के पास से तीन मोबाइल भी बरामद किया गया है। एसडीपीओ बीएन सिंह ने बताया कि किसको थाना क्षेत्र में निमार्णाधीन एकलव्य मॉडल रेसिडेन्सियल स्कूल खरकी बालाटोली, किस्को के मुख्य गेट पर झारखंड प्रस्तूती कमिटि (जेपीसी) निवेदक- सब जोलन कमाण्डर अभिमन्यू जी के नाम पर पर्चा साट कर एवं मुंशी के मोबाईल फोन पर दस लाख का लेवी मांगने के संबंध में किस्को थाना काण्ड सं0-22/2023, दिनांक-10.07.2023, धारा-387/506 भा०द०वि० एवं 17 सी०एल०ए० एक्ट दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक लोहरदगा के निर्देशन में कांड के उदभेदन संलिप्त अपराधकर्मी के गिरफ्तारी हेतु अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) लोहरदगा एवं अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी लोहरदगा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन कर कांड में संलिप्त दो अपराधकर्मी को तकनिकी शाखा के सहयोग से काण्ड में प्रयुक्त मोबाईल फोन एवं सीम के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों ने अपना अपराध स्वीकार किये तथा अन्य सहयोगी का नाम बताये जिसकी गिरफ्तारी हेतु विशेष टीम के द्वारा अभियान जारी है। गिरफ्तार अपराधियो के पास एक कीपैड मोबाइल काण्ड में प्रयुक्त मो0न0-8084361527 के साथ 02. ओप्पो कम्पनी का एंड्रॉयड मोबाइल दो सिम के साथ। 03. रीलमे नोट 7 प्रो मोबाइल बरामद किया गया। वही गिरफ्तार अपराधियो में अभिमन्यू जी उर्फ कुन्दन तिवारी उर्फ आशूतोष कु० तिवारी उम्र 26 वर्ष पिता-पुरूषोत्म तिवारी, ग्राम-सिन्दूरिया लहलहे, थाना-सतबरवा, जिला-पलामू निवासी और मुबारक अंसारी उम्र 20 वर्ष पिता-बुल अंसारी, सा०- सेमरडीह, थाना-किस्को शामिल है।

गिरफ्तार आरोपी के साथ पुलिस अधिकारी

सड़क-पुल के अभाव में मरीज को पीठ पर लादकर अस्पताल लाने को मजबूर हुए ग्रामीण

लचर व्यावस्था
- बोदा पंचायत अंतर्गत लुकुईया गांव के तेतरियाटांड का मामला
- समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने के कारण हो गई थी मौत

मरीज को पीठ पर लादकर ले जाते हुए ।

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। प्रखंड के बोदा पंचायत अंतर्गत लुकुईया गांव के तेतरियाटांड टोले तक पहुंच पथ व सिताही नदी पर पूल नहीं बनने के कारण पंचायत समिति सुशीला तोपनो के ससुर सिमोन तोपनो के समय पर अस्पताल नही पहुंच पाने के कारण मौत होने का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि घटना के महज 48 घंटे के अंदर गांव से ही एक और मामला सामने आ गया जहां परिजनों व ग्रामीणों को एक वृद्धि बीमार महिला को इलाज के लिए पीठ पर लादकर अस्पताल ले जाने के लिए लगभग एक किलोमीटर पैदल लाना पड़ा। ग्रामीणों ने बताया कि सुचिता भेंगरा पति सुधीर तोपनो लकवा ग्रस्त है, उनकी तबीयत शुक्रवार को अचानक बिगड़ गई। सड़क के खराब होने व सिताही नदी पर पूल नही होने के कारण मरीज को अस्पताल लाने के लिए परिजनों व ग्रामीणों को एक बार फिर से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। तबीयत ज्यादा खराब होता देख परिजन व ग्रामीण साहस का परिचय देते हुए सुचिता भेंगरा को पीठ पर लादकर पैदल लुकुईया तक पहुंचे, इसके बाद निजी वाहन से मरीज को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, अगर ग्रामीण साहस का परिचय ना देते तो सुचिता भेंगरा को पीठ पर लाद कर नहीं लाते तो उसकी भी जान नही बच पाती।

हत्या के आरोप में दो अपराधी गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

जानकारी देते एसपी अंजनी अंजन।

लातेहार। अपराधी कितना भी शातिर क्यों ने हो पुलिस चाहे तो अपराधी को पताल से भी ढुंढ निकालती है। ये स्लोगन लातेहार पुलिस के लिए कहा जा रहा है क्योंकि पुलिस ने कंकाल के हत्यारें को ढुंढ कर निकाला है। शुक्रवार को लातेहार पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजनी ने अपने बेशम कार्यालय में प्रेस वार्ता में मीडिया जानकारी देते हुए संगीन अपराध का खुलासा करते हुए बताया कि बीते डेढ़ माह पूर्व बालूमाथ के शांति के जंगल में एक जला हुआ शव कंकाल पड़ा मिला था जिस के संदर्भ में बालूमाथ पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए धारा 302, 201, 120 बी भादवि के तहत अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया था। अपराधियों ने युवक की हत्या कर शव को जला दिया था। मृत युवक का नाम मो. जफर अंसारी 32 वर्ष पिता अब्दुल अब्बास अंसारी ग्राम चुडीटोला थाना कांके का रहने वाला है। ये आपसी लेनदेन के कारण हत्या का कारण बताया जाता है। जिसके बारे में पुलिस को पता लगाने में काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा जिसका अनुसंधान बालूमाथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी का गठन किया गया था। गठित टीम के द्वारा अनुसंधान के क्रम में दो अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त हथियार (टांगी, हसुआ, चाकू) व चार मोबाईल गिरफ्तार अभियुक्तों के निशानदेही पर कुंआ से बरामद किया गया। घटना में फरार अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस के द्वारा लगातार छापामारी किया जा रहा है गिरफ्तार अपराधी कर्मी गौतम यादव उर्फ गोल्डन यादव पिता बिन्देश्वर यादव, ग्राम शांति थाना बालूमाथ जिला लातेहार वर्तमान पता बाजारटांड़ खलारी रामनगर थाना मैक्लुस्कीगंज को गिरफ्तार किया गया है इसके विरूद्ध विभिन्न थाना में कुल नौ मामला दर्ज है वहीं दुसरे अपराधी सुहेल अंसारी उर्फ छोटका पिता मुस्लिम अंसारी खलारी स्टेशन बरवाटोला के विरूद्ध मैक्लुस्कीगंज थाना में मामला दर्ज है। इस छापामारी दल में बालूमाथ पुनि शशि रंजन कुमार, थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद, पुअनि कुबेर साव, नितेश कुमार, धीरज कुमार, मनोज मुर्मू, सअनि पारसनाथ प्रसाद समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

बुंडू में नागरिक अभिनंदन सह सम्मान समारोह

जन सुरक्षा और न्याय पहली प्राथमिकता : डॉ विमल कुमार

खबर मन्त्र संवाददाता

बुंडू। पीड़ित जनता सुरक्षा और न्याय के लिए पुलिस के दरबार में आती है जिस पर सहारा नहीं मिलता तो लोग पुलिस प्रशासन को कोसते है। इसी कारण पुलिस और जनता के बीच फासला बढ़ती है जिसको पाटने की जरूरत है उक्त बातें सरायकेला खरसावां जिला के पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार ने कही वह बुंडू के बालाजी प्लेस में शुक्रवार को एक नागरिक अभिनंदन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने आगे कहा जो भी पुलिस पदाधिकारी जनता के साथ दुर्व्यवहार करेगा उसे कार्रवाई की जाएगी।जनता के सुख दुख का साथी बनकर पुलिस काम करें तो समाज में शांति सद्भावना बनी रहेगी।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बुंडू अजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा जनता के सेवा सुरक्षा और न्याय के लिए आईपीएस अधिकारी बनाया गया है।वतन की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।इस मौके पर झारखंड अधिविध परिषद के सदस्य और हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ राधा रमन साहूए प्रिंसिपल डॉ अरुण कुमार, डॉ मदन प्रसादए डॉ पंकज वर्माए डॉ ईला वर्माए पुलिस इंस्पेक्टर लीलेश्वर महतोए अजय कुमार साहूए अनूप चैलए दीपक जायसवालए रोशन महतोए सनत कुमार चैलए अरुण जैनए तमाड़ प्रखंड प्रमुख अजय कुमार मुंडाए जिला परिषद सदस्य परमेश्वरी शांडिलए नगर पंचायत के उपाध्यक्ष सुनील कुमार जायसवालए महेंद्र प्रजापतिए छोटू जायसवालए अधिवक्ता रितेश जयसवालए प्रमोद कुमार सिंहए कमलेश सिंहए अबू सईद अंसारीए कवि नायकए उज्जवल कुमार धीवरए खुशी लायकए संजय दासए मनीष जायसवाल के अलावा अनुमंडल क्षेत्र के सभी थानेदारए पुलिसकर्मी और गणमान्य लोग मौजूद थे।

विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत कार्यशाला का हुआ आयोजन

गुमला। विश्व स्पनपान स्पताह के तहत शुक्रवार को विकास भवन के सभागार में जिला समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य स्तनपान के महत्व एवं शिशु पूरक आहार के बारे में माताओं को जानकारी देना था। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी ने की। वहीं कार्यक्रम का संचालन जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सीता पुष्पा ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने कहा कि मां का दूध नवजात बच्चे के लिए सर्वोत्तम आहार है। मां के दूध के सेवन से नवजात को कई तरह की संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। चिकित्सक भी सलाह देते हैं कि जन्म से 6 माह तक बच्चों को सिर्फ मां का ही दूध दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस विश्व स्तनपान सप्ताह का उद्देश्य प्रसूता व शिशुवती महिलाओं के बीच स्तनपान के लिए जागरूकता को बढ़ाना है।

रातू : तिगरा में 15 अगस्त से होगा फुटबॉल टूर्नामेंट

- पांच दोनों तक चलेगा खेल
- 19 को होगा फाइनल मैच

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। तिगरा में पुना हिरानागपुर क्लब की ओर से 51वें फुटबॉल टूर्नामेंट 15 अगस्त से होगा। पांच दिनी खस्सी एवं नकद प्रतियोगिता का फाइनल मैच 19 अगस्त को खेला जायेगा। जोरशोर से इसकी तैयारी की जा रही है। इसमें 32 टीमें भाग लेंगी। प्रवेश शुल्क 41 सौ रुपये निर्धारित है। इच्छुक टीम के खिलाड़ी 12 की शाम 6 बजे तक मोबाइल नंबर 9162650262 में ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। यह जानकारी आयोजन समिति के रंजीत पाहन और अजीज अंसारी ने दी।

विजेता को मिलेंगे 20 हजार नकद

उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट के विजेता को एक बड़ा खस्सी के अलावा 20 हजार नकद, उप विजेता को 15 हजार नकद और खस्सी, तृतीय स्थान पाने वाली टीम को 10 हजार नकद व खस्सी तथा चतुर्थ को 5 हजार नकद और खस्सी बतौर पारितोषिक दिये जायेंगे।

नियम और शर्तें
प्रतियोगिता चार ग्रुप में होगी। पहले और दूसरे चक्र के खेल 20.20 और शेष सभी मैच 25-25 मिनट के होंगे। टीम के खिलाड़ियों को अपने साथ जर्सीए बूट व फुटबॉल लाना और टाईम लिस्ट के मुताबिक पहुंचना अनिवार्य है। अन्यथा 15 मिनट बाद विपक्ष की टीम को वाक ओवर दे दिया जायेगा। मैच में रेफरी का निर्णय अंतिम होगा। नशापान पर सख्त पाबंदी रहेगी। कोई भी खिलाड़ी एक से अधिक टीम के साथ नहीं खेल सकेंगे।

भूमि के बेहतर प्रबंधन से होगा वन उत्पादकता में सुधार

खबर मन्त्र संवाददाता

पिस्कानगड़ी। नगड़ी के लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान और जैव विविधता संस्थान हैदराबाद के सौजन्य से वन की उत्पादकता में सुधार और निम्नीकृत भूमि प्रबंधन के माध्यम से आजीविका का सृजन बिषय पर अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन किया गयाण्कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर हुआण्कार्यक्रम का विषय प्रवेश करते निदेशक डॉ योगेश्वर मिश्रा ने कहा परती भूमि में विकास के द्वारा जीविकोपार्जन पर चर्चा की जाएगी। प्रधान मुख्य वन संरक्षक देवीदत्त बिस्वाल ने जीविकोपार्जन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा उत्पादकता में सुधार वन भूमि प्रबंधन पर्यावरण वानिकी एवं गैर वानिकी क्षेत्रों की पारिस्थितिकी सुधार आदि कार्यों को जीविकोपार्जन से जोड़कर मॉडल बनाने का आग्रह किया। इन्होंने जैविक खादएमछली पालन को बढ़ावा देकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने पर बल दिया।

रैयत विस्थापित मोर्चा की बैठक में समस्याओं पर चर्चा
पिपरवार। रैयत विस्थापित मोर्चा और सीसीएल प्रबंधन के बीच विभिन्न मांगों को लेकर सीसीएल मुख्यालय दरभंगा हाउस में एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई।इस बैठक मे सीसीएल के सभी कमांड क्षेत्रों के विस्थापितएप्रभावितएरैयतो की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक मे लम्बित नौकरीए मुआवजाएरोजगारएनिजी कम्पनियो मे 75 प्रतिशत बहालीएएक करोड तक का ठेका कार्य विस्थापितो को देने सहित कई ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

सेल के संयंत्रों में कार्बन फुटप्रिंट में कमी लाने को समझौता

बोकारो। सेल ने बोकारो सहित सभी संयंत्रों में टिकाऊ इस्पात उत्पादन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जर्मनी की अग्रणी इंजीनियरिंग कंपनी एसएमएस ग्रुप के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर सेल के रांची स्थित प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान में किया गया। इस सहयोग का प्राथमिक उद्देश्य सेल के एकीकृत इस्पात संयंत्रों में इस्पात निर्माण प्रक्रियाओं में बदलाव लाना, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने पर जोर देना है। साझा विशेषज्ञता और संसाधनों का लाभ उठाकर, सेल और एसएमएस समूह पर्यावरण अनुकूल इस्पात उत्पादन का एक नया प्रतिमान स्थापित करने के प्रयासों का नेतृत्व करेंगे। इससे स्टील निर्माण प्रक्रिया में सेल के इस्पात संयंत्रों के भीतर कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान देंगेए जो 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के साथ जुड़ा हुआ है।

गिरिडीह : पदाधिकारी व कर्मियों संग उपायुक्त ने की बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय सभाकक्ष में उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा द्वारा जिला ग्रामीण विकास अभिकरण एवं जिला परिषद के सभी पदाधिकारी एवं कर्मियों के साथ बैठक किया गया। सर्वप्रथम सभी का परिचय परिचय लेते हुए उनके द्वारा की जा रही कार्यों से अवगत हुए। उपायुक्त महोदय के द्वारा अभिलेख संधारण का टिप्स दिया गया साथ ही संबंधित कर्मी एवं पदाधिकारी को कार्यों का ससमय निपटारा करने का निर्देश दिया गया। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता, निदेशक डीआरडीए, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला परिषद के कार्यपालक अभियंता एवं संबंधित विभागों के कर्मी मौजूद थे।

गर्म ओबी से झुलसी छात्रा की मौत

सुनील सिंह

झरिया। बीसीसीएल के लोदना क्षेत्र में चल रहे सुशी आउटसोर्सिंग परियोजना से हो रहे गर्म ओबी के चपेट में शौच ले लिए गयी एक महिला व बच्ची आ गयी । आनन फानन में स्थानीय लोगों ने दोनों को इलाज के लिए एस एन एम एमसीएच अस्पताल ले जाया गया । जहां कि बनियहीर 2 नंबर मैदान के समीप ओबी डंप के गर्म छाई से झुलसी 11 वर्षीय कक्षा पांच की छात्रा जिया कुमारी की मौत गुरुवार की देर रात हो गयी। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिया का इलाज एसएनएमएमसीएच में चल रहा था। परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए पटना ले जा रहे थे। परंतु 11 वर्ष की बच्ची जलन व दर्द नहीं झेल सकी जोकि रास्ते उसकी मौत हो गयी। हालांकि परिजन उसे पटना ले गये। पटना में ही उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। बता दें कि बनियाहीर 2 नंबर निवासी साको देवी अपनी पुत्र व बहु (जिया के माता पिता) को पहले ही खो दिया है अब 11 वर्षीय पोती जिया के सहारे जीवन व्यतीत कर रही थी। शाको देवी की 35 वर्षीय पुत्री रिंकू देवी व 11 वर्षीय जिया कुमारी(मृतक) गुरुवार 3 अगस्त को शौच के दौरान ओबी डंप की गर्म छाई से झुलस गई थी।

पांचवीं कक्षा में पढ़ती थी छात्रा

स्थानीय लोगों ने बताया कि जिया बनियाहीर स्थित विवेकानंद विद्यालय में पांचवी कक्षा की छात्रा थी। वह पढ़ाई में होनहार थी। पिता पिंटू पासवान का साया सर से उठ जाने के बाद वह दादी साको देवी के साथ रहती थी। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण कोयला चुनकर जीवन गुजर बसर कर रही थी। स्थानीय लोगों में इस मामले को लेकर आक्रोश है। लोगों का कहना है कि आज जिया के साथ हुआ, तो कल हमारे बच्चों के भी साथ इस तरह की घटना हो सकती है। सरकार को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए।

एक नजर में

संदेहास्पद स्थिति में युवक की मौत

गढ़वा। शहर के सोनपुरवा भट्टी मोहल्ला निवासी रविंद्र कुमार कुशवाहा की मौत संदेहास्पद स्थिति में हो गई। गढ़वा थाना क्षेत्र के नारायणपुर में उसका शव बरामद किया गया है। परिजनों ने इस घटना में हत्या की आशंका जताई है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार रविंद्र गुरुवार की देर शाम नारायणपुर में ाान रोपने के लिए मजदूर खोजने गया हुआ था। मजदूर खोजने के बाद लौटने के क्रम में उसे सड़क किनारे गिरा हुआ देखा गया। स्थानीय लोगों ने उसे उठाकर अस्पताल लाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि पिछले काफी दिनों से जमीन का विवाद चल रहा है। उक्त विवाद में रविंद्र की हत्या की गई है। साक्ष्य छुपाने के लिए इसे दुर्घटना का रूप दिया गया है।

दुर्घटना में बीडीसी के पुत्र की मौत

मझिआंव। थाना क्षेत्र के चंदना गांव निवासी करमडीह पंचायत के पंचायत समिति सदस्या मशरुन खातून (पति मसिउदीन खान) के पुत्र अली रजा की शुक्रवार को रांची स्थित रिम्स अस्पताल में मौत हो गई। वह पिछले दस दिनों से जीवन और मौत के बीच झुल रहा था। विदित हो कि पिछले बुावार को गढ़वा जाने के दौरान खजुरी गांव स्थित नदी के पुल पर उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पुल के नीचे गिर गई थी। इसके बाद उसे रांची के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसी बीच मोहर्रम के दिन चिकित्सक ने उसे यह कहकर वापस भेज दिया कि वह चंद घंटे का ही मेहमान है। इसके बाद उसके परिजनों द्वारा घर लाया जा रहा था, इसी बीच गढ़वा के समीप उसके शरीर में हरकत होता देख परिजनों ने उसे परमेस्वरी हास्पिटल में भर्ती करा दिया। जहां पर उसे वेंटिलेटर पर दो दिन रखने के बाद रांची स्थित रिम्स में रेफर कर दिया गया था और उसकी रिम्स में कोमा की ही स्थिति में शुक्रवार को मौत हो गई। उसकी मौत होने पर मुखिया मोस्सरत जहां एवं उनके प्रतिनिधि इंतखाब खान, शाहबाज खान, सोनपुरवा मुखिया अख्तर खान, असफाक खान, इबरार खां सहित प्रखंड के सभी बीडीसी सदस्य व मुखिया द्वारा शोक व्यक्त किया गया है।

बाजार और जतराटांड़ की भूमि पर अवैध कब्जा के खिलाफ उपायुक्त को लिखा पत्र

खलारी। हेसालोंग ग्राम के ग्रामीणों ने खलारी प्रखंड के लपरा पंचायत अंतर्गत हसालोंग में बाजार टाँड़ स्थित बाजार एवं जतरा टॉड की जमीन पर अवैध कागजात बनाकर कब्जा करने के मामला पर राँची उपायुक्त को लिखा पत्र। पत्र में बताया गया कि हेसालोंग बाजार टाँड़ में बाजार एवं मेला टाँड़ की जमीन जो मौजा हेसालोंग खाता नण 78 79 प्लॉट नण 747ए 748 रकबा 0ण62 एकड़ 1ण36 ए0 0ण01 ए० कुल रकबा 1ण99 एवं किस्म परती कदीम खतियान गैरमजरूआ के तहत निबंधित है। साथ ही खतियान में यह भी दशार्या गया है कि उक्त जमीन पर शुक्रवार को बाजार व प्रतिवर्ष मेला लगता है। साथ ही उक्त बाजार से सरकारी जमीन पर आदिवासियोंए मूलवासियों के लिए बानस्थलए दुर्गामण्डपए हनुमान मंडप का निर्माण हुआ है जो गांव वालों के लिए आस्था का केंद्र है। इन लोगो को हेसालोंग बाजार जमीन को खाली कराने में सचिवालय रांचीएभू अर्जन पदाधिकारी रांचीएडीसीएलआर राँचीएअपर समाहर्ता रांचीएअनुमन्डल पदाधिकारी रांचीएबन्दोबस्त पदाधिकारी रांचीएप्रवर्तन निदेर्शालय रांची को दिया गया प्रतिलिपी।

मृत महिला को विधायक ने दी श्रद्धाजंलि

राहे। प्रखंड के होटलो पंचायत के अंतर्गत कापीडीह गांव के आजसू कार्यकर्ता वनमाली महतोए इन्द्र महतो व ब्रज महतो की माता 73 वर्षीय बुद्धि देवी को 22 जुलाई को जंगली भालू के हमले से मौत हो गया था। इनके श्राद्धकर्म में विधायक सुदेश महतो कापीडीह गांव पहुँचकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित किये और परिजनों से मिलकर अपनी संवेदना प्रकट किये। मौके पर प्रखंड प्रभारी संजय सिद्धार्थ, प्रखंड अध्यक्ष रंग बहादुर महतो, मीडिया प्रभारी हलधर पांडेय मौजूद थे।

कांके : कांग्रेस सेवा दल के जिला उपाध्यक्ष साबिर अंसारी पदमुक्त

कांके। रांची जिला ग्रामीण सेवा दल के जिला अध्यक्ष अमजद अंसारी ने इरबा ओरमांझी निवासी जिला उपाध्यक्ष साबिर अंसारी को तत्काल प्रभाव से पद मुक्त कर दिया है। इस बाबत इन्होंने कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष नेली नाथन को सूचना दे दी है। अमजद अंसारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहां है कि साबिर अंसारी जब से जिला उपाध्यक्ष बनाए गए हैं वह लगातार पार्टी विरोधी गलत गतिविधियों में लिप्त है। जिससे पार्टी व संगठन की छवि खराब हो रही थी। 4 दिनों पूर्व प्रदेश कांग्रेस द्वारा आहूत राजभवन के समक्ष हुए धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में भी इन्होंने पार्टी विरोधी कार्य किया था। पार्टी के प्रति अनुशासनहीनता और कर्तव्यहीनता को देखते हुए इन्हें जिला उपाध्यक्ष पद से पद मुक्त किया गया है।

इंटर के नये प्रभारी का शिक्षकों ने किया स्वागत

बेड़ो। करमचंद भगत महाविद्यालय बेड़ो के इंटरमीडिएट प्रभाग के नवनियुक्त प्रभारी पूनम कुमारी का शुक्रवार को शिक्षकों ने बूके देकर स्वागत किया। प्रभारी ने कहा कि इस महाविद्यालय में इण्टरमीडिएट प्रभाग के बेहतर संचालन के लिए अनुशासन व नियमित कक्षाओं की सुनिश्चितता मेरी प्राथमिकता रहेगी। वहीं मौके पर शिक्षकों में शिवेंद्र सौरभए आशीष भारतेन्दु, शिवशंकर साहू, बिरसा उरांव, मधुमति उरांव, कृति निधि कुमारी व संतोषी कच्छप आदि मौजूद थे।

बेड़ो : भाजपा का प्रतिनिधिमंडल बीइइओ से मिला

बेड़ो। भाजपा का प्रतिनिधिमण्डल शुक्रवार को बेड़ो के बीईइओ सुनील कुमार केशरी से मिला। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने मॉडल स्कूल बेड़ो के शिक्षक भिन्सेंट सोरेन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उनका स्थानांतरण करने की मांग किया। भाजपा महामंत्री राजेश साहू व बलराम सिंह ने बताया कि मॉडल विद्यालय बेड़ो के शिक्षक भिंसेंट सोरेन के द्वारा गत दिनों छात्रों को तिलक लगाकर विद्यालय आने पर प्रताड़ित किया गया था। जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त था। इसी मुद्दे को लेकर भाजपा प्रतिनिधि मंडल ने प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुनील कुमार केशरी से मिलकर विरोध जताया। साथ ही शिक्षक पर कार्रवाई करते हुए अविलंब स्थानांतरण करने की मांग किया। जिससे विद्यालय की छवि खराब न हो। मौके पर पूर्व 20 सूत्री अध्यक्ष राजीव रंजन अधिकारीए मंडल अध्यक्ष आलोक मिश्राए जिला परिषद पूर्वी के प्रतिनिधि जगरनाथ भगतए भाजपा ग्रामीण रांची जिला एस टी मोर्चा उपाध्यक्ष भीखा उरांव मौजूद थे।

आरसीबी ने एंडी फ्लावर को मुख्य कोच नियुक्त किया

एजेंसी

बेंगलुरु। जिम्बाब्वे के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एंडी फ्लावर को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले संस्करण से पहले रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। फ्लावर संजय बांगर की जगह लेंगे, जो 2023 आईपीएल तक फ्रेंचाइजी के मुख्य कोच थे। फ्रेंचाइजी ने यह भी पुष्टि की कि बांगड़ के अलावा, क्रिकेट संचालन के निदेशक माइक हेसन भी अपने अनुबंध का नवीनीकरण नहीं कर रहे हैं। आरसीबी के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त होने पर फ्लावर ने कहा, मैं माइक हेसन और संजय बांगड़ द्वारा किये गये काम को पहचानता हूं, ये वो दो कोच हैं जिनका मैं सम्मान करता हूं, और मैं आरसीबी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की चुनौती के लिए तत्पर हूं। मैं फाफ के साथ फिर से जुड़ने के लिए विशेष रूप से उत्साहित हूं। हमने अतीत में एक साथ बहुत अच्छा काम किया है और मैं अपनी साझेदारी और रिश्ते को कुछ बड़ा और बेहतर बनाने के लिए उत्सुक हूं। फ्लावर ने कहा, हमारे पास काम करने के लिए खिलाड़ियों की एक रोमांचक सूची है, और मैं आरसीबी के साथ अद्भुत अवसर के साथ-साथ आने वाली जिम्मेदारी को भी पहचानता हूं, मैं उसका आनंद लूंगा। यह एक बड़ी चुनौती है और मैं इसे शुरू करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता। फ्लावर ने हाल ही में लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच के रूप में काम किया था,

और टीम को आईपीएल 2022 और 2023 में प्लेऑफ तक पहुंचाया था, उनकी जगह अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने ले ली है। फ्लावर ने कोचिंग सर्किट में अपना एक चमकता नाम बनाया है। उन्होंने इंग्लैंड को 2009 और 2013 में घरेलू सरजमीं पर और 2010-11 में ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर एशेज जीत दिलाई थी। वह वेस्टइंडीज में 2010 पुरुष टी20 विश्व कप खिताब जीतने वाली इंग्लिश टीम के भी मुख्य कोच थे। 2014 में इंग्लैंड के मुख्य कोच का पद छोड़ने के बाद, फ्लावर अगले पांच वर्षों के लिए इंग्लैंड के पाथवे सिस्टम में काम करने लगे। इसके बाद उन्होंने नव-निर्मित लखनऊ फ्रेंचाइजी में शामिल होने से पहले दो सीजन के लिए आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए सहायक कोच के रूप में काम किया। उन्होंने पिछले साल मेन्स हंड्रेड में ट्रेंट रॉकेट्स को खिताब दिलाने के अलावा, यूएई की आईएलटी-20 प्रतियोगिता में विजयी हुए गल्फ जायंट्स और इस साल पाकिस्तान सुपर लीग का खिताब जीतने वाली मुल्तान सुल्तांस की टीम के भी मुख्य कोच थे। उन्होंने दो बार कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के फाइनल में पहुंचने वाली सेंट लूसिया किंग्स को भी कोचिंग दी। जून में, फ्लावर भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलियाई शिविर में शामिल हुए और इंग्लैंड में हाल ही में समाप्त हुई एशेज में सलाहकार भूमिका में टीम के साथ थे।

विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स में ज्योति याराजी ने जीता कांस्य

चेंगदू (चीन)। वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स 2023 में शुक्रवार को भारत की ज्योति याराजी ने नया नेशनल रिकॉर्ड दर्ज करने के साथ 12.78 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। ज्योति याराजी ने अपने पिछले रिकॉर्ड 12.82 सेकंड को 0.04 सेकंड से बेहतर किया। यह रिकॉर्ड ज्योति ने अक्टूबर में आयोजित नेशनल ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 में बनाया था।

विलियमसन प्रशिक्षण शिविर में अभ्यास में शामिल हुए

माउंट माउंगानुई। घुटने की चोट से उबरने के बाद केन विलियमसन न्यूजीलैंड टीम के प्रशिक्षण शिविर में शामिल हो गए है। विलियमसन को उनके दाहिने घुटने में क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) के टूटने के कारण कुछ समय के लिए टीम से बाहर कर दिया गया था लेकिन चोट से उबरने के साथ वह नेट्स में गेंदों को हिट कर रहे हैं। शुक्रवार को आइसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया, विलियमसन ने मीडिया को बताया कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी से पहले उन्हें अभी भी थोड़ा काम करना बाकी है।

टी20 श्रृंखला के लिए आयरलैंड टीम घोषित

डबलिन। भारत के खिलाफ 18 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिये आयरलैंड ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। अगले साल होने वाले टी-20 विश्वकप में अपना स्थान सुनिश्चित करने के बाद आयरलैंड टीम पहली बार टी-20 सीरीज खेलेगी। टीम में मुख्य रूप से वे खिलाड़ी शामिल किये गये हैं जो पिछले महीने विश्व कप क्वालिफाइंग अभियान का हिस्सा थे।

भारत और वेस्टइंडीज पर पहले टी20 में धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना

त्रिनिदाद। भारत और वेस्टइंडीज पर गुरुवार को यहां ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी स्टेडियम में खेले गये पहले टी20 मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। आइसीसी मीडिया विज्ञप्ति में शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी। भारत ने अपनी गेंदबाजी पारी के दौरान एक ओवर कम डाला, जिसके कारण उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत कम कर दिया गया। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज ने दो ओवर कम फेंके, जिससे उनके खिलाड़ियों की मैच फीस में दस प्रतिशत की कटौती हुई।

हेल्स ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

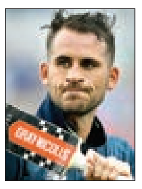

लंदन। इंग्लैंड के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज एलेक्स हेल्स ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से तत्काल प्रभाव से संन्यास की घोषणा की। हेल्स ने अगस्त 2011 में मैनचेस्टर में टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने 11 टेस्ट, 70 एक दिवसीय और 75 टी20 में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर हेल्स की आखिरी प्रभावशाली पारी भी भारत के खिलाफ थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप 2022 के सेमीफाइनल में 47 गेंदों में 86 रन (चार चौके और सात छक्के) की ताबड़तोड़ पारी खेली थी। हेल्स और जोस बटलर (नाबाद 80) ने एडिलेड में 169 रनों का पीछा करते हुए इंग्लैंड को 10 विकेट से जीत दिलाई थी। हेल्स ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। तीनों प्रारूपों में 156 मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

सिंधु का सफर खत्म, प्रणॉय व जावत अंतिम चार में

एजेंसी

सिडनी। भारत की स्टार शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया ओपन 2023 बैडमिंटन प्रतियोगिता क्वार्टर-फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। प्रतियोगिता में पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु को अमेरिका की बेइवेन झांग ने 21-12, 21-17 से हराया। मैच की शुरुआत से ही अमेरिकी खिलाड़ी ने सिंधु पर अपना दबदबा बनाए रखा। बेइवेन झांग ने पहले गेम में 10-5 की बड़ी बढ़त हासिल कर अपनी पकड़ मजबूत कर ली जिसके बाद भारतीय शटलर वापसी करने में असफल रहीं और उन्हें पहले गेम में हार झेलनी पड़ी। इस साल अपने पहले बीडब्ल्यूएफ खिताब.की खोज में जुटी 28 वर्षीय भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी के लिए क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के दूसरे गेम को जीतना काफी अहम हो गया था। बैडमिंटन विश्व रैंकिंग में 17वें नंबर पर काबिज भारतीय शटलर के दूसरे गेम की शुरुआत भी इतनी अच्छी नहीं रही और वह अमेरिकी शटलर से लगातार पिछड़ती रहीं जिसके कारण उन्हें दूसरे गेम में भी हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ इस टूर्नामेंट में उनका सफर भी समाप्त हो गया। उधर, भारतीय शीर्ष पुरुष शटलर एचएस प्रणॉय ने बैडमिंटन विश्व रैंकिंग के दूसरे नंबर के इंडोनेशियाई खिलाड़ी एंथनी सिनिसुका गिंटिंग को 2-1 से हराकर इस बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह सुनिश्चित की। मैच के पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद विश्व रैंकिंग में नौवें नंबर के भारतीय शटलर ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए मैच में 1-1 की बराबरी की। अंतिम और निर्णायक गेम में भारतीय शटलर ने आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए गिंटिंग के खिलाफ शुरुआती बढ़त हासिल की। रोमांचक और तीसरे गेम में शुरुआती बढ़त हासिल करने के बाद, उन्होंने फिर लगातार अपनी बढ़त में इजाफा करते हुए मैच को अपने नाम कर प्रतियोगिता के अगले राउंड में जगह बना ली। एक अन्य पुरुष एकल मुकाबले में 33वें नंबर के खिलाड़ी प्रियांशु रजावत ने विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 19वें नंबर के भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी और हमवतन श्रीकांत को हराकर प्रतियोगिता के सेमी-फाइनल में जगह बनायी।

भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

बर्लिन। भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने मेक्सिको को हराकर विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय टीम में ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर शामिल थे। उन्होंने मेक्सिको को 235.229 से हराया। इससे पहले भारत ने सेमीफाइनल में कोलंबिया और क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे को हराया था।

पार्थिब की हैट्रिक से नॉर्थईस्ट यूनाइटेड की जीत

गुवाहाटी। पार्थिब गोगोई की हैट्रिक की बदौलत मेजबान नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी (एनईयूएफसी) ने 132वें इंडियनऑयल डूरंड कप में शुक्रवार को शिलांग लाजोंग को 4-0 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में असम के पार्थिब गोगोई ने सीनियर स्तर पर अपनी पहली हैट्रिक बनाई। खेल का उद्घाटन असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा ने किया।

तामिम इकबाल कप्तानी छोड़ी, नहीं खेलेंगे एशिया कप

ढाका। बाएं हाथ के बल्लेबाज तामिम इकबाल ने कमर की चोट के कारण एशिया कप से बाहर होने के बाद बांग्लादेश की वनडे टीम की कप्तानी छोड़ दी। एशिया कप 31 अगस्त से दो सितंबर तक पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाएगा। 34 वर्ष के तामिम ने अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान वनडे क्रिकेट को अलविदा कहा था लेकिन बाद में फैसला बदल दिया।

जमशेदपुर एफसी ने युवा फॉरवर्ड मोहम्मद सनन के साथ किया तीन साल का करार

एजेंसी

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी ने तीन साल के लिए युवा फॉरवर्ड मोहम्मद सनन के साथ करार किया है। सनन मुख्य रूप से पिच के बाईं ओर खेलते हैं और स्वाभाविक रूप से आक्रामक खिलाड़ी है जो मौके बनाने और गोल करने में सक्षम है। 19 वर्षीय खिलाड़ी 2016 में रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स (आरएफवाइसी) में शामिल हुए और तब से क्लब के साथ हैं। सनन केरल के रहने वाले हैं और उनके पास प्रभावशाली ड्रिब्लिंग क्षमता है, लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत करके और अपनी तकनीक को बेहतर बनाने के लिए खुद को समर्पित करके अपना नाम बनाया है। सनन को उनके पूर्व क्लब द्वारा मैदान पर और बाहर एक लीडर के रूप में वर्णित किया गया है और वह अपने खेल को और भी बेहतर बनाने के लिए हमेशा सिखने में रुचि रखते हैं। करार पर सनन ने कहा, जमशेदपुर एफसी का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ा क्षण है। टाटा फुटबॉल अकादमी (टीएफए) के गौरवशाली इतिहास के कारण यह क्लब देश में युवा फुटबॉल के लिए शिखर है और मेरा मानना है कि एक खिलाड़ी के रूप में मेरे विकास में यह आदर्श कदम है। मैं इस सीजन में जितना संभव हो उतना सीखने और टीम की मदद करने के लिए उत्सुक हूं। आरएफवाइसी में अपने समय के दौरान सनन को कुछ अविश्वसनीय अनुभव प्राप्त हुए, जिसमें रिलायंस फाउंडेशन प्रीमियर लीग नेक्स्ट जेनरेशन कप में वोल्व्स और एवर्टन में इंग्लिश प्रीमियर लीग के विरोधियों के खिलाफ टीम का प्रतिनिधित्व करने का अवसर भी शामिल था, जहां उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एवर्टन के खिलाफ स्कोर भी किया था।

मुंबई लियोन आर्मी ने सोनू सूद को बनाया अपना ब्रांड एंबेसडर

टेनिस प्रीमियर लीग

एजेंसी

मुंबई। टेनिस प्रीमियर लीग की फ्रेंचाइजी मुंबई लियोन आर्मी ने सीजन पांच से पहले सोनू सूद को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाया है। मुंबई फ्रेंचाइजी के मालिक, स्थापित डायमंड उद्यमी, श्याम पटेल ने टीपीएल के सीजन पांच से पहले सोनू सूद के बोर्ड में आने पर प्रसन्नता व्यक्त की। पटेल ने कहा, सोनू सूद एक प्रतिभाशाली अभिनेता और फिल्म निमार्ता होने के अलावा एक मानवतावादी और परोपकारी व्यक्ति हैं। सोनू जीवन को बदलने के लिए खेल की शक्ति में विश्वास करते हैं और एक फ्रेंचाइजी के रूप में हमें गर्व और खुशी है कि वह आगे चलकर मुंबई लियोन आर्मी का हिस्सा बनेंगे। उनकी उपस्थिति निश्चित रूप से हमारी टीम में ग्लैमर की एक और परत जोड़ेगी और सीजन पांच की शुरुआत के बाद अधिक प्रशंसकों को फ्रेंचाइजी का समर्थन करने का मौका भी देगी, जिससे हमें उम्मीद है कि हमारी फ्रेंचाइजी लीग में जाने और जीतने के लिए प्रेरित होगी। सोनू सूद ने सरकार की पहल, खेलो इंडिया के लिए भी सक्रिय रूप से अपना समर्थन दिखाया है, जिसका उद्देश्य युवाओं के जीवन की शुरुआत में ही खेलों को प्रोत्साहित करना और उन्हें दैनिक जीवन में शामिल करना है। अभिनेता ने मुंबई लियोन आर्मी और टेनिस प्रीमियर लीग का हिस्सा बनने पर कहा, टेनिस प्रीमियर लीग एक अभूतपूर्व टूर्नामेंट है जिसमें तेज गति वाले मैच शामिल हैं जो दर्शकों को लीग देखने के लिए लुभाने के लिए तैयार किए गए हैं। लीग ने पहले ही पिछले चार सीजन में भारत में टेनिस समुदाय को तेजी से बढ़ने दिया है और मुझे मुंबई लियोन आर्मी और पूरी लीग का हिस्सा बनकर खुशी हो रही है। मुझे उम्मीद है कि टीम के डगआउट में मेरी मौजूदगी से उन्हें लीग के पांचवें सीजन में ट्रॉफी जीतने में मदद मिलेगी।

अपहरण मामले में शामिल दो आरोपी गिरफ्तार

छपरा। बिहार में सारण जिले के अमनौर थाना क्षेत्र में पिकअप चालक के अपहरण मामले में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर पिकअप वैन चालक को सकुशल बरामद कर लिया गया है। सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव मंगला ने शुक्रवार को यहां बताया कि कुछ दिन पूर्व जिले अमनौर थाना क्षेत्र के हरनारायण गांव निवासी पिकअप चालक संतोष कुमार से कुछ लोगों ने भाड़ा पर पिकअप वैन से कुछ सामान पड़ोसी जिला वैशाली पहुंचाने के लिए कहा था। बीच रास्ते से ही पिकअप वैन चालक को बंधक बना कर उसका अपहरण कर लिया गया था इस मामले की सूचना मिलने पर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से किशोर की मौत

छपरा। बिहार में सारण जिले के मढ़ौरा थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक किशोर की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को यहां बताया कि रामपुर गन्नी गांव निवासी चंदन कुमार राय गुरुवार की देर शाम को अपने पिता के साथ खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान वह अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आकर घायल हो गया। घायल किशोर को इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया, जहां इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई।

नाबालिग को तस्करों से कराया मुक्त

पूर्वी चंपारण। 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रक्सौल की मानव तस्करी रोधी इकाई ने 10 वर्षीय एक नाबालिग को मानव तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया है। चूंकि, नाबालिग को नेपाल ले जाने वाले तस्कर दूर से निगरानी कर रहे थे। इस वजह से वे पकड़ से बाहर रहे। मानव तस्करी रोधी इकाई को देख भाग निकले। शुक्रवार को इंस्पेक्टर मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि प्रयास संस्था की जिला समन्वयक आरती कुमारी व मानव तस्करी रोधी इकाई ने रक्सौल कस्टम के पास से एक 10 वर्षीय बालक को नेपाल भेजे जाने के क्रम मानव तस्करों के चंगुल से मुक्त करा लिया है। बालक को आगे की करवाई हेतु प्रयास संस्था ने हरैया थाना को सौंपा दिया है। बालक से पूछताछ में जानकारी मिली कि उसे तस्करों ने उसे झांसा दे कर नेपाल के मनोकामना स्थित एक होटल में काम करने ले जा रहे थे। सीमा पार करने के क्रम में मानव तस्कर बालक का पीछा कर रहे थे, नाबालिग एक दिन पहले घर वालों को बिना बताये घर से निकल गया था।

गया में युवक की पीट-पीटकर हत्या

गया। बिहार में गया शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के गंगा महल मोहल्ले में युवक आदित्य कुमार की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस उपाधीक्षक (नगर) पी.एन. साहू ने शुक्रवार को यहां बताया कि 17 वर्षीय युवक आदित्य की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई है। फिर कुछ लोगों के द्वारा शव को उसके घर पर पहुंचा दिया गया। मामले की छानबीन की जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल जो भी दोषी हैं, उन्हें अविलंब गिरफ्तार किया जाएगा।

समस्तीपुर : दो मजदूरों की दम घुटने से मौत

समस्तीपुर। बिहार में समस्तीपुर जिले के नगर थाना क्षेत्र के मगरदही मोहल्ले में शुक्रवार को एक निर्माणाधीन मकान में शौचालय की टंकी के सैंटरिंग खोलने के दौरान दो मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) गोविंद कुमार झा ने यहां बताया कि समस्तीपुर रेल मंडल के कैरिज कंट्रोल में कार्यरत एवं मगरदही मोहल्ला निवासी संजीव कुमार के निर्माणाधीन मकान के शौचालय टंकी का सैंटरिंग खोला जा रहा था तभी जहरीली गैस से दम घुट कर मजदूर सन्नी कुमार एवं अमरजीत कुमार की मृत्यु हो गई। मृत दोनों मजदूर जिले के वैनी गांव का रहने वाला बताया गया है।

विकास और कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण योगदान है रेलवे की प्रगति का : मंत्री गिरिराज सिंह

एजेंसी

बेगूसराय। केंद्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने संसदीय क्षेत्र बेगूसराय में रेलवे के हुए व्यापक प्रगति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव का आभार जताया है। गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को कहा है कि बेगूसराय लोकसभा क्षेत्र ने रेलवे के विकास में उल्लेखनीय उपलब्धियां देखी है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सक्रिय नेतृत्व के लिए आभारी हैं। परिवहन में सुधार, नये रेलवे बुनियादी ढांचे के निर्माण और मौजूदा सुविधाओं को बढ़ाने में हुई प्रगति ने क्षेत्र के विकास और कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव द्वारा किए गए प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव दिख रहा है। यह बेगूसराय में रेलवे को बढ़ाने के लिए उनकी प्रतिबद्धता का परिणाम है। गिरिराज सिंह ने सूची जारी कर कहा है कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में 2621 करोड़ की लागत से गंगा नदी पर मुंगेर में रेल-सह-सड़क पुल का निर्माण पूरा किया गया। दलसिंहसराय से बछवाड़ा एवं बरौनी से उमेशनगर के बीच रेल लाईन का विद्युतीकरण हुआ। बरौनी जंक्शन पर स्थित विभिन्न लाईनों के वाशेबल एप्रॉन का मरम्मत, गुड्स शेड का उन्नयन किया गया। सलौना स्टेशन को आदर्श स्टेशन के रूप में विकसित तथा बछवाड़ा, बरौनी, तिलरथ एवं बेगूसराय में सर्कुलेटिंग एरिया का विकास किया गया। बेगूसराय में नए पीआरएस बिल्डिंग का निर्माण,

बरौनी में पीआरएस तथा यूटीएस काउंटर पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। बरौनी में अतिरिक्त टॉयलेट, बछवाड़ा एवं तेघड़ा में टॉयलेट का पुनर्निर्माण तथा लखमिनिया, दनौली, फुलवरिया एवं साहेबपुर कमाल में नए टायलेट का निर्माण हुआ। बरौनी एवं बेगूसराय स्टेशन पर स्थित वीआईपी लान्ज में एयरकंडीशन एवं एलइडी बेस्ड स्टेशन नेम बोर्ड लगे। तेघड़ा एवं बेगूसराय में प्रतीक्षालय का नवीनीकरण तथा बरौनी में नए प्रतीक्षालय का निर्माण। दिनकर ग्राम सिमरिया, बरौनी बाईपास, तिलरथ, दनौली फुलवरिया, बेगूसराय, साहेबपुर कमाल, लखमिनिया, बरौनी फ्लैग, तेघड़ा, बछवाड़ा एवं साठा जगत स्टेशनों पर वाई-फाई है। बरौनी स्टेशन पर दो लिफ्ट तथा लखमिनिया, बछवाड़ा, लाखो एवं उमेश नगर स्टेशनों पर प्लेटफार्म शेल्टर का निर्माण हुआ। तिलरथ में नए फ्रेट टर्मिनल का निर्माण किया गया। साहेबपुर कमाल, लखमिनिया, लाखो स्टेशन पर प्रतीक्षालय एवं बुकिंग काउंटर का उन्नयन तथा बेगूसराय में एक नए पैदल उपरि पुल का निर्माण किया गया। बरौनी में यात्री कोचों में तेजी से पानी भरने के लिए क्वीक वाटरिंग सिस्टम की सुविधा शुरू हुई। सभी स्टेशन पर यात्री सुविधा में विस्तार के लिए कई अन्य कार्य किए गए हैं। गिरिराज सिंह ने कहा है कि इसके अलावा रामपुर डुमरा-टाल, राजेंद्र पुल खंड का दोहरीकरण एवं सिमरिया में गंगा नदी पर डबल लाइन का नया रेल पुल बन रहा है। बरौनी-समस्तीपुर रेलखंड के बछवाड़ा-साठाजगत के बीच समपार फाटक संख्या-25 (सी) पर लिमिटेड हाइट सब-वे का निर्माण तथा बरौनी स्टेशन पर दो लिफ्ट का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। जबकि प्रस्तावित कार्यों में बरौनी स्टेशन पर दो एस्कैलेटर एवं दो लिफ्ट तथा आरपीएसएफ जवानों के लिए रहने के लिए गढ़हरा में आवास का निर्माण है। बरौनी जंक्शन पर प्लेटफॉर्म सरफेस एवं टॉयलेट का उन्नयन।

चैंपियंस ट्रॉफी

पाकिस्तान-अफ्रीका 1-1 की बराबरी पर, मलेशिया की जीत

चेन्नई। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में शुक्रवार को यहां दक्षिण कोरिया और पाकिस्तान के बीच रोमांचक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। उधर एक अन्य मैच में मलेशिया ने चीन को 5-1 से रौंद कर लगातार दूसरी जीत हासिल की। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में पाकिस्तान और गत चैंपियन दक्षिण कोरिया ने एक दूसरे के खिलाफ एक एक गोल किया। मैच के 35वें मिनट में अब्दुल शाहिद ने दक्षिण कोरिया की रक्षा पंक्ति को छकाते हुये शानदार गोल किया जिसके बाद कोरिया ने पाकिस्तान पर जवाबी हमले किये मगर सफल नहीं हुये। हाफ टाइम तक पाकिस्तान की टीम 1-0 से आगे थी।

पूर्व एमएलसी के बेटे की ब्रेन हेमरेज से मौत

पटना। पूर्व एमएलसी और लोजपा (रामविलास) के नेता हुलास पांडेय के बड़े बेटे अक्षत की ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई है। अक्षत शुक्रवार सुबह घर के बाथरूम में गिर गया। परिजनों ने उसे आनन-फानन में पारस अस्पताल में दाखिल कराया। डॉक्टरों के अनुसार अक्षत कई प्रकार की चुनौतियां झेल रहा था, जिसमें श्वसन सम्बंधी विकार शामिल था। इसके बीच उसके नाक और कान से खून आ रहे थे। उसे चिकित्सकों ने आईसीयू में भर्ती किया और इलाज शुरू किया गया लेकिन कुछ घंटे में ही अक्षत की मौत हो गयी। डॉक्टरों ने मौत की वजह ब्रेन हेमरेज बताया है। पुलिस के सामने ही पूर्व एमएलसी के समर्थक बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को लेकर चले गए। अक्षत तीन भाई बहन में सबसे बड़ा था।

हत्या आरोपी के घर चिपका कुर्की का इस्तेहार

नवादा। नवादा में फरार चल रहें आरोपियों पर शिकंजा के लिए पुलिस की कुर्की जब्ती की कार्रवाई जारी है वहीं जिले के वारिसलीगंज थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव में शुक्रवार को एक बुजुर्ग दंपति पुलिस प्रशासन से न्याय की गुहार लगा रहे है। पीड़ित बुजुर्ग दंपति ने बताया की हमारे घर में पुलिस द्वारा कुर्की का एक इश्तहार चिपकाया गया है और दो दिन के अंदर हत्या मामले में फरार चल रहा सुधांशु कुमार उर्फ लाला पिता अनिल सिंह को थाने या न्यायालय में खुद को आत्मसमर्पण के लिए, पुलिस अल्टीमेटम दिया गया है। पीड़ित बुजुर्ग दंपति ने बताया कि पूर्व में तीन बेटों के बीच लिखित बटवारा किया जा चुका है। घर बटवारा के बाद भी पुलिस द्वारा घर में कुर्की का इश्तेहार चिपका दिया गया है। पीड़ित दंपती बुजुर्ग ने बताया कि फरार चल रहे अनिल सिंह का पुत्र सुधांशु कुमार उर्फ लाला का अब ये घर में कोई हिस्सा नहीं है। इनलोगो को पूर्व में ही लिखित बटवारा कर गांव में ही परती जमीन और 2 लाख रुपए नगद देकर घर के हिस्से से बेदखल कर दिया गया है। तब भी पुलिस घर में कुर्की का इश्तेहार चिपका कर घर के दरवाजे पर चार चौकीदार की तैनाती कर दी गई है। बता दे पूर्व में वारिसलीगंज थाना क्षेत्र में हनुमान नगर में अज्ञात बदमाशों द्वारा 11 जुलाई की

शाम नवनिर्मित मकान के दरवाजे पर बैठे एक बुजुर्ग रिटायर्ड लिपिक उपेंद्र सिंह को अज्ञात बदमाशों द्वारा सीने और आंख में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बाद में मृतक के भाई द्वारा अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध प्राथमिकी करायी दर्ज की गई थी वहीं पुलिस त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के छ दिन बाद ही हत्या में शामिल शेखपुरा जिले के शेखपुर सराय थाना क्षेत्र के ओनमा ग्रामीण महेश कुमार सिंह के पुत्र राहुल सिंह को गिरफ्तार किया है। बाद में आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोडेड देसी कट्टा, एक जिंदा कारतूस एवं एक खोखा को पुलिस ने बरामद किया है। जबकि घटना में प्रयुक्त हथियारों के साथ एक एंड्रॉइड मोबाइल तथा अपाची बाइक आदि को बरामद किया था।

इंडिया गठबंधन के प्रभाव का नतीजा है एनडीए की बैठक: संजय झा

पटना। जल संसाधन मंत्री संजय झा ने कहा कि जुलाई माह में अनुमान के मुताबिक 48 फीसदी कम बारिश हुई है, जो चिंता का विषय है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं इस पर नजर बनाए हुए हैं। सोन, गंडक और कोशी में अत्यधिक पानी पहुंचाने का कार्य भी प्रगति पर है। ज्यादातर जगहों पर सरकार नहर के द्वारा पानी पहुंचा रही है। वह शुक्रवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए संजय झा ने कहा कि अभी तक केंद्र की ओर से किसी भी तरह का कोई सहयोग प्राप्त नहीं हुआ है। बिहार सरकार अपने क्षमतानुसार किसानों को सुविधा पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। एनडीए गठबंधन की लगातार हो रही बैठक पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि इतने वर्षों में कभी भी एनडीए गठबंधन की बैठक नहीं बुलाई गई थी लेकिन इंडिया गठबंधन की ताकत से घबराई हुई भाजपा ने एनडीए गठबंधन का बैठक बुलाने का निर्णय लिया। झा ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी विपक्षी दलों को एक मंच पर जुटाने का जो मुहिम शुरू किया था वह अब रंग ला रही है। भाजपा के लोग सोचते थे कि विपक्षी दलों को एकजुट करना मुश्किल काम है लेकिन आज विपक्षी पार्टियों की एकजुटता का ही प्रभाव है कि भाजपा अपने घटक दलों के साथ बैठक करने पर मजबूर हो रही है। मुख्यमंत्री ने बिहार में कानून का शासन स्थापित कर पूरे देश में संदेश दिया। हमारे यहां पुलिस वालों को फर्जी एनकाउंटर करने की छूट नहीं दी जाती है। मुख्यमंत्री के सुशासन का ही प्रमाण है बिहार में कर्फ्यू लगाए एक जमाना हो गया।

स्पीड न्यूज

सातवीं जिला ताइक्वांडो चौंपियनशिप का आयोजन

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। जिला ताइक्वांडो संघ के तत्वाधान में 6 अगस्त को मॉडर्न पब्लिक स्कूल के प्रांगण में सातवीं जिला ताइक्वांडो चौंपियनशिप 2023-24 का आयोजन किया जा रहा है। उक्त जानकारी जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक कुमार वर्णवाल ने दी। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में मॉडर्न पब्लिक स्कूल, डीएवी पब्लिक स्कूल, आरपी.मोदी इंटरनेशनल हाई स्कूल, गांधी हाई स्कूल, द-आरबीएस स्कूल, कोडरमा थर्मल प्लांट, ताइक्वांडो एकैडमी, डोमचांच, कोडरमा, चंदवारा आदि के करीब 250 से 300 खिलाड़ी शामिल होंगें। प्रतियोगिता का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि जिला खेल पदाधिकारी कैलाश राम करेंगे। जबकि समापण समारोह में बतौर मुख्य अतिथि एसपी कुमार गौरव शामिल होंगे। प्रतियोगिता में मुख्य रेफरी की भूमिका राजेंद्र कुमार निभाएंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन में राज्य के कई रेफरी को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक संगीता शर्मा, चेयरमेन शलेन्द्र कुमार, उपाध्यक्ष संजय कुमार, आकाश चंद्रा, कोषाध्यक्ष प्रवीण जोशी, सीनियर प्रशिक्षक परवीन कुमार आदि की महत्वपूर्ण भूमिका है।

ज्ञान संकल्प लाइब्रेरी के अंकिता ने एग्जीक्यूटिव ऑफिसर में पाई सफलता

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। शहर के पानी टंकी रोड स्थित ज्ञान संकल्प लाइब्रेरी के छात्रा ने आईडीबीआई बैंक में एग्जीक्यूटिव ऑफिसर में सफलता पाई। बता दें कि अंकिता कुमारी झुमरीतिलैया की रहने वाली है, वो खुद पढ़ाई कर यह सफलता पाई है। ज्ञान संकल्प लाइब्रेरी में अक्टूबर माह से लगतार तैयारी कर रही थी, जिसके बाद अंकिता ने इस परीक्षा में सफलता पाई है। इस दौरान ज्ञान संकल्प लाइब्रेरी के संचालक अजय कुमार ने छात्रा अंकिता कुमारी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अंकिता शुरू से ही पढ़ाई को लेकर बहुत ही ज्यादा समर्पित थी, उसकी कड़ी मेहनत तथा लगन देखकर सारे विद्यार्थी मोटिवेट होते थे।

लिंग परीक्षण करने वाला व कराने वाला दोनों कानूनन दोषी : अरुण

जयनगर (कोडरमा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वधान में कटाडीह पंचायत भवन में शुक्रवार को चलंत लोक अदालत सह विद्युत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कट्ठाडीह पंचायत की मुखिया शाइस्ता खानम ने किया। जबकि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एलडीसीएस के अधिवक्ता अरुण कुमार ओझा उपस्थित थे। वहीं उन्होंने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या एक जघन्य अपराध है। इसमें शामिल लोगों के लिए कानून में कड़ी सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि लिंग परीक्षण करना और कराना दोनों अपराध की श्रेणी में आता है, इसके लिए कानून में सजा का प्रावधान है। इसलिए कानून की जानकारी हर व्यक्ति के लिए आवश्यक है। मौके पर एमओ जयनगर, समीम खान, अमानत खान, हफीज मुख्तार खान, डॉ. अनवर सफी, जुबेर खान, कई कर्मचारी, पंसस, रोजगार सेवक, सहीया, सेविका-सहायिका सहित दर्जनों महिला एवं पुरुष मौजूद थे।

समय पर वेतन नहीं मिलने से शिक्षकों में भारी रोष

सतगावां (कोडरमा)। प्रखंड के मध्य विद्यालय बासोडीह में गुरुवार को अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक अजप्ता के प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमे विभिन्न समस्यायों पर विचार विमर्श किया गया। वहीं शिक्षकों ने रोष जाहिर करते हुए कहा की शिक्षकों को प्रत्येक माह के पहली तारीख को वेतन भुगतान होता था, मगर कुछ माह से नही किया जा रहा है। आदेश का उल्लंघन करते हुए होली एवं ईद के मौके पर भी समय से वेतन भुगतान नहीं कराया गया। वहीं ई-विद्यावाहिनी में लेकेशन अपडेट गड़बड़ी के कारण शिक्षकों का हाजिरी बनाने के बाबजूद नही दिख रहा है, जिसके कारण वेतन बाधित किया जा रहा है।

राहुल गांधी को मिली राहत से चाईबासा में

कांग्रेसियों ने किया खुशी का इजहार

खबर मन्त्र संवाददाता

चाईबासा। कांग्रेस ने 'मोदी उपनाम' से संबंधित टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर उच्चतम न्यायालय द्वारा रोक लगाए जाने का स्वागत करते हुए शुक्रवार शाम को पश्चिमी सिंहभूम जिला मुख्यालय चाईबासा शहर में आतिशबाजी कर विजय जुलूस निकालकर आमजनों के बीच लड्डू वितरित कर खुशी जताया है। कांग्रेसियों ने कहा कि यह सत्य और न्याय की जीत है तथा जनता की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। उच्चतम न्यायालय ने 'मोदी उपनाम' को लेकर की गई कथित विवादित टिप्पणी के संबंध में 2019 में दर्ज आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाते हुए शुक्रवार को उनकी लोकसभा की सदस्यता बहाल करने का रास्ता साफ कर दिया। राहुल गांधी केरल की वायनाड संसदीय सीट का प्रतिनिधित्व करते है। खुशी का इजहार करते हुए कांग्रेसियों ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का फैसला सत्य और न्याय की मजबूत पुष्टि है। भाजपा की मशीनरी के अथक प्रयासों के बावजूद राहुल गांधी ने न्यायिक प्रक्रिया में अपना विश्वास रखने का विकल्प चुनते हुए झुकने से इनकार कर दिया है।

कांग्रेसियों ने कहा कि भाजपा की विफलताओं को उजागर करना जारी रखेंगे। हम अपने संवैधानिक आदर्शों को कायम रखेंगे और अपनी संस्थाओं में विश्वास बनाए रखेंगे जिन्हें भाजपा बेताबी से नष्ट करना चाहते है।

मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ चंपिया, महिला कांग्रेस अध्यक्ष नितिमा बारी, लक्ष्मण हासदा, त्रिशानु राय, विश्वनाथ तामसोय, रंजीत यादव, जंग बहादुर, रितेश तामसोय, सन्नी पाट पिंगुवा, घनश्याम गागराई, कैरा बिरुवा, जितेन्द्र नाथ ओझा, आनंद सिंकु, जाम्बी कुदादा, दीनबंधु बोयपाई, बालेमा कुई, इम्तियाज खान, शंकर बिरुली, मो.सलीम, मोहन सिंह हेम्ब्रम, लियोनार्ड बोदरा, मिली बिरुवा, ललित कर्ण, सनातन बिरुवा आदि उपस्थित थे।

ललन सिंह के बयान पर भड़के चिराग, कहा

भाजपा का आशीर्वाद था कि नीतीश सीएम बनाये गये

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिलने के बाद लोजपा रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने शुक्रवार को कहा यह न्यायालय का मामला है, सजा देने का काम भी कोर्ट ने किया था। यह न्यायिक प्रक्रिया का एक हिस्सा है अगर कुछ तथ्य और सामने आएंगे तो न्यायालय इस पर फैसला लेगा। वहीं ललन सिंह के बयान पर चिराग पासवान ने कहा राजनीति में षड्यंत्र करके किसी के ऊपर बयानबाजी करना ये तो समझ में आता है, लेकिन न्यायिक मामले पर सवाल खड़ा करना उचित नहीं है। वहीं, आगे उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का आशीर्वाद था कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया गया।

विपक्ष को घेरा : चिराग पासवान ने कहा कि संसद में जितनी ज्यादा बहस हो उतना अच्छा है।

मणिपुर मामले पर भी बहस करना चाहते थे लेकिन विपक्ष ने हमेशा पेंच फंसा कर रखा कि प्रधानमंत्री जब तक जवाब नहीं देंगे तब तक बहस नहीं होगी।

अविश्वास पत्र लाने का सिर्फ एक कारण है कि प्रधानमंत्री को बोलने के लिए बाध्य करना चाहते थे। विपक्ष राजनीति करने के लिए मुद्दों को उठाते तो हैं लेकिन उसके समाधान पर काम नहीं करते।

कांग्रेस के नेताओं का पर्चा लेकर घूमते थे : वहीं, दिल्ली ट्रांसफर पोस्टिंग मामले को लेकर गृह मंत्री द्वारा पेश किए गए बिल पर लोजपा रामविलास के अध्यक्ष ने कहा कि विपक्ष की उपस्थिति दिखाती है कि कितना सोचते हैं, कांग्रेस के नेताओं का पर्चा लेकर घूमते थे कि वह भ्रष्टाचारी हैं, आज उन्हीं का संरक्षण करने के लिए तमाम विपक्षी दल एक साथ हुए और उसके ऊपर बहस हो रही है.

ललन सिंह के बयान पर साधा निशाना : जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह की भाषा पर भी सवाल खड़ा करते हुए चिराग ने कहा कि जिस तरह की भाषा का प्रयोग ललन सिंह ने संसद में किया यह दशार्ता है कि सदन में नहीं बल्कि सड़क पर किसी से बहस कर रहे हो, जिनके साथ पिछले 15 सालों से राजनीति में सक्रिय हैं। मुख्यमंत्री बनते रहे पिछले 2 साल की बातों को छोड़ दिया जाए तो उसके बावजूद भी उसी पर सवाल खड़े करते हुए नजर आते हैं।

राहुल गांधी को लेकर 'सुप्रीम फैसला' पर राबड़ी देवी ने दी प्रतिक्रिया, 'आइएनडीआइए' पर कही बड़ी बात

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल करने को लेकर सुप्रीम कोर्टके फैसले के बाद पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शुक्रवार को राजनीतिक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि न्यायालय के फैसले का स्वागत करती हूं। लोकतंत्र की जीत हुई है। बहुत खुशी की बात है कि राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। राहुल गांधी के फेवर में फैसला दिया गया है।

सब के फेवर में फैसला है। अब 'आइएनडीआइए' गठबंधन और मजबूती से काम करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। उच्चतम न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाल करने का मार्ग प्रशस्त करते हुए मोदी उपनाम को लेकर की गई टिप्पणी के संबंध में 2019 में उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक मानहानि मामले में शुक्रवार को उनकी दोषसिद्धि पर रोक लगा दी। वहीं, इस फैसले के बाद कांग्रेस नेताओं ने स्वागत करते हुए जश्न मनाया।

गोइलकेरा में इस्पात और उत्कल एक्सप्रेस के ठहराव की मिली मंजूरी

पूर्व विधायक गुरूचरण नायक ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी, कहा सोनुवा में भी जल्द होगा ट्रेनों का ठहराव, रेलवे बोर्ड ने जारी की अधिसूचना

खबर मन्त्र संवाददाता

चक्रधरपुर। गोइलकेरा वासियों के लिए खुशखबरी है। कोरोना काल से बंद पड़े ट्रेन संख्या-12871 एवं 12872 हावड़ा टिटलागढ़ एक्सप्रेस तथा ट्रेन संख्या-18477 एवं 18478 पुरी ऋषिकेश योगनगरी उत्कल एक्सप्रेस का ठहराव मिल गया है।

यह जानकारी मनोहरपुर के पूर्व विधायक गुरूचरण नायक ने शुक्रवार प्रेस वार्ता में दी। रेल मंत्रालय के संयुक्त निदेशक कोचिंग विवेक कुमार सिन्हा द्वारा जारी पत्र का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा का प्रयास रंग लाया और गोइलकेरा में कुर्ला एक्सप्रेस और साउथ बिहार एक्सप्रेस के बाद और दो ट्रेनों की सौगात मिल गई है। हालांकि सोनुवा के संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सोनुवा भी हमारी प्राथमिकता सूची में है। जल्द ही सोनुवा में भी ट्रेनों का ठहराव मिलेगा। इसके लिए भाजपा और स्वयं वह प्रयासरत है। रेल मंत्रालय के संयुक्त निदेशक कोचिंग विवेक कुमार सिन्हा द्वारा जारी पत्र में ट्रेन संख्या-12871 एवं 12872 हावड़ा टिटलागढ़ एक्सप्रेस तथा ट्रेन संख्या-18477 एवं 18478 पुरी ऋषिकेश योगनगरी उत्कल एक्सप्रेस का ठहराव प्रायोगिक तौर पर दिये जाने की बात कही गई है। साथ ही कहा गया है कि जल्द ही इससे संबंधित ठहराव की तिथि की घोषणा की जाएगी। गोइलकेरा में दो और ट्रेनों का ठहराव मिल जाने से ग्रामीणों में हर्ष का माहौल है। प्रेसवार्ता में चक्रधरपुर के पूर्व विधायक शशिभूषण सामाड, राज्य अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अशोक षाड़ंगी, शेषनारायण लाल, जितेंद्र प्रधान आदि उपस्थित रहे।

ठहराव को लेकर लगातार प्रयासरत रहे है गुरूचरण नायक : सोनुवा व गोइलकेरा में ट्रेनों के ठहराव को लेकर पूर्व विधायक गुरूचरण नायक लगातार प्रयासरत रहे है। इसे लेकर वह कई बार दिल्ली भी गए थे। पिछले दिनों सोनुवा दौरे पर आए रेल राज्य मंत्री राव साहेब पाटिल दानवे के समक्ष भी प्रमुखता से इस मुद्दे को रखा था। यहीं नहीं वह लगातार डीआरएम सहित रेल अधिकारियों से वार्ता एवं पत्राचार भी करते रहे है।

झामुमो जिला जिलाध्यक्ष ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। झामुमो जिला जिलाध्यक्ष बीरेंद्र पाण्डेय ने शुक्रवार को सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सदर अस्पताल के ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भर्ती मरीजों से अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली एवं सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया। हालांकि अस्पताल की साफ-सफाई पर चिंता जाहिर किया। निरीक्षण के पूर्व जिला अध्यक्ष ने सिविल सर्जन कार्यालय पहुंचे, जहां सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार और डीपीएम महेश कुमार नदारद मिले। जिसके बाबत पूछताछ की गई की तो पता चला कि सिविल सर्जन डॉ.अनिल कुमार फेयरवेल पार्टी में गए है, जबकि डीपीएम ट्रेनिंग में गए हुए हैं। वहीं निरीक्षण के दौरान सदर हस्पिटल कैंपस के अंदर नगर पंचायत कोडरमा के द्वारा आम जनता की सुविधा के लिए शौचालय बनाया गया था, जहां ताला बंद पाया गया, जिस पर झारखंड मुक्ति मोर्चा नेताओं ने नगर प्रशासक कोडरमा से दूरभाष पर बात करते हुए त्वरित कार्रवाई करने की मांग की तथा उक्त शौचालय को आम जनता की सुविधा के लिए ताला खोलने की बात कही गई। वहीं अस्पताल के निरीक्षण के क्रम में बिजली की समस्या सामने आई, जिस पर यदि समय रहते बिजली समस्या पर त्वरित कार्रवाई नहीं की जाती है और सुधार नहीं होती है ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री झारखंड सरकार को इसकी सूचना दी जाएगी। मौके पर बैजनाथ मेहता, अशोक कुमार, संजय साजन, अशोक सिंह, नंदकिशोर मेहता, धर्मेंद्र कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

झामुमो युवा मोर्चा का डंडा प्रखंड कमेटी गठित

गुड्डू अध्यक्ष, नरेश बने प्रभारी

नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ केंद्रीय प्रवक्ता धीरज

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। झामुमो के डंडा प्रखंड इकाई की डंडा पंचायत सचिवालय परिसर में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में डंडा प्रखंड झामुमो युवा कमेटी का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से गुड्डू कुमार गुप्ता को डंडा झामुमो युवा मोर्चा का प्रखंड अध्यक्ष चयनित किया गया। साथ ही श्रीकांत गुप्ता, अमित कुमार मेहता, त्रिवेणी चौधरी, हरिहर ठाकुर, उदय चौधरी को उपाध्यक्ष, ललन चौधरी को सचिव, नंद किशोर चौधरी को कोषाध्यक्ष, अमरीका चौधरी को सह सचिव, रामाशीष चौधरी को मीडिया प्रभारी बनाया गया।

गढ़वा रेलवे स्टेशन की बदलेगी सुरत, 25 करोड़ की लागत से होगा सौंदर्यीकरण

खबर मन्त्र संवाददाता

प्रेस कांफ्रेंस करते लोग

गढ़वा। गढ़वा रेलवे स्टेशन की जल्द ही सूरत बदलेगी। 25 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन का कायाकल्प किया जाएगा। 6 अगस्त को पीएम नरेंद्र मोदी गढ़वा रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण कार्य का ऑनलाइन शुभारंभ करेंगे। इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों के अलावे रेलवे के कई आला अधिकारी मौजूद रहेंगे।

पीएम मोदी द्वारा किये जाने वाले शुभारंभ कार्यक्रम का बड़े स्क्रीन पर गढ़वा के प्लेटफार्म नंबर-1 पर प्रसारण किया जाएगा। गढ़वा रेलवे स्टेशन की सूरत बदलने को लेकर रेलवे द्वारा पहले फेज का टेंडर भी जारी कर दिया गया है। चोपन रेलखंड के सहायक विद्युत अभियंता कुमार मयंक ने शुक्रवार को गढ़वा रेलवे स्टेशन परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने अमृत भारत स्टेशन स्किम के तहत देश के प्रमुख रेलवे स्टेशनों की सूरत बदलने, सुंदरीकरण और यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए बजट में प्रावधान किया है। इसी स्किम के तहत गढ़वा रेलवे स्टेशन की सूरत बदलने वाली है।

रेलवे द्वारा स्टेशन के नवनिर्माण करने के लिए डिजाइन भी तैयार कर लिया गया है। रेलवे स्टेशन का बनने वाला भवन पूरी तरह आधुनिक होगा। इसके अलावे पार्क, प्लेटफर्म, फुटओवर ब्रिज, पर्किंग, पेयजल, फूडकोर्ट, प्लेटफर्म की लंबाई बढ़ाने, यात्री शेड सहित कई काम किया जाना है। मौके पर डाल्टनगंज के सहायक शंभू नाथ, भूपेंद्र कुमार, स्टेशन प्रबांक चंद्र भूषण कुमार, ट्रैफिक इंस्पेक्टर विजय प्रकाश आदि उपस्थित थे।

एक नजर में

गरीब के मकान पर गिरा पेड़ बेघर हुआ पूरा परिवार

सेन्हा-लोहरदगा। सेन्हा प्रखंड क्षेत्र के बुटी पंचायत ग्राम निवासी मनुक राज यादव की पत्नी मानती देवी के कच्चा मकान पर तेज हवा व बारिश के कारण आम पेड़ टूट कर गिर गया.जिससे मकान क्षतिग्रस्त हो गया.वही मकान छतिग्रस्त होने से परिवार के बीच रहने की समस्या बना हुआ है। घटना में महिला मानती देवी को अंदरूनी चोटें आई है। बताया जाता है कि मनुक राज यादव के घर में आम पेड़ गिरने से परिवार के बीच रहने की समस्या उतपन्न हो गई है.घटना को लेकर पीड़ित परिवार द्वारा अंचलाधिकारी विजय कुमार एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी अशोक कुमार चोपड़ा को अवगत कराते हुए परिवार के बीच बनी समस्या को निदान का गुहार लगाया गया है.इस संदर्भ में अंचलाधिकारी विजय कुमार ने कहा कि मकान पर पेड़ गिरने की सूचना प्राप्त हुआ है। जिसका जांच किया जा रहा है और जांचोपरांत पीड़ित परिवार को सरकारी सहायता प्रदान किया जाएगा।

शहर के जाने माने पुरोहित शिवचरण पंडित के निधन पर शोक की लहर

गुमला। गुमला शहर के जाने माने पुरोहित शिवचरण पांडेय के निधन से जिले में शोक की लहर है। शिवचरण साहु 96 वर्ष के थे। गुरूवार की रात घाटो बगीचा स्थित आवास में उनका निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मुरकुंडा में हुआ। निधन के बाद उनके पार्थिव शरीर को वाहन में रखकर शहर में परिभ्रमण कराया गया। कचहरी परिसर में उनके अंतिम दर्शन के लिए अधिवक्ताओं की कतार लग गई। गुमला शहर व आस-पास के सभी सनातन परिवार के घरों में उन्होंने विभिन्न पूजा अनुष्ठान कराये थे। उनका पूरे जिले के लोग सम्मान करते थे। आजीवन स्व. शिवचरण पंडित धर्म की राह पर चलें। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। मुरकुंडा स्थित घाट पर उनके बड़े पौते शेखर पंडित ने मुख्यागिनी दी। उनके निधन पर सांसद प्रतिनिधि भोला चौधरी, संजय वर्मा, हरिओम वर्मा, राजू वर्मा, शंकर सोनी, मनोज गुप्ता, आदित्य गुप्ता, अजीत विश्वकर्मा आदि लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

पुरोहितों के संरक्षक थे संत जॉन मेरी वियनी: फादर पंखरासियुय

रायडीह। जय किसान उच्च विद्यालय मांझाटोली में शुक्रवार को संत जॉन मेरी बियानी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमे सवर्प्रथम मिस्सा पुजा का अनुष्ठान किया गया। मिस्सा पूजा में शामिल लोगों को संबोधित करते हुए फादर पंखरासियुस केरकेट्टा ने कहा संत जोन मेरी वियनी का जन्म फ्रांस में हुआ था। उस समय फ्रांसिसी क्रांति चल रहा था। बिपरीत परिस्थिति में मेरी बियानी पुरोहित बना और आर्स नामक पल्ली में कार्य किया। वहां कि स्थिति बिपरीत थी तब भी उन्होंने उस क्षेत्र में धर्म ज्ञान की अलख दीप जलाकर आदर्श नमूना पेश किया। मिस्सा पुजा के बाद पुरोहितों को और अतिथियों को स्कूली छात्रों के द्वारा परिघाते हुए मंच तक लाया गया। मंच में धर्म संघी पुरोहितों के द्वारा केक काट कर संस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के छात्र छात्राओं के द्वारा एक से एक बढ़कर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से फा सिरिल कुल्लू,फा बिजय तिग्गा,फा सिप्रियन कुजूर,फा मेथेडियुस,फा रंजन एक्का,सि सुशीला,सि अनी मिंज सि रजनी कुल्लू,सि सलोमी, जिला परिषद सदस्य रश्मि मिंज,रजत मिंज, नोर्बट कुजूर, अजित कुजूर,जुस्टीन एक्का,गिरजानंद पाण्डेय, रामू तिर्की पिलातुस खलखो, प्रेम बाड़ा रामनाथ साहू ज्योति केरकेट्टा,संत अन्ना,हाली क्रास,की धर्म बहनों समेत कई गणमान्य लोग, छात्र मौजूद थे।

अन्तर्राष्ट्रीय पारा थ्रो बॉल में देश को गोल्ड दिलाने वाली असुंता को डीसी ने किया सम्मानित

गुमला। मलेशिया में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय पारा थ्रो वॉल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता 2023 में भाग लेकर गुमला की बेटी अंसुता टोप्पो ने देश को स्वर्ण पदक प्राप्त दिलाया। जिले की बेटी की सफलता पर शुक्रवार को उपायुक्त श्री कर्ण सत्यार्थी द्वारा असंतु टोप्पो को शॉल एवं बुके देकर सम्मानित किया गया एवं उनकी सफलता के लिए बधाई दी। साथ ही उन्होंने स्वर्ण पदक विजेता बेटी का मनोबल बढ़ाते हुए आने वाले भविष्य में और बेहतर करने हेतु शुभकामनाएं दी। मौके पर जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बुन भी मौजूद थी।

राहुल गांधी की सजा पर रोक नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत: नेसार अहमद

लोहरदगा। सुप्रीम कोर्ट ने मोदी उपनाम से जुड़ी टिप्पणी को लेकर 2019 में दायर आपराधिक मानहानि मामले में राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगा दी। दोषसिद्धि पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने का स्वागत करते हुए शुक्रवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस के डेलीगेट नेसार अहमद ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर रोक नफरत के खिलाफ मोहब्बत की जीत और यह न्याय की जीत हुई है। उन्होंने कहा कि कोई भी ताकत जनता की आवाज को नहीं दबा सकती।

पेज एक का शेष

कोई अपराधी नहीं ...

परिजनों ने सीएम से मिलकर कहा कि पूरे परिवार का भरण-पोषण करने वाला सुभाष ही था। उसकी हत्या से पूरा परिवार असहाय हो गया है। परिजनों ने कहा कि सुभाष मुंडा एक सामाजिक व्यक्ति थे। सदैव दूसरों की मदद के लिए तत्पर रहते थे। पिता ललित मुंडा एवं माता छोटन देवी ने मुख्यमंत्री से उनके परिवार के प्रति राज्य सरकार की ओर से मदद किये जाने का अनुरोध भी किया।

सरकार गंभीर : मुख्यमंत्री ने सुभाष मुंडा के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने इस हत्याकांड को अति गंभीरता से लिया है। हत्या में शामिल कई अपराधी पकड़े जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने माता-पिता को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार आपके साथ है और हर हाल में न्याय मिलेगा। सुभाष मुंडा की हत्या से संबंधित प्रत्येक बिंदु पर अनुसंधान जारी है। पुलिस द्वारा किये जा रहे अनुसंधान को लेकर मैं लगातार पदाधिकारियों के संपर्क में रहा हूं।

झारखंड के 20...

इसके अलावा , महाराष्ट्र के 44, मध्य प्रदेश के 34, असम के 32, ओडिशा के 25, पंजाब के 22, गुजरात और तेलंगाना के 21-21, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के 18-18 स्टेशन शामिल हैं। इनमें हरियाणा के 15 और कर्नाटक के 13 स्टेशन भी शामिल हैं।

आज जारी होगा...

हालांकि पहली बार ऐसा हुआ है कि इस परीक्षा को लेकर किसी ने भी प्रश्न और उत्तर की गलतियों पर उंगली उठाई हो। अब आकलन परीक्षा का आंसर की जारी होने और ओएमआर शीट अपलोड कर दिये जाने सब कुछ साफ हो जायेगा।

81 केंद्रों पर हुई थी आकलन परीक्षा : जैक की ओर से आयोजित इस परीक्षा के लिए राज्य भर में 81 केंद्र बनाये गये थे। इन केंद्रों पर लगभग 43000 पारा शिक्षक शामिल हुए थे। इस परीक्षा में वैसे पारा शिक्षक शामिल हुए थे, जिन्होंने पात्रता परीक्षा पास नहीं की है। इस परीक्षा को पास करने के बाद उनके मानदेय में 10 फीसदी की बढ़ोतरी की जायेगी। जैक की ओर से पारा शिक्षकों के लिए आयोजित परीक्षा में किसी भी स्कूल को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया गया था। साफ-सुथरी परीक्षा के लिए सिर्फ कॉलेजों में ही परीक्षा केंद्र बनाया गया था ।

मणिपुर पर भारी हंगामे के बीच लोकसभा में दो विधेयक पारित

सैन्य सेवाओं में अनुशासन बढ़ेगा : राजनाथ

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को विपक्ष के हंगामे के बीच द इंटर सर्विसेज आर्गनाइजेशन (कमांड कंट्रोल एंड डिसिपलिन) विधेयक 2023 और भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक 2023 ध्वनिमत से पारित किये गये। इस दौरान विपक्षी सदस्य मणिपुर मुद्दे पर चर्चा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में आकर वक्तव्य देने की मांग को लेकर हंगामा और नारेबाजी करते रहे। पीठासीन अधिकारी राजेन्द्र अग्रवाल ने विपक्षी सदस्यों से आग्रह किया कि वे अपनी-अपनी सीटों पर जाकर इन महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा में भाग लें। इसके बाद भी विपक्षी सदस्य हंगामा करते रहे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द इंटर सर्विसेज आर्गनाइजेशन (कमांड, कंट्रोल एंड डिसिपलिन) विधेयक 2023 को पेश करते हुए कहा कि यह सेना के तीनों सेवाओं में अनुशासन बनाने में मददगार होगा। कमांडिंग ऑफिसर या कमांडिंग इन चीफ तीनों सेनाओं के मामलों में अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकते हैं। श्री सिंह ने कहा कि यह विधेयक सैन्य सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस विधेयक से सैन्य बलों पर कोई वित्तीय भार नहीं पड़ेगा।

यह विधेयक सेना अधिनियमों में किसी तरह का बदलाव भी नहीं करता। स्थायी समिति ने बिना किसी संशोधन के इस विधेयक को अनुमोदन प्रदान किया है। इसके बाद सदन ने इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके बाद शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक 2023 पेश किया। विधेयक के बारे में श्री प्रधान ने कहा कि इसके माध्यम से प्रबंधकीय जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। इस विधेयक में मुम्बई के एक संस्थान को भारतीय प्रबंधन संस्थान का दर्जा देने के प्रावधान किये गये हैं। इसके माध्यम से सभी भारतीय प्रबंधन संस्थान में एकरूपता लायी जा सकेगी और जवाबदेही सुनिश्चित की जा सकेगी। इस दौरान विपक्षी सदस्य हाथों में तख्तियां लिए सदन के बीचोंबीच मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग और प्रधानमंत्री से सदन में आकर वक्तव्य देने की मांग को लेकर नारेबाजी और हंगामा करते रहे। पीठासीन अधिकारी श्री अग्रवाल ने हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा कि वे अपनी-अपनी सीटों पर जायें और सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलने दें।

राज्यसभा की कार्यवाही हंगामे के कारण स्थगित

राज्यसभा में शुक्रवार को सत्ता पक्ष के सदस्यों ने जहां राजस्थान की स्थिति तो वहीं विपक्षी सदस्यों ने मणिपुर की स्थिति पर चर्चा कराने की जोरदार तरीके से मांग की जिसके कारण हुए हंगामे के चलते एक बार के स्थगन के बाद कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी। सुबह के स्थगन के बाद सभापति जगदीप धनखड़ ने 12 बजे जब कार्यवाही शुरू की तो भाजपा के घनश्याम तिवारी ने राजस्थान में एक किशोरी के साथ बर्बरता का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकार कानून-व्यवस्था की स्थिति कायम रखने में विफल रही है और इस मुद्दे पर सदन में चर्चा की जानी चाहिए। नेता सदन पियूष गोयल ने भी उनकी बात का समर्थन करते हुए कहा कि यह बहुत गंभीर मुद्दा है और सभापति को तुरंत राजस्थान की स्थिति पर सदन में चर्चा करानी चाहिए। विपक्ष के नेता मलिकार्जुन खड़गे ने कहा कि विपक्ष पिछले कई दिनों से नियम 267 के तहत कार्य स्थगन प्रस्ताव लाकर मणिपुर की स्थिति पर चर्चा की मांग कर रहा है लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सदन में ललन को शाह ने खूब सुनाया

नयी दिल्ली, पटना। दिल्ली वाला बिल तो लोकसभा से पास हो गया। चर्चा का जवाब देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। अब इस बिल को राज्यसभा में लाया जायेगा। इस बिल पर चर्चा में कुल 26 सांसदों ने हिस्सा लिया, जिसमें जदयू के अध्यक्ष ललन सिंह भी शामिल रहे। मगर जब मौका अमित शाह को मिला तो चारा घोटाले की याद दिला दी। पहले बिल के बहाने ललन सिंह ने केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला। लोकलाज से लेकर संघीय ढांचे तक की दुहाई दी। मगर दिल्ली वाला बिल पास हो गया, अब इसे राज्यसभा में पेश किया जायेगा। बिल के खिलाफ बोलते हुए ललन सिंह ने कहा कि जो आप लेकर आए हैं, वो संघीय ढांचे पर आघात है। लोकतंत्र के खिलाफ है। आपने लोकतंत्र को समाप्त करने का काम किया है। ललन सिंह ने नसीहत दी कि लोकतंत्र, लोकलाज से चलता है।

शाह ने दिला दी चारा घोटाले की याद : अमित शाह की बारी आयी तो उन्होंने इतिहास की याद दिला दी। अमित शाह ने कहा कि राजीव रंजन जी ने कहा था कि लोकलाज होनी चाहिए। राजीव रंजन जी लोकलाज तो आप मत ही बोलिए क्योंकि जिस चारा घोटाले को लेकर बिहार की जनता के सामने गये थे, आज चारा घोटाला करनेवालों के साथ आप बैठे हैं। फिर गठबंधन किये हैं। लोकलाज आपके मुंह से अच्छा नहीं लगता। जदयू का जन्म ही राजद के विरोध करने के लिए हुआ। गृहमंत्री अमित शाह के बीच भ्रष्टाचार के मुद्दे पर वार पलटवार का दौर दिखा। अमित शाह ने ललन सिंह के सामने भ्रष्टाचार को लेकर ऐसे प्रश्न उठा दिए हैं जिसका जवाब शायद जेडीयू के नेता दे पायें।

ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट देने के लिए एएसआई ने कोर्ट से मांगा चार हफ्ते का वक्त

वाराणसी (हि.स.)। ज्ञानवापी परिसर के सर्वे जुटे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में प्रार्थना पत्र देकर सर्वे रिपोर्ट जमा करने के लिए चार हफ्ते का वक्त मांगा है। एएसआई की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार श्रीवास्तव और शंभूशरण सिंह ने शुक्रवार को जिला अदालत में आवेदन दिया। हिंदू पक्ष ने भी सर्वे रिपोर्ट सौंपे जाने की समय सीमा बढ़ाने की मांग की है। इसके पहले जिला अदालत ने ज्ञानवापी की मौजूदा संरचना को नुकसान पहुंचाए बिना एएसआई को सर्वे का आदेश देकर 04 अगस्त तक रिपोर्ट देने का आदेश दिया था। यह अवधि आज खत्म हो रही थी इसके मद्देनजर एएसआई ने यह आवेदन दाखिल किया। ज्ञानवापी में सर्वे करने के आदेश के खिलाफ प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने पहले सुप्रीम कोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट के कहने पर इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान एएसआई सर्वे को रोके जाने का आदेश दिया था।

मणिपुर में गोली लगने से पुलिसकर्मी सहित दो की मौत, कई घायल

इंफाल। मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। शुक्रवार को भी कई स्थानों पर गोलीबारी हुई है। इस गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी सहित दो लोगों की मौत हुई है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। शुक्रवार को एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि गुरुवार को इंफाल पश्चिम इलाके में गोलीबारी हुई है। इस घटना में सिर में गोली लगने से एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई, जबकि काउट्रुक, हारोथेल और सेंजाम चिरांग इलाकों में भी अराजकतत्वों और सुरक्षाकर्मियों के बीच गोलीबारी हुई। गोलीबारी में एक सुरक्षा गार्ड सहित दो लोग घायल हुए। इसी बीच, पास की पहाड़ी इलाकों में भी गोलीबारी में एक नागरिक की भी मौत हुई है। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के कांगवाई और फोगाकचाओ इलाकों में गुरुवार को झड़पें हुईं। हादसे में कम से कम 19 लोग घायल हो गए। उल्लेखनीय है कि 3 मई से राज्य में लगातार हिंसा हो रही है। शासन प्रशासन शांति बहाली के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है।

चंद्रयान-3 ने चंद्रमा की दो तिहाई दूरी तय की, आज किया जाएगा कक्षा में स्थापित

नई दिल्ली (हि.स.)। चंद्रयान-3 को चंद्रमा की परिधि में पहुंचने में अब केवल 24 घंटे का ही वक्त लगेगा। अंतरिक्ष यान ने चंद्रमा की लगभग दो-तिहाई दूरी तय कर ली है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने शुक्रवार को ट्वीट करके कहा कि चंद्रयान-3 ने दो तिहाई दूरी पूरी कर ली है। इस मिशन की शुरूआत में ही चंद्रमा की परिधि में पहुंचने का समय 5 अगस्त के लिए निर्धारित किया गया है। कल परिधि के पास पहुंचने पर (एलओआई) अर्थात लूनर ऑफरेशन इंजेक्शन शुरू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 मिशन को 14 जुलाई को दोपहर 2 बजकर 35 मिनट पर लांच किया था।

लोकसभा ने भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक- 2023 पारित किया

नई दिल्ली। लोकसभा ने शुक्रवार को भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक- 2023 विपक्ष की नारेबाजी के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया। यह विधेयक आईआईएम संस्थानों की प्रबंधन जवाबदेही भारत के राष्ट्रपति को सौंपता है। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने विधेयक पर बहस का जवाब देते हुए कहा कि सरकार का आईआईएम की स्वायत्तता में हस्तक्षेप करने का कोई इरादा नहीं है। संस्थानों की प्रबंधन जवाबदेही अब राष्ट्रपति को सौंपी गई है और अकादमिक जवाबदेही संस्थानों के पास रहेगी। विधेयक में भारत के राष्ट्रपति को सभी आईआईएम के लिए 'विजिटर' नियुक्त करने के प्रस्ताव है। राष्ट्रपति के पास उनके कामकाज का ऑडिट करने, जांच का आदेश देने और निदेशकों को नियुक्त करने के साथ-साथ हटाने की शक्तियां होंगी। प्रधान ने 28 जुलाई को यह विधेयक लोकसभा में पेश किया था। विधेयक में आईआईएम अधिनियम 2017 में संशोधन का प्रस्ताव है, जिसमें आईआईएम में राष्ट्रपति की शक्तियों में वृद्धि शामिल है।

स्पीड न्यूज

बच्चों की बचत से सभी दंग 16 करोड़ की राशि इकट्ठा की

हिम्मतनगर। साबरकांठा जिले की इडर तहसील के 18 साल तक के बच्चों ने वह कर दिखाया है जो बड़े-बड़ों के लिए प्रेरणा बन जाए। यहां के बालकों ने अपने चॉकलेट, आइसक्रीम और अन्य उपहारों के पैसों की बचत कर अनूठी मिसाल पेश की है। सहकारिता के तहत इडर की बाल गोपाल मंडली में 5 करोड़ की रकम जमा की गई है। यह पूरी राशि 18 साल से कम उम्र के बच्चों की बचत है। केन्द्रीय मंत्री परसोत्तम रूपाला ने लोकसभा में बच्चों की इस कोशिश की सराहना की है। साबरकांठा जिले की इडर स्थित बाल गोपाल मंडली में 17 हजार बालक सदस्य हैं। इन बच्चों ने अब तक करीब 16 करोड़ रुपए जमा किए हैं। अभी इनके बाल बैंक में 5 करोड़ रुपए जमा हैं। साबरकांठा जिले के इन बच्चों ने इस धारणा गलत साबित कर दिया है कि वे रुपए का महत्व नहीं समझते।

शिक्षक ही गुणवत्तापरक शिक्षा की धुरी हैं : मंत्री

देहरादून। शिक्षा मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता की धुरी हमारे शिक्षक ही हैं। हमारी सरकार में गुरुजनों को पूरा सम्मान दिया जाता है। उनके शिक्षण व बच्चों के भविष्य निर्माण की प्रतिबद्धता से ही शिक्षा के मूल उद्देश्यों को हासिल किया जा सकेगा। शुक्रवार को शिक्षा निदेशालय सभागार में आयोजित बैठक में राजकीय शिक्षक संघ के नव निर्वाचित प्रांतीय पदाधिकारियों को बधाई देते हुए शिक्षा मंत्री डॉ रावत ने यह बातें कही। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए जो भी संभव होगा उसे पूरा किया जाएगा।

भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन से सशक्त होगा राष्ट्र : शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन से देश सशक्त होगा। मोदी सरकार भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार और बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में संसदीय राजभाषा समिति की 38वीं बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में देश के सामने पांच प्रण रखे हैं। जिनमें से दो प्रण हैं- विरासत का सम्मान और गुलामी के चिन्हों को मिटाना है। इन दोनों प्रण के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन के लिए सभी भारतीय भाषाओं और राजभाषा को अपनी शक्ति दिखानी होगी। उन्होंने कहा कि विरासत का सम्मान भाषा के सम्मान के बिना अधूरा है और राजभाषा की स्वीकृति तभी आएगी जब हम स्थानीय भाषाओं को सम्मान देंगे। हिन्दी की स्पर्धा स्थानीय भाषाओं से नहीं है, सभी भारतीय भाषाओं को प्रोत्साहन देने

पापुआ न्यू गिनी पहुंचे भारत के दो जहाजों की मारापे ने की मेजबानी

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय नौसेना के चार जहाज इस समय विदेशी मिशन पर हैं। पूर्वी हिंद महासागर में तैनात भारत के जहाज आईएनएस सह्याद्री और आईएनएस कोलकाता पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) में पोर्ट मोरेस्बी पहुंचे। प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने भारतीय राजदूत इनबासेकर सुदामूर्ति के साथ जहाज का स्वागत करके मेजबानी की। इसी तरह ओमान की यात्रा पर गए आईएनएस विशाखापत्तनम और आईएनएस त्रिकंद रॉयल नेवी के साथ समुद्री अभ्यास किया। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने डुकम बंदरगाह का दौरा किया। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस कोलकाता और आईएनएस सह्याद्रि पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) पहुंच गए हैं। यहां पीएनजी के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने कैबिनेट सदस्यों और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ जहाजों का स्वागत किया।

राहुल मामले में सुप्रीम कोर्ट में जजों ने कहा

बयान गुड टेस्ट में नहीं था, पर दो साल कैद की सजा का कारण नहीं

एजेंसी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राहुल गांधी की मोदी सरनेम टिप्पणी पर आपराधिक मानहानि मामले में सजा पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की (न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार) की पीठ ने कहा कि निचली अदालत ने मानहानि के अपराध के लिए भारतीय दंड संहिता के तहत निर्धारित अधिकतम दो साल की कैद की सजा देने का कोई विशेष कारण नहीं बताया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनका बयान गुड टेस्ट में नहीं था। सार्वजनिक जीवन में रहने वाले व्यक्ति से सार्वजनिक भाषण देते समय सावधानी बरतने की उम्मीद

की जाती है। जैसा कि इस अदालत ने अवमानना याचिका में उनके हलफनामे को स्वीकार करते हुए कहा कि उन्हें (राहुल गांधी) अधिक सावधान रहना चाहिए था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट के जज द्वारा अधिकतम दो साल की सजा देने का कोई कारण नहीं बताया गया है। अंतिम निर्णय आने तक दोषसिद्धि के आदेश पर रोक लगाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को राहत देते हुए कहा कि ट्रायल कोर्ट के आदेश के प्रभाव व्यापक हैं। अदालत ने कहा कि इससे न केवल गांधी का सार्वजनिक जीवन में बने रहने का अधिकार प्रभावित हुआ, बल्कि उन्हें चुनने वाले मतदाताओं का अधिकार भी प्रभावित हुआ। राहुल ने कहा कि गुजरात की कोर्ट के फैसले के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता चली गयी। वो छह साल तक चुनाव भी नहीं लड़ सकते। 23 मार्च 2023 को गुजरात केस चीफ जूडिशियल मजिस्ट्रेट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद उन्हें उनके सरकारी बंगले को भी छोड़ने के लिए कह दिया गया था। राहुल गांधी गुजरात हाईकोर्ट भी गए थे पर राहत नहीं मिल सकी।

तीन दिन की गिरावट के बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी

नई दिल्ली (हि.स.)। लगातार तीन दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद आज सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। बाजार ने आज के कारोबार की शुरूआत मजबूती के साथ की थी। दिनभर के कारोबार में कई बार बिकवाली का दबाव भी बनता नजर आया, लेकिन खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में बने रहे। दिनभर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 0.74 प्रतिशत और निफ्टी 0.70 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। शुक्रवार के कारोबार में आईटी सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी होती रही। इसी तरह सर्विसेज, फार्मास्यूटिकल, टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, मेटल और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में भी खरीदारी का रुख बना रहा। दूसरी ओर रियल्टी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल और पावर

सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी शुक्रवार को खरीदारी का जोर बना रहा। इसकी वजह से बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.66 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।शुक्रवार के कारोबार में आई तेजी के कारण बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 1.71 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़ कर 304 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

पाकिस्तान में नौ अगस्त को भंग होगी नेशनल असेंबली

इस्लामाबाद (हि.स.)। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली नौ अगस्त को भंग कर दी जाएगी। मुल्क के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने गुरुवार रात यह घोषणा अपने सरकारी आवास में की की। यह निर्णय संसद सदस्यों के सम्मान में रात्रिभोज में संसदीय नेताओं से मुलाकात के बाद लिया गया। रात्रिभोज में प्रधानमंत्री शहबाज ने सभी से कार्यवाहक प्रधानमंत्री और कार्यवाहक सरकार की व्यवस्था पर चर्चा की। नौ अगस्त को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ नेशनल असेंबली को भंग करने के लिए राष्ट्रपति को औपचारिक सलाह भेजेंगे। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, विघटन को प्रभावी बनाने के लिए राष्ट्रपति को 48 घंटों के भीतर सलाह पर हस्ताक्षर करने होंगे। अगर किसी भी कारण से

राष्ट्रपति सलाह पर हस्ताक्षर नहीं करते हैं, तो असेंबली खुद ही भंग हो जाएगी। प्रधानमंत्री शहबाज ने आश्वासन दिया कि विपक्ष के साथ तीन दिनों के परामर्श के बाद वह कार्यवाहक प्रधानमंत्री का नाम राष्ट्रपति को सौंपेंगे। हालांकि, इस पर अगर कोई समझौता नहीं होता है, तो पाकिस्तान चुनाव आयोग हस्तक्षेप करेगा और प्रस्तावित नामों में से कार्यवाहक प्रधानमंत्री पद के लिए एक उम्मीदवार को नामित करेगा।

स्टेट बैंक का मुनाफा डबल से भी हो गया ज्यादा

नई दिल्ली (हि.स.)। देश के सबसे बड़े स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 जून को समाप्त पहली तिमाही में एसबीआई का मुनाफा दो गुना से ज्यादा हुआ और यह बढ़कर 16,884 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की पहली में बैंक को 6,068 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

स्टेट बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ दो गुना से ज्यादा उछलकर 16,884 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 6,068 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक ने कहा कि उसके बेहतर प्रदर्शन में खराब ऋणों में कमी और ब्याज आय में सुधार का विशेष योगदान रहा। एसबीआई के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 1,08,039 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 74,989 करोड़ रुपये रही थी। इस दौरान बैंक की कुल आय भी बढ़कर 1,32,333 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 94,524 करोड़ रुपये रही थी।

सागर बंदरगाह के पास विस्फोट और गोलीबारी

मास्को। रूस के ऑनलाइन समाचार आउटलेट एस्ट्रा ने शुक्रवार सुबह नोवोरोसिस्क के रूसी काला सागर बंदरगाह के पास विस्फोट और गोलीबारी की आवाज सुने जाने की खबर प्रसारित की है। एस्ट्रा ने इस संबंध में एक वीडियो भी जारी किया है। इस वीडियो में समुद्र की दिशा से आने वाली गोलियों की आवाज के साथ तट से कुछ दूर जहाजों की आवाजाही नजर आ रही है। यह काला सागर के सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार नोवोरोसिस्क की आपातकालीन सेवाओं ने विस्फोटों की पुष्टि की है। इस संबंध में देश की सुरक्षा सेवाओं को सूचित किया गया है। एक अन्य मीडिया संस्थान के अनुसार बंदरगाह ने अस्थायी रूप से सभी जहाजों की आवाजाही पर रोक लगा दी है।

सैयामी ने शेयर किया बॉलीवुड में अपना चौंकाने वाला अनुभव

फिल्म मिर्जिया से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस सैयामी खेर इस समय अपनी फिल्म घूमर को लेकर सुर्खियों में हैं। वह हाल ही में फिल्म घूमर के मौके पर एक इंटरव्यू में शामिल हुईं और बॉलीवुड के कई चौंकाने वाले अनुभवों के बारे में खुलासा किया है। बॉलीवुड में नवोदित कलाकार हर चीज का सामना कैसे करते हैं, इस बारे में मीडिया से बात करते हुए सैयामी खेर ने कहा, मेरे करियर की शुरूआत में मुझे बॉलीवुड में कई लोगों ने सलाह दी थी। अपने होठों और नाक की सर्जरी करवाएं...कुछ लोग कहेंगे। किसी भी 18 साल की लड़की को ऐसी सलाह देना बिल्कुल गलत है। तब मुझे सब कुछ बहुत चौंकाने वाला लगा। ऐसा लगा जैसे जीवन के एक नए खेल में भाग ले रहा हूं। सैयामी ने कहा,

मुझे बॉलीवुड या यहां के लोगों के इन मानदंडों से कभी परेशानी नहीं हुई, लेकिन मुझे उम्मीद है कि एक दिन फिल्म इंडस्ट्री से ये सारे नियम खत्म हो जाएंगे। इस इंडस्ट्री में हर किसी को अलग-अलग चीजें स्वीकार करनी पड़ती हैं। परिवार के समर्थन के बारे में सैयामी ने कहा, मुझे इस बात की सबसे ज्यादा परवाह है कि मेरा परिवार, करीबी दोस्त मेरे बारे में क्या सोचते हैं। मुझे लगता है कि जिंदगी में उनकी राय ज्यादा अहम है। उन कठिन प्रारंभिक वर्षों के दौरान मेरे परिवार और दोस्तों ने मेरा समर्थन किया। अब धीरे-धीरे बॉलीवुड में कई चीजें बदल रही हैं। इस बीच फिल्म घूमर 18 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अभिषेक और सैयामी के साथ-साथ अंगद बेदी, शबाना आजमी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

करण जौहर का बड़ा खुलासा- मैं अपनी मां के लिए ब्रा खरीदता हूं

फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म के कुछ सीन काफी चर्चा में हैं। एक सीन है जिसमें रणवीर सिंह उर्फ रॉकी रानी की मां के लिए ब्रा खरीदते हैं। इस सीन को लेकर करण जौहर ने खुलासा किया है, ह्लमैं अपनी मां के लिए ब्रा खरीदता हूं और मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है करण ने कहा, मैं मां के लिए ब्रा खरीदने जाता हूं और मुझे

इससे कभी कोई दिक्कत नहीं हुई, लेकिन जब मैंने ऐसा किया, तो मेरे साथ कुछ दोस्त भी थे, जो हैरान थे कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूं, मैंने अपनी महिला मित्रों से क्यों नहीं करवाया और मैं सोच रहा था, क्यों? अगर मेरी मां ने मुझसे यह काम करने को कहा तो मैं किसी और को यह काम करने के लिए क्यों भेजूं? मेरी मां अब 81 वर्ष की हैं और अब जब उन्हें किसी चीज की जरूरत होती है और मैं ऐसी जगह पर हूं, जिसके पास वह चीज है, तो मुझे उनके लिए वह चीजें खरीदनी पड़ती हैं जो वह चाहती हैं। यह ब्रा या कुछ और भी हो सकता है। करण ने यह भी बताया कि फिल्म के कुछ दृश्य लोगों को असहज कर सकते हैं, लेकिन वह मेरा कहना था। करण जौहर ने कहा, वह दृश्य मेरे लिए बहुत ही जैविक था, क्योंकि मुझे पता था कि हर कोई असहज महसूस कर रहा था। फिल्म में एक डायलॉग है, जिसमें चूर्णी गांगुली कहती हैं, सदियों से महिलाएं पुरुषों की पैंटी रगड़ती रही हैं और आप ब्रा नहीं छू सकते? इस दृश्य पर लोगों की प्रतिक्रिया भी निश्चित थी।

VERMA PRESS
वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
Verma's® Today®
श्रृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
Hindi	₹ 140	Hindi	₹ 140
English	₹ 140	English	₹ 140
Mathematics	₹ 140	Mathematics	₹ 140
Science	₹ 140	Science	₹ 140
Social Science	₹ 140	Social Science	₹ 140
Sanskrit	₹ 120	Sanskrit	₹ 120
Hindi – B	₹ 140	Hindi – B	₹ 80
Hindi Vyakaran– II	₹ 120	Hindi Vyakaran– II	₹ 120
English Grammar– II	₹ 120	English Grammar– II	₹ 120
Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
Hindi Practical	₹ 55	Hindi Practical	₹ 55
English Practical	₹ 55	English Practical	₹ 55
Maths. Practical	₹ 65	Maths. Practical	₹ 55
Science Practical	₹ 65	Science Practical	₹ 70
S. Science Practical	₹ 65	S. Science Practical	₹ 65
Sanskrit Practical	₹ 55	Sanskrit Practical	₹ 55
Maths. Practical (Combined)	₹ 90	Maths. Practical (Combined)	₹ 75
Science Practical (Combined)	₹ 90	Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
Mathematics	₹ 200	Mathematics	₹ 130
Science	₹ 200	Science	₹ 200
Social Science	₹ 200	Social Science	₹ 130
Maths. Practical	₹ 80	Maths. Practical	₹ 80
Science Practical	₹ 80	Science Practical	₹ 80
S. Science Practical	₹ 80	S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान!